■ भाद्रपद कृष्णा - 3 ■ संवत 2080 ■ वर्ष - 19 ■ अंक - 41 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- बेंगलूरु » शनिवार » 02-09-2023 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 एक राष्ट्र, एक चुनाव का विचार अच्छा, इससे खर्च में कमी आएगी : फडणवीस

6 एकीकृत चिकित्सा प्रणाली वर्तमान की आवश्यकता

7 म्यूजिक इंडस्ट्री में आने से पहले एक्टर बनना चाहता था : अनु मलिक

फर्स्ट टेक

राजनाथ की श्रीलंका यात्रा टली

नई दिल्ली/वार्ता। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की शनिवार से शुरू होने वाली दो दिन की श्रीलंका यात्रा फिलहाल अपरिहार्य कार्यो के चलते टाल दी गई है। रक्षा मंत्रालय ने शुक्रवार देर शाम एक वक्तव्य जारी कर कहा कि कुछ विशेष परिस्थितियों के चलते रक्षा मंत्री की श्रीलंका यात्रा फिलहाल टाल दी गई है। सिंह भारत और श्रीलंका के बीच मजबूत दिवपक्षीय सहयोग के प्रति वचनबद्ध हैं। मंत्रालय ने कहा है कि सिंह निकट भविष्य में जल्द ही श्रीलंका की यात्रा पर जाने के लिए उत्सुक हैं।

पूरे देश को प्रगनानंद पर गर्व है : अनुराग ठाकुर

नई दिल्ली/वार्ता। केंद्रीय युवा एवं खेल मंत्री अनुराग सिंह ठाकुर ने विश्व शतरंज चैंपियनशिप में रजत पदक जीतकर भारत का नाम रोशन करने वाले शतरंज ग्रैंडमास्टर रमेशबाबू प्रगनानंद से मुलाकात की। इस दौरान 18 साल के ग्रैंडमास्टर के माता-पिता भी मौजूद थे। ठाकुर ने प्रग्गनानंद और उनके माता-पिता को हिमाचली रीति-रिवाज के अनुसार सम्मानित किया। उन्होने प्रग्गनानंद को उनके भविष्य के लिए शुभकामनाएं देते हुए कहा, प्रग्गनानंद में बहुत कम उम्र में अद्भुत प्रतिभा है जिसके कारण उन्होंने पूरे देश को गौरवान्वित किया है। हम उन्हें उनके भविष्य के लिए शुभकामनाएं देते हैं। उन्होने कहा हाल के दिनों में खेल के क्षेत्र में भारत ने शानदार प्रदर्शन किया है। आज भारतीय खिलाड़ी सभी प्रतियोगिताओं में हर जगह अपना परचम लहरा रहे हैं। आने वाले दिनों में भारत खेल महाशक्ति बनकर उभरेगा।

ताइवान पर हमले की स्थिति में की जाएगी ठोस प्रतिक्रिया : अमेरिकी सांसद

ताइपे/एपी। ताइवान की यात्रा पर आए एक अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल ने शुक्रवार को कहा कि इस द्वीप पर हमले की स्थिति में अमेरिका कार्रवाई करेगा। अमेरिकी प्रतिनिधि सभा की सशस्त्र बल सेवा संबंधी समिति के उपाध्यक्ष रॉब विटमैन ने ताइवानी राष्ट्रपति त्साई इंग-वेन के साथ बैठक से पहले अपने एक भाषण में कहा, (मैं) जानता हूं कि ताइवान पर बिना उकसावे की कोई भी शत्रुतापूर्ण हमला होने पर अमेरिका ठोस प्रतिक्रिया देगा। अमेरिकी कानून के मुताबिक अमेरिका ताइवान को अपने ऊपर सभी खतरों को 'गंभीर चिंता' के विषय के रूप में लेने तथा अपना बचाव करने में सभी सुविधाएं प्रदान करेगा लेकिन उस कानून में इस बात पर अस्पष्टता है कि चीन के हमला कर देने स्थिति में वह ताइवान को सैन्यबल उपलब्ध कराएगा या नहीं। वर्जीनिया के विटमैन फ्लोरिडा के कार्लोस गीमेनेज और वर्जीनिया के जेन किग्गांस के साथ बृहस्पतिवार को तीन दिवसीय यात्रा पर ताइवान पहुंचे थे।

01-09-2023 सूर्यास्त 6:30 बजे	02-09-2023 सूर्योदय 6:08 बजे
BSE 65,387.16 (+555.75)	NSE 19,435.30 (+181.50)
सोना 6,122 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	चांदी 75,810 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक

epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

कौन दलित

है संविधान में सब समान
फिर कौन दलित कैसे बोलो।
इतिहासों के पन्नों को पढ़,
ना वर्तमान में विश घोलो।
समरसता के सद्भावों को,
ना राजनीति से अब तोलो।
आने दो खुली हवाओं को,
इन बंद खिड़कियों को खोलो।।

समुद्री ताकत उत्थान के लिए आवश्यक : धनखड़

युद्धपोत 'महेंद्रगिरि' का जलावतरण, भारतीय नौसेना की बढ़ेगी ताकत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

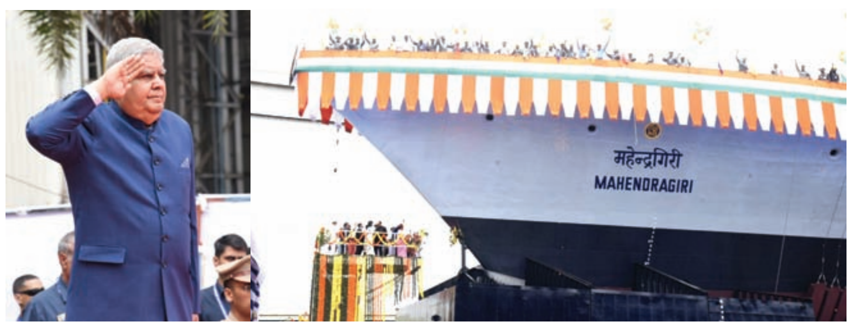

नई दिल्ली/वार्ता। उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने शुक्रवार को कहा कि राष्ट्र की आर्थिक वृद्धि और वैश्विक प्रभुत्व के लिए समुद्री हितों की रक्षा करने और विशेष रूप से हिंद महासागर क्षेत्र में वर्तमान भू-राजनीतिक और सुरक्षा स्थिति में अतिरिक्त जिम्मेदारियां संभालने के लिए एक आधुनिक नौसेना की आवश्यकता है।

धनखड़ ने मुंबई में प्रोजेक्ट 17ए के तहत नीलगिरि श्रेणी के स्टील्थ फ्रिगेट्स के सात युद्धपोतों में से अंतिम, महेंद्रगिरि युद्धपोत के जलावतरण के बाद कहा कि हिन्द-प्रशांत क्षेत्र में भारतीय नौसेना ने सुरक्षा प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। नौसेना ने भारत को शांतिपूर्ण, नियम-आधारित समुद्री व्यवस्था को सुरक्षित और सुनिश्चित करने के लिए एक महत्वपूर्ण वैश्विक खिलाड़ी के रूप में स्थापित किया है।

उप राष्ट्रपति ने जोर देकर कहा कि भारत की समुद्री ताकत आर्थिक और रणनीतिक उत्थान के लिए सर्वोच्च है। उन्होंने कहा कि भारत हमेशा से एक समुद्री यात्रा वाला देश रहा है। भारत में लोथल जैसी दुनिया की सबसे पुरानी गोदियां थीं। उन्होंने कहा कि भारत का 90 प्रतिशत से अधिक व्यापार समुद्री मार्गों से होता है और वर्ष 2047 तक, भारत निश्चित रूप से एक वैश्विक नेता और एक स्थिर शक्ति के रूप में उभरेगा।

हिंद महासागर क्षेत्र में समुद्री डकैती, नशीले पदार्थों की तस्करी, मानव तस्करी, अवैध प्रवासन और प्राकृतिक आपदाओं जैसी विभिन्न चुनौतियों का उल्लेख करते हुए उपराष्ट्रपति ने भारतीय नौसेना के साहस, क्षमता और प्रतिबद्धता की सराहना की।

सूर्य मिशन की उलटी गिनती शुरू, आज होगा प्रक्षेपित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। आंध्र प्रदेश के श्रीहरिकोटा प्रक्षेपण केन्द्र से शनिवार को प्रक्षेपित किये जाने वाले भारत के पहले सूर्य मिशन आदित्य एल1' के प्रक्षेपण की शुक्रवार से उलटी गिनती शुरू हो गई है। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स' पर लिखा, अपराह्न 12.10 बजे प्रक्षेपण की उल्टी गिनती शुरू हुई।

उन्होंने कहा, पीएसएलवी-सी57/आदित्य-एल1 मिशन का दो सितंबर को भारतीय समयानुसार पूर्वाह्न 11.50 बजे प्रक्षेपण किया जायेगा और उलटी गिनती आज अपराह्न 12 बजकर 10 मिनट से बजे शुरू हो गई है।

इसरो के सूत्रों ने बताया कि लॉन्च ऑथराइजेशन बोर्ड और मिशन रेडीनेस कमेटी द्वारा मिशन की प्रगति की समीक्षा करने और मिशन को मंजूरी देने के बाद उल्टी गिनती शुरू हो गई। उन्होंने कहा कि आदित्य-एल1 उपग्रह को इसरो के वर्कहॉर्स लॉन्च वाहन पीएसएलवी-सी57 रॉकेट के जरिए लॉन्च किया जाएगा। सूर्य का अध्ययन करने वाला यह पहला अंतरिक्ष आधारित भारतीय वेधशाला होगा। उलटी गिनती के दौरान, चार चरणों वाले वाहन में ईंधन भरने का कार्य किया जाएगा।

'इंडिया' के नेताओं ने कहा

लोकसभा चुनाव मिलकर लड़ेंगे

सहयोगात्मक भावना के साथ सीटों का तालमेल करेंगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। विपक्षी गठबंधन 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस' (इंडिया) के घटक दलों के प्रमुख नेताओं ने शुक्रवार को फैसला किया कि वे आगामी लोकसभा चुनाव में जहां तक संभव होगा वहां तक मिलकर लड़ेंगे और 'एक हाथ ले, दूसरे हाथ दे' की सहयोगात्मक भावना के साथ बहुत जल्द सीटों का तालमेल करेंगे।

विपक्षी गठबंधन ने मुंबई से यह संकेत भी दिया है कि वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के खिलाफ किसी चेहरे पर दाव लगाने की बजाय मुद्दों को आगे करके जनता के बीच जाएगा।

सूत्रों का कहना है कि अगले कुछ सप्ताह के भीतर ही सीटों पर तालमेल को अंतिम रूप दे दिया जाएगा।

मुंबई के एक पंचसितारा होटल में 28 दलों के 60 से अधिक प्रतिनिधियों की दो दिवसीय मंत्रणा के बाद विपक्षी दलों ने अपने गठबंधन के लिए 14 सदस्यीय समन्वय समिति, 19 सदस्यीय चुनाव अभियान समिति, सोशल मीडिया से संबंधित 12 सदस्यीय कार्य समूह, मीडिया के लिए 19 सदस्यीय कार्यसमूह और शोध के लिए 11 सदस्यीय समूह का गठन किया।

इस बैठक से पहले संयोजक को लेकर भी अटकलें लगाई जा रही थीं, हालांकि शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे का कहना है कि 'इंडिया' के लिए संयोजक की जरूरत नहीं है क्योंकि मोर्चे की समन्वय समिति बनी है जो सहमति के आधार पर काम करेगी। उन्होंने यह भी कहा कि 'इंडिया' का 'लोगो' जारी करने का कार्यक्रम स्थगित कर दिया गया ताकि लोगों के सुझाव लिए जा सकें।

गठबंधन के प्रधानमंत्री पद के चेहरे से जुड़े सवाल पर समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने संवाददाताओं से कहा, सवाल चेहरे का नहीं है। खुशी की बात है कि सब साथ आए हैं। अगर अलग-अलग विचारधाराओं के लोग साथ आते हैं, तो नाम भी आ जाएगा।

बैठक में द्रमुक अध्यक्ष और तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने शुक्रवार को विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' के साझेदारों से तुरंत एक न्यूनतम साझा कार्यक्रम (सीएमपी) तैयार करने का आग्रह किया और कहा कि

'एक राष्ट्र, एक चुनाव' की संभावनाएं तलाशेगी समिति

पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की अध्यक्षता में एक समिति का हुआ गठन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। सरकार ने एक राष्ट्र, एक चुनाव की संभावनाएं तलाशने के लिए पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की अध्यक्षता में एक समिति का गठन किया है। इससे लोकसभा चुनाव का समय आगे बढ़ने की संभावनाओं के द्वार खुल गए हैं ताकि इन्हें कई राज्यों में होने वाले विधानसभा चुनावों के साथ ही संपन्न कराया जा सके।

सूत्रों ने शुक्रवार को बताया कि कोविंद इस कवायद और तंत्र की व्यवहार्यता का पता लगाएंगे कि देश में लोकसभा और राज्य विधानसभा चुनाव एक साथ कैसे कराए जा सकते हैं। देश में 1967 तक लोकसभा और विधानसभा चुनाव एकसाथ हुए थे। उन्होंने बताया कि उम्मीद है कि कोविंद इस संबंध में विशेषज्ञों से बात करेंगे और विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं के साथ विचार विमर्श करेंगे।

सरकार द्वारा 18 सितंबर से 22 सितंबर तक संसद का विशेष सत्र बुलाए जाने के एक दिन बाद यह कदम सामने आया है। सरकार ने हालांकि संसद के विशेष सत्र का एजेंडा घोषित नहीं किया है।

वर्ष 2014 में सत्ता में आने के बाद से ही प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी लगभग निरंतर चुनाव चक्र से वित्तीय बोझ पड़ने और चुनाव के दौरान विकास कार्य को नुकसान पहुंचने का हवाला देते हुए लोकसभा चुनाव और राज्य विधानसभाओं के चुनाव एक साथ कराने के विचार पर जोर देते रहे हैं, जिनमें स्थानीय निकायों के चुनाव भी शामिल हैं।

2000 रुपए के 93 प्रतिशत नोट बैंकों में वापस आए : आरबीआई

मुंबई/भाषा। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने शुक्रवार को कहा कि चलन से हटाए गए 2,000 रुपए मूल्य के कुल 93 प्रतिशत नोट बैंकों में वापस आ गए हैं। आरबीआई ने 19 मई, 2023 को 2,000 रुपए के नोट को चलन से वापस लेने की घोषणा की थी। रिजर्व बैंक के एक बयान के मुताबिक, बैंकों से मिले आंकड़ों से पता चलता है कि 31 अगस्त, 2023 तक बैंकों में जमा 2,000 रुपए के नोटों का कुल मूल्य 3.32 लाख करोड़ रुपए था।

इसका मतलब है कि 31 अगस्त, 2023 को 2,000 रुपए के 0.24 लाख करोड़ रुपए के नोट ही चलन में थे। प्रमुख बैंकों से एकत्रित आंकड़े बताते हैं कि 2,000 रुपए के करीब 87 प्रतिशत नोट बैंकों में जमा कराए गए जबकि 13 प्रतिशत नोटों को अन्य मूल्य वर्ग के नोटों से बदला गया।

'मेरी माटी मेरा देश' देश को महाने बनाने की प्रक्रिया से जुड़ने का अवसर : शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/वार्ता। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को कहा कि 'मेरी माटी- मेरा देश' मात्र एक कार्यक्रम नहीं बल्कि ये नागरिकों के लिए अपने आपको देश के भविष्य के साथ जोड़ने तथा देश को महान बनाने की प्रक्रिया का हिस्सा बनने का माध्यम है।

शाह ने आज यहां 'मेरी माटी-मेरा देश' अभियान के अंतर्गत अमृत कलश यात्रा का शुभारंभ किया। इस अवसर पर केन्द्रीय सूचना और प्रसारण मंत्री अनुराग सिंह ठाकुर, केन्द्रीय विधि और न्याय मंत्री अर्जुनराम मेघवाल, विदेश राज्यमंत्री मीनाक्षी लेखी और संस्कृति मंत्रालय के सचिव सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा , ये कार्यक्रम अपने आप को देश को महान बनाने की प्रक्रिया का हिस्सा बनाने का एक माध्यम बन सकता है और 25 सालों बाद जब यहां उपस्थित बच्चे महान भारत का नेतृत्व करेंगे, तब उनके मन में ये संतोष होगा कि हमारी पिछली पीढ़ी ने हमें एक बहुत मजबूत भारत बनाकर दिया है। उन्होंने कहा कि यह कार्यक्रम एक प्रकार से संध्या की भांति है क्योंकि ये उस वक्त हो रहा है जब आज़ादी के 75 वर्ष पूरे हो चुके हैं और आने वाला अमृतकाल और संकल्प की सिद्धि का कालखंड 15 अगस्त, 2047 को भारत को विश्व में हर क्षेत्र में प्रथम स्थान पर पहुंचाएगा।

जमीन धोखाधड़ी मामले में 161 करोड़ के भूखंड कुर्क

रांची/भाषा। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने शुक्रवार को कहा कि उसने झारखंड में जमीन हड़पने और धोखाधड़ी के एक मामले से जुड़ी धनशोधन जांच के तहत 161 करोड़ रुपए से अधिक के तीन भूखंड कुर्क किए हैं। ईडी ने इस मामले में रांची की एक विशेष अदालत में नया आरोप-पत्र भी दायर किया है। इस मामले में पहली अभियोजन शिकायत 12 जून को दायर की गई थी। संघीय एजेंसी ने इस मामले में झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को दो बार पूछताछ के लिए बुलाया है, लेकिन वह उसके सामने पेश नहीं हुए और समझा जाता है कि उन्होंने ईडी की कार्रवाई के विरुद्ध उच्चतम न्यायालय में याचिका दाखिल की है। समझा जा रहा है कि सोरेन को अगले सप्ताह पेश होने के लिए नए सिरे से समन भेजा गया है। हालांकि, इसकी पुष्टि नहीं हुई है। रांची के चेशायर होम रोड, पुगरू और सीरम में स्थित इन तीन भूखंडों का व्यावसायिक मूल्य 161.64 करोड़ रुपए है।

वर्ष 2035 तक भारत में 42.5 करोड़ हवाई यात्री होंगे : सिंधिया

ग्वालियर/भाषा। नागरिक विमानन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने शुक्रवार को कहा कि भारत में 2035 तक मौजूदा 14.5 करोड़ के स्तर से बढ़कर 42.5 करोड़ हवाई यात्री होने की उम्मीद है। मंत्री ने कहा कि क्षेत्रीय हवाई संपर्क ने नागरिक विमानन का प्रजातंत्रीकरण किया है। उन्होंने देश के नागरिक विमानन क्षेत्र की विकास क्षमता पर प्रकाश डाला और अंतरराष्ट्रीय विमानन क्षेत्र को भारत की ओर देखने का आग्रह किया। वह उद्योग मंडल सीआईआई द्वारा ग्वालियर में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय एयरोस्पेस सम्मेलन में बोल रहे थे। उनके अनुसार, देश में मौजूदा 14.5 करोड़ यात्रियों से 2035 तक 42.5 करोड़ हवाई यात्री होने की उम्मीद है।

आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, जुलाई में घरेलू हवाई यातायात एक साल पहले की अवधि की तुलना में 25 प्रतिशत बढ़कर 1.21 करोड़ यात्री हो गया। सिंधिया ने कहा कि नागरिक विमानन को एक सेवा के साथ-साथ एक उत्पाद के रूप में विकसित करना अनिवार्य है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि अब एयरोस्पेस से जुड़ी कंपनियों के लिए भारत में खुद को प्रतिस्थापित करने का समय आ गया है। सम्मेलन का विषय 'समावेशी वैश्विक मूल्य श्रृंखला की ओर बढ़ना' है।

मारुति ने अगस्त में रिकॉर्ड बिक्री की, अप्रैल-अगस्त अवधि में एसयूवी खंड में बनी अगुवा

नई दिल्ली/भाषा। देश की अग्रणी वाहन विनिर्माता मारुति सुजुकी ने अगस्त में 1,89,082 वाहनों की थोक बिक्री की जो अब तक की सर्वाधिक मासिक बिक्री है। इसके पीछे एसयूवी खंड में जोरदार बिक्री की अहम भूमिका रही है। मारुति के ग्रैंड विटारा, ब्रेज़ा और जिम्नी जैसे एसयूवी मॉडलों का बिक्री आंकड़ा वित्त वर्ष के पहले पांच महीनों में शानदार रहा है। इसके दम पर मारुति अप्रैल-अगस्त अवधि में घरेलू एसयूवी खंड में अग्रणी स्थान पर पहुंच गई।

कंपनी की थोक बिक्री अगस्त में सालाना आधार पर 14 प्रतिशत बढ़कर 1.89 लाख हो गई जबकि एक साल पहले की समान अवधि में उसने 1,65,173 इकाइयों की बिक्री की थी। मारुति का मासिक बिक्री का पिछला रिकॉर्ड अक्टूबर, 2020 में बना था जब कंपनी ने 1,82,448 इकाइयों की मासिक बिक्री दर्ज की थी। मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड (एमएसआईएल) ने एक बयान में कहा कि उसके कुल यात्री वाहनों की घरेलू बिक्री 16 प्रतिशत वृद्धि के साथ 1,56,114 इकाई रही, जो अगस्त 2022 में 1,34,166 इकाई थी। एमएसआई के वरिष्ठ कार्यकारी अधिकारी (विपणन एवं बिक्री) शशांक श्रीवास्तव ने कहा कि कंपनी चालू वित्त वर्ष में अप्रैल-अगस्त की अवधि में महिंद्रा एंड महिंद्रा को पछाड़कर एसयूवी खंड में अग्रणी खिलाड़ी बन गई है। अगस्त में कंपनी की एसयूवी बिक्री 41,658 इकाई रही, जबकि महिंद्रा एंड महिंद्रा की बिक्री इस खंड में 37,233 इकाई रही। उन्होंने कहा, चालू वित्त वर्ष में हम अप्रैल-अगस्त तक एसयूवी खंड में नंबर एक बन गए हैं। ब्रेजा, अर्टिगा, फ्रॉन्क्स, ग्रांड विटारा, जिम्नी और एक्सएल6 जैसे बहु-उपयोगी वाहनों की अगस्त में बिक्री दोगुनी होकर 58,746 इकाई रही, जो पिछले वर्ष अगस्त में 26,932 इकाई थी।

मुंबई के ताज होटल पर 'आतंकी हमले' की झूठी सूचना देने के मामले में व्यक्ति गिरफ्तार

मुंबई/भाषा। मुंबई पुलिस ने दक्षिण मुंबई में स्थित मशहूर होटल ताज पर 'आतंकी हमले' की झूठी 'कॉल' करने के आरोप में 36 वर्षीय एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। एक अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी।

अधिकारी ने बताया कि पुलिस के नियंत्रण कक्ष में बृहस्पतिवार को 'आतंकी हमले' के बारे में एक 'कॉल' प्राप्त हुई थी, जिसके बाद मामले में अपराध शाखा ने जांच शुरू की। फोन करने वाले ने खुद को गाजियाबाद निवासी 'मुकेश सिंह' बताया और दावा किया कि दो पाकिस्तानी नागरिक 26/11 हमले में निशाना बने होटल ताज को 'उड़ाने' के लिए समुद्री मार्ग से मुंबई में प्रवेश करने वाले हैं।

अपराध शाखा की इकाई-नौ ने मुंबई के सांताक्रूज में कॉल करने वाले का पता लगाया और उसे गिरफ्तार कर लिया। अधिकारी ने बताया कि लोगों में दहशत फैलाने के लिए फर्जी कॉल की गई थी। पुलिस ने फोन करने वाले की पहचान गोलीबार रोड इलाके के निवासी जगदंबा प्रसाद सिंह के रूप में की। सिंह को सांताक्रूज पुलिस को सौंप दिया गया है और उसके खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 505 (1) (बी) के तहत मामला दर्ज किया गया है। यह धारा जनता में भय पैदा करने के इरादे से संबंधित है।

प्रतिस्पर्धा आयोग ने एयर इंडिया-विस्तार के विलय को सशर्त मंजूरी दी

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) ने एयर इंडिया और विस्तार के प्रस्तावित विलय को कुछ शर्तों के साथ शुक्रवार को मंजूरी दे दी। टाटा समूह को उसके एयरलाइन कारोबार को बढ़ाने की दिशा में इसे बड़ा कदम माना जा रहा है। सीसीआई ने सोशल नेटवर्किंग मंच एक्स पर शुक्रवार को बताया कि उसने विलय को मंजूरी दे दी है।

उसने कहा, सीसीआई ने टाटा एसआईए एयरलाइंस के एयर इंडिया में विलय को और पार्टियों द्वारा प्रस्तावित स्वैच्छिक प्रतिबद्धताओं के अनुपालन के अधीन एयर इंडिया में सिंगापुर एयरलाइंस द्वारा कुछ शेयरों के अधिग्रहण को मंजूरी दे दी है। विस्तार और एयर इंडिया टाटा समूह की पूर्ण-सेवा वाली एयरलाइंस हैं। विस्तार में सिंगापुर एयरलाइंस की 49 प्रतिशत हिस्सेदारी है। टाटा समूह ने पिछले साल नवंबर में एक सौदे के तहत एयर इंडिया के साथ विस्तार के विलय की घोषणा की, जिसमें सिंगापुर एयरलाइंस भी एयर इंडिया में 25.1 प्रतिशत हिस्सेदारी का अधिग्रहण करेगी। प्रस्तावित विलय के लिए सीसीआई से इस साल अप्रैल में मंजूरी मांगी गई थी। इसमें टाटा संस प्राइवेट लिमिटेड (टीएसपीएल), एयर इंडिया लिमिटेड, टाटा एसआईए एयरलाइंस लिमिटेड (टीएसएएल) और सिंगापुर एयरलाइंस लिमिटेड पक्ष बने हैं। इस सौदे के बाद एयर इंडिया देश की सबसे बड़ी अंतरराष्ट्रीय एयरलाइन और दूसरी सबसे बड़ी घरेलू एयरलाइन बन जाएगी।

जीएसटी संग्रह अगस्त में 11 प्रतिशत बढ़कर 1.59 लाख करोड़ रुपए रहा

नई दिल्ली/भाषा। कर अनुपालन में सुधार और कर चोरी में कमी आने से अगस्त महीने में माल एवं सेवा कर (जीएसटी) संग्रह 11 प्रतिशत बढ़कर 1.59 लाख करोड़ रुपए से अधिक हो गया। वित्त मंत्रालय ने शुक्रवार को अगस्त के जीएसटी संग्रह आंकड़े जारी करते हुए कहा कि इस महीने में सकल जीएसटी राजस्व 1,59,069 करोड़ रुपए रहा। एक साल पहले की समान अवधि में जीएसटी संग्रह 1.43 लाख करोड़ रुपए रहा था। इसमें केंद्रीय जीएसटी का राजस्व 28,328 करोड़ रुपए, राज्य जीएसटी राजस्व 35,794 करोड़ रुपए और एकीकृत जीएसटी राजस्व 83,251 करोड़ रुपए रहा। इस दौरान उपकर के रूप में 11,695 करोड़ रुपए वसूले गए।

वित्त मंत्रालय ने कहा कि इस महीने में वस्तुओं के आयात से प्राप्त राजस्व में 3% और घरेलू लेनदेन से प्राप्त राजस्व में सालाना आधार पर 14 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई। राजस्व सचिव संजय मल्होत्रा ने कहा कि अप्रैल-जून तिमाही में कर दरों में कोई बदलाव नहीं होने के बावजूद जीएसटी संग्रह मौजूदा मूल्य पर सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि दर से अधिक रही है।

सरकार ने 30 करोड़ रुपए से छह राज्यों, केंद्रशासित प्रदेशों में शुरू की जीएसटी पुरस्कार योजना

गुरुग्राम/भाषा। जीएसटी पुरस्कार योजना 'मेरा बिल, मेरा अधिकार' छह राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में शुरू की गई। केंद्र और राज्यों ने चालू वित्त वर्ष में पुरस्कार राशि के लिए 30 करोड़ रुपए का कोष तय किया है। हरियाणा के उपमुख्यमंत्री दुष्यन्त चौटाला ने कहा कि योजना के लिए मोबाइल ऐप को अब तक 50,000 से अधिक लोगों ने डाउनलोड किया है। राजस्व सचिव संजय मल्होत्रा ने कहा कि 'मेरा बिल, मेरा अधिकार' जीएसटी लकी ड्रा छह राज्यों में पायलट आधार पर शुरू किया जा रहा है।

इस महीने से खुदरा महंगाई नरम होने की उम्मीद : आरबीआई गवर्नर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

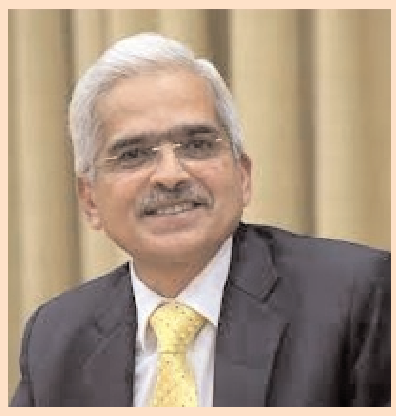

इंदौर (मध्यप्रदेश)/भाषा। भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास ने शुक्रवार को कहा कि केंद्रीय बैंक को इस महीने से खुदरा महंगाई नरम होने की उम्मीद है। उन्होंने टमाटर जैसी सब्जियों के दाम में कमी के साथ ही गैर-बासमती चावल के निर्यात पर पाबंदी और घरों में इस्तेमाल होने वाले रसोई गैस सिलेंडर के दाम में कटौती को लेकर केंद्र सरकार के कदमों का हवाला देते हुए यह बात कही। दास, स्थानीय विद्यार्थियों से संवाद के लिए इंदौर के देवी अहिल्या विश्वविद्यालय के आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

रिजर्व बैंक के गवर्नर ने कहा, ''हम उम्मीद करते हैं कि सितंबर से (खुदरा) महंगाई घटने की शुरुआत हो जाएगी। हालांकि, अगस्त की (खुदरा) महंगाई दर बहुत ज्यादा रहेगी, लेकिन हम उम्मीद करते हैं कि सितंबर से महंगाई कम होनी शुरू हो जाएगी।

आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक सब्जियों समेत मुख्य रूप से खाने का सामान महंगा होने से इस साल जुलाई में खुदरा महंगाई दर उछलकर 7.44 प्रतिशत पर पहुंच गई जो पिछले 15 महीने के दौरान इसका सबसे ऊंचा स्तर था। जून में यह 4.81 प्रतिशत थी।

आरबीआई को खुदरा महंगाई दर दो प्रतिशत घट-बढ़ के साथ चार प्रतिशत पर रखने की जिम्मेदारी मिली हुई है।

दास ने कहा कि टमाटर के दाम पहले ही गिर चुके हैं और इस महीने से अन्य सब्जियों के खुदरा मूल्य भी घटने की उम्मीद है। दास ने कहा कि सरकार ने लोगों को टमाटर और आम जरूरत की अन्य चीजों की किफायती दाम पर आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए कई कदम उठाए हैं। उन्होंने कहा, ''गैर बासमती चावल के निर्यात पर बंदिशें लगाई गई हैं। घरों में इस्तेमाल होने वाले रसोई गैस सिलेंडर के दामों में हाल ही में कटौती की गई है। रिजर्व बैंक के गवर्नर ने कहा, ''जुलाई में (खुदरा) महंगाई की दर बहुत ऊंचे स्तर पर रही थी। इससे सबको आश्चर्य हुआ। लेकिन मुख्य तौर पर टमाटर और अन्य सब्जियों के दाम ज्यादा होने के कारण हम उम्मीद कर रहे थे कि जुलाई में यह ज्यादा ही रहेगी।

पंजाब में अतिरिक्त जिम्मेदारी वाले राजस्व क्षेत्रों में पटवारी हड़ताल पर गए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चंडीगढ़/भाषा। पंजाब के उन राजस्व क्षेत्रों में राजस्व अधिकारी शुक्रवार को अनिश्चितकालीन हड़ताल पर चले गए जहां उन्हें 'अतिरिक्त' जिम्मेदारियां दी गई हैं। पटवारियों (राजस्व अधिकारियों) का प्रतिनिधित्व कर रहे एक यूनियन नेता ने कहा कि 3,193 राजस्व क्षेत्रों में उनलोगों को दी गई अतिरिक्त जिम्मेदारियों से संबंधित कोई भी कार्य वे (पटवारी) नहीं कर रहे हैं, वे केवल अपनी ड्यूटी कर रहे हैं, जिनमें बाढ़ राहत भी शामिल है।

पंजाब के पटवारियों ने पहले पूर्ण कार्य बहिष्कार की धमकी दी थी, लेकिन बृहस्पतिवार को वे अपने रुख में नरमी लाते हुए नजर आए और उन्होंने कहा कि वे अपने राजस्व क्षेत्रों में काम तो करेंगे, लेकिन वे कोई अतिरिक्त जिम्मेदारियां नहीं संभालेंगे। राज्य के राजस्व अधिकारियों-- पटवारियों और कानूनगो के प्रतिनिधियों ने यह भी दावा किया था कि यह अपने रुख से पीछे हटना कतई नहीं है, बल्कि शुक्रवार से सैंकड़ों राजस्व क्षेत्रों में कामकाज प्रभावित होगा। उन्होंने यह भी घोषणा की थी कि पूर्वी पंजाब अनिवार्य सेवा अधिनियम (ईपीईएसएमए) लगाने के पंजाब सरकार के फैसले के विरुद्ध वे लोग पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय का रुख करेंगे।

राजस्व पटवार यूनियन के तत्वावधान में राजस्व अधिकारियों ने संगरूर में एक सप्ताह पहले एक पटवारी और कानूनगो के खिलाफ भ्रष्टाचार का मामला दर्ज करने के बाद हड़ताल का आह्वान किया था। पटवारियों का दावा किया है कि मामला दर्ज करने से पहले उपायुक्त और वित्तीय आयुक्त से मंजूरी नहीं ली गई। इस बीच अधिकारियों ने कहा कि उपायुक्तों से यह सुनिश्चित करने को कहा गया है कि लोगों को इस हड़ताल का खामियाजा नहीं भुगतना पड़े।

एयर इंडिया ने इस साल अप्रैल से 650 पायलट नियुक्त किए : सीईओ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। एयर इंडिया के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) कैंपबेल विल्सन ने कहा कि एयर इंडिया समूह की एयरलाइन ने इस साल अप्रैल से अब तक 650 पायलटों को नियुक्त किया है। उन्होंने कहा कि एयर इंडिया के बड़े बोइंग 777 बेड़े में इस महीने के पहले सप्ताह तक दो बी777 शामिल होंगे। इनमें से एक को पहले ही बेड़े में शामिल किया जा चुका है। इससे एयरलाइन को अमेरिका में सेवाएं और क्षमता बढ़ाने में मदद मिलेगी।

एयर इंडिया समूह में एयर इंडिया और इसकी दो पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनियां - एयर इंडिया एक्सप्रेस और एआईएक्स कनेक्ट (पूर्व में एयरएशिया इंडिया) शामिल हैं। विल्सन ने एयर इंडिया के कर्मचारियों को अपने साप्ताहिक संदेश में कहा, समूह भर्ती प्रकोष्ठ (जीएचसी) ने एक अप्रैल से 650 से अधिक पायलटों को सफलतापूर्वक भर्ती किया है और उन्हें अपने साथ जोड़ा है।

एयर इंडिया ने पिछले साल उत्तरी अमेरिका के मार्गों पर अपनी उड़ानें संचालित करने के लिए 11 बी777 विमानों, छह बी777-300ईआर विमानों और पांच बी777-200-एलआर विमानों को पट्टे पर लेने की घोषणा की थी। उन्होंने यह भी कहा कि लंबे समय से बंद चल रहे तीन बोइंग 787 विमानों में दो सेवा में लौट आए हैं।

शिक्षा मंत्री प्रधान ने एनसीईआरटी को डीम्ड विश्वविद्यालय का दर्जा देने की घोषणा की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान ने शुक्रवार को राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) को 'डीम्ड टू बी विश्वविद्यालय' का दर्जा दिए जाने की घोषणा की। प्रधान ने एनसीईआरटी के 63वें स्थापना दिवस पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए यह घोषणा की।

एनसीईआरटी भारत में स्कूली शिक्षा संबंधी सभी नीतियों पर काम करती है। यह शिक्षा से जुड़े विषय पर मंत्रालय को, विशेषकर स्कूली शिक्षा के संबंध में सलाह देने और नीति-निर्धारण में मदद करती है जिसमें नवाचार, पाठ्यक्रम एवं पाठ्यपुस्तक विकास कार्य भी शामिल है।

शिक्षा मंत्री ने कहा कि आज से एनसीईआरटी को औपचारिक रूप से डीम्ड विश्वविद्यालय का दर्जा मिलेगा। उन्होंने कहा, एनसीईआरटी को डीम्ड टू बी विश्वविद्यालय के रूप में मान्यता मिल रही है।

प्रधान ने कहा कि इंडियन इंस्टीट्यूट आफ साइंस भी डीम्ड टू यूनिवर्सिटी है।

राष्ट्रीय महत्व के संस्थान के दर्जे को लेकर उन्होंने कहा कि उन्हें एनसीईआरटी पर पूरा भरोसा है और यह संस्थान के कार्य पर निर्भर करता है।

गोवा : सावंत ने कार दुर्घटना मामले में राजनीतिक हस्तक्षेप के आरोपों से किया इनकार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पणजी/भाषा। गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने उस सड़क दुर्घटना की जांच में राजनीतिक हस्तक्षेप के आरोपों से शुक्रवार को इनकार कर दिया, जिसमें एक मर्सिडीज कार की टक्कर से यहां तीन व्यक्तियों की मौत हो गई थी। सावंत ने स्पष्ट किया कि वह मामलों की पुलिस जांच में हस्तक्षेप नहीं करते हैं। गोवा अपराध शाखा ने बृहस्पतिवार को आम आदमी पार्टी (आप) की गोवा इकाई के अध्यक्ष अमित पालेकर को इस महीने की शुरुआत में पणजी के पास हुई दुर्घटना के संबंध में तथ्यों को गलत तरीके से पेश करने के आरोप में गिरफ्तार किया।

पुलिस के अनुसार, पालेकर ने दुर्घटना के समय कार चला रहे मुख्य आरोपी को बचाने की कोशिश में जांच अधिकारी के सामने कार चालक के रूप में एक गलत व्यक्ति को पेश करके तथ्यों को कथित तौर पर गलत तरीके से प्रस्तुत किया। हालांकि, आप नेता ने कहा कि उनका अपराध से कोई लेनादेना नहीं है और दावा किया कि उनके खिलाफ कार्रवाई गंदी राजनीति का हिस्सा है।

मुख्यमंत्री सावंत ने पत्रकारों से बातचीत में कहा, मैं किसी भी मामले में हस्तक्षेप नहीं करता। कार्रवाई कानून के मुताबिक की गई है।

पुलिस ने कहा था कि इससे पहले, सुपरमार्केट की एक शृंखला और एक रियल एस्टेट कंपनी के मालिक परेश सावरदेकर को सात अगस्त को कथित तौर पर नशे की हालत में उस वक्त गिरफ्तार किया गया था, जब उसने कथित तौर पर मर्सिडीज चलाते वक्त पणजी के पास बानास्टारिम गांव में पांच वाहनों को टक्कर मार दी थी, जिसमें तीन लोगों की मौत हो गई थी। यह दुर्घटना राज्य की राजधानी से लगभग 15 किलोमीटर दूर पोंडा-पणजी राष्ट्रीय राजमार्ग पर हुई थी, जिसमें तीन कारें, एक मोटरसाइकिल और एक स्कूटर को टक्कर लगी थी।

ओवैसी ने की संसद के विशेष सत्र में चीन एवं अन्य मुद्दों पर चर्चा की मांग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैदराबाद/भाषा। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी ने सरकार द्वारा बुलाए जा रहे संसद के विशेष सत्र में, चीन के साथ चल रहे सीमा विवाद सहित अन्य मुद्दों पर बहस की मांग की तथा 'एक देश-एक चुनाव' पर कोई भी विधेयक लाए जाने को असंवैधानिक बताया है। उन्होंने मांग की कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार चीन पर व्यापक बहस कराए।

ओवैसी ने यहां बृहस्पतिवार रात संवाददाताओं से कहा, चीन ने हमारी 2,000 वर्ग किलोमीटर भूमि पर कब्जा कर रखा है। हमने पहले ही विशेष सत्र बुलाए जाने की मांग की थी। हमें उम्मीद है और हमारी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मांग है कि विशेष सत्र में चीन पर व्यापक बहस होगी। हमने देपसांग और डेमचोक में जमीन खो दी है। उन्होंने दावा किया, हम सीमा पर 25 गश्त बिंदुओं पर गश्त नहीं लगा पा रहे हैं। ओवैसी ने मांग की कि विशेष सत्र में, आरक्षण के मुद्दे पर भी चर्चा की जाए। उन्होंने कहा कि अन्य पिछड़ा वर्ग की उप श्रेणियों संबंधी रोहिणी आयोग ने अपनी रिपोर्ट सौंप दी है। 'एक देश-एक चुनाव' को लेकर आ रही खबरों को लेकर उन्होंने दावा किया है कि यह 'असंभव' है।

ओवैसी ने कहा, अगर ऐसा कोई विधेयक आता है तो यह असंवैधानिक होगा। संविधान की मूल संरचना का संघवाद एक हिस्सा है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के पास राज्यसभा में बहुमत नहीं है। विधानसभाएं इसे पारित नहीं करेंगी। कोई भी गैर भाजपा शासित राज्य इसे स्वीकार नहीं करेगा।

वेदांता ने पर्यावरण नियमों को कमजोर करने के लिए गोपनीय ढंग से लॉबिंग की : ओसीसीआरपी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। खोजी पत्रकारों के वैश्विक नेटवर्क 'ऑर्गेनाइज्ड क्राइम एंड करप्शन रिपोर्टिंग प्रोजेक्ट' (ओसीसीआरपी) की नई रिपोर्ट में आरोप लगाया गया है कि खनन तथा तेल के कारोबार से जुड़ी कंपनी वेदांता ने वैश्विक महामारी के दौरान अहम पर्यावरण नियमों को कमजोर करने के लिए गोपनीय ढंग से लॉबिंग की। इससे पहले ओसीसीआरपी ने अडाणी समूह पर गुपचुप तरीके से अपने ही कंपनियों के शेयरों में निवेश का बृहस्पतिवार को आरोप लगाया था।

जॉर्ज सोसोस द्वारा वित्तपोषित गैर-लाभकारी संगठन ने अपनी ताजा रिपोर्ट में कहा कि भारत सरकार ने सार्वजनिक परामर्श के बिना कुछ परिवर्तनों को मंजूरी दी और उन्हें अवैध तरीकों से लागू किया गया।

रिपोर्ट में कहा गया, एक मामले में, वेदांता ने यह सुनिश्चित करने के लिए दबाव डाला कि खनन कंपनियां नई पर्यावरणीय मंजूरी के बिना 50 प्रतिशत तक अधिक उत्पादन कर सकें।

रिपोर्ट में दावा किया गया कि वेदांता की तेल व्यवसाय कंपनी, केयर्न इंडिया ने भी सरकारी नीलामी में हासिल किए गए तेल ब्लॉकों में 'ड्रिलिंग' के लिए सार्वजनिक सुनवाई रद्द करने की पैरवी भी की। तब से स्थानीय विरोध के बावजूद राजस्थान में केयर्न की छह विवादास्पद तेल परियोजनाओं को मंजूरी दी गई है।

वेदांता के प्रवक्ता ने टिप्पणी के लिए संपर्क किए जाने पर कहा कि समूह 'टिकाऊ तरीके से घरेलू उत्पादन को बढ़ाकर आयात कम करने के उद्देश्य से काम करता है।

प्रवक्ता ने ओसीसीआरपी की रिपोर्ट का खंडन किए बिना कहा, इसी के मद्देनजर, राष्ट्रीय विकास और प्राकृतिक संसाधनों में आत्मनिर्भरता की दिशा में भारत के आगे बढ़ने के लिए सरकार के समक्ष विचार के लिए लगातार अभ्यावेदन दिए जाते हैं।

ओसीसीआरपी ने कहा कि वेदांता समूह के संस्थापक और चेयरमैन अनिल अग्रवाल ने जनवरी 2021 में तत्कालीन पर्यावरण मंत्री प्रकाश जावड़ेकर से कहा था कि सरकार खनन कंपनियों को नई पर्यावरणीय मंजूरी के बिना उत्पादन को 50 प्रतिशत तक बढ़ाने की अनुमति देकर भारत की आर्थिक वृद्धि में तेजी ला सकती है।

अग्रवाल ने जावड़ेकर को लिखा, उत्पादन और आर्थिक वृद्धि को तुरंत बढ़ावा देने के साथ ही इससे सरकार को भारी राजस्व मिलेगा और बड़े पैमाने पर नौकरियां पैदा होंगी। उन्होंने सिफारिश की कि यह बदलाव 'एक साधारण अधिसूचना' के जरिए किया जा सकता है।

रिपोर्ट में कहा गया कि जावड़ेकर ने इस दिशा में तेजी से काम किया और 'उन्होंने अपने मंत्रालय के सचिव और वानिकी महानिदेशक को नीतिगत मुद्दे पर चर्चा करने का निर्देश दिया। इस पत्र पर उन्होंने इसे बेहद महत्वपूर्ण बताया।

ओसीसीआरपी ने कहा इसी तरह के बदलाव के लिए उद्योग जगत के पिछले प्रयास सफल नहीं हो सके थे, लेकिन इस बार अग्रवाल को वह मिला, जो वह चाहते थे।

ओसीसीआरपी ने कहा कि उसने हजारों सरकारी दस्तावेजों को खंगाला है, जिनमें आंतरिक ज्ञापन और बंद कमरे में हुई बैठकों के चर्चा बिंदु से लेकर अग्रवाल के पत्र शामिल हैं। ये पत्र सूचना का अधिकार कानून का इस्तेमाल कर हासिल किए गए।

इसमें दावा किया गया, रिकॉर्ड दिखाते हैं कि सरकारी अधिकारियों ने उद्योग और विशेष रूप से वेदांता के अनुरोधों के अनुसार नियमों को तैयार किया।

एक और स्वदेशी विमानवाहक पोत के लिए ऑर्डर देने पर विचार : एडमिरल कुमार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। नौसेना प्रमुख एडमिरल आर हरि कुमार ने शुक्रवार को कहा कि 'आईएनएस विक्रांत' को बल में शामिल करने के बाद नौसेना एक और स्वदेशी विमान वाहक पोत (आईएसी) के लिए ऑर्डर देने पर विचार कर रही है और इसके लिए जमीन तैयार कर रही है।

नौसेना प्रमुख एडमिरल कुमार उन्नत लड़ाकू पोत 'महेंद्रगिरि' को बेड़े में शामिल किए जाने के मौके पर संवाददाताओं से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि स्वदेश में तैयार 'आईएनएस विक्रांत' के साथ, कोचीन शिपयार्ड ने आईएसी के विनिर्माण में विशेषज्ञता हासिल कर ली है। उन्होंने कहा कि 'आईएनएस विक्रांत' के बाद नौसेना विमानवाहक पोत के लिए काम कर रही है। उन्होंने कहा कि विमानवाहक पोत के विनिर्माण के संदर्भ में बहुत सारी विशेषज्ञता प्राप्त की गई है। उन्होंने कहा कि एक अन्य विमानवाहक पोत के लिए दोबारा आदेश देने पर विचार किया जा रहा है और इसके लिए मामला तैयार किया जा रहा है।

संतोष बनाम येडीयुरप्पा की लड़ाई फिर खुलकर सामने आई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव बी.एल. संतोष द्वारा आयोजित पार्टी की बैठक के बाद कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री बी.एस. येडीयुरप्पा के साथ उनकी लड़ाई एक बार फिर खुलकर सामने आ गई है। येडीयुरप्पा के करीबी विश्वासपात्र और पूर्व मंत्री एम.पी. रेणुकाचार्य ने संतोष पर हमला बोला और येडीयुरप्पा की अनुपस्थिति में बैठक आयोजित करने के लिए उनकी आलोचना की।भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव ने गुरुवार को प्रदेश पार्टी नेताओं की एक बैठक की और इस बात पर जोर दिया कि 2013 में कई लोगों ने कहा था कि भगवा पार्टी समाप्त हो जाएगी, लेकिन उसने 40 विधानसभा सीटें जीतीं।

भाजपा सूत्रों का कहना है कि यह संदर्भ इस तथ्य को उजागर करने के लिए लाया गया था कि येडीयुरप्पा ने उस समय भाजपा छोड़कर 2013 में अपनी पार्टी कर्नाटक जनता पक्ष बनाई थी। सूत्रों ने कहा कि संतोष ने येडीयुरप्पा पर कटाक्ष करते हुये कहा कि भाजपा इस साल के विधानसभा चुनावों में 60 से अधिक सीटें जीतने में कामयाब रही क्योंकि 2013 के अलावा यह पहला विधानसभा चुनाव था जिसमें भाजपा उनके नेतृत्व के बिना उतरी थी।

रेणुकाचार्य ने पूछा कि पिछले विधानसभा चुनाव में 72 नए चेहरों को टिकट क्यों दिए गए और आरोप लगाया कि भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव कर्नाटक के मुख्यमंत्री बनना चाहते हैं और पार्टी को

नियंत्रित करने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा, उन्होंने (बी.एल. संतोष ने) ऐसे नेताओं का एक गिरोह बनाया है जो कभी चुनकर नहीं आये और येडीयुरप्पा को किनारे कर दिया। पार्टी की बैठक उस दिन तय की गई जब येडीयुरप्पा अपने ड्रीम प्रोजेक्ट शिवमोग्गा हवाई अड्डे से सेवाओं की शुरुआत के उद्घाटन में भाग लेने के लिए बेंगलूरु से दूर थे।

रेणुकाचार्य ने संतोष पर निशाना साधते हुए कहा, येडीयुरप्पा का श्राप ही भाजपा की करारी हार का कारण है। जिन लोगों ने बैठकें कीं, उन्होंने पार्टी नहीं बनाई। वह 2006-07 में संघ परिवार से आए थे और मुख्यमंत्री बनना चाहते हैं। वह पूरी पार्टी को नियंत्रित कर रहे हैं।उनका अपना गिरोह है, वह कभी चुनकर नहीं आये, उन्होंने कभी पार्टी नहीं बनाई।

रेणुकाचार्य ने कहा, उन्होंने यह सुनिश्चित करने के लिए धीरे-धीरे येडीयुरप्पा को किनारे कर दिया कि पार्टी पर पकड़ उनके (संतोष के) समर्थकों के पास रहे। उन्होंने भाजपा में लिंगायत नेतृत्व को समाप्त कर दिया। उन्होंने कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री जगदीश शेट्टर को टिकट देने से इनकार कर दिया, जिनके पिता जनसंघ के साथ थे। शेट्टार ने अध्यक्ष, विपक्ष के नेता और मुख्यमंत्री के रूप में सेवा की है, हालांकि उन्हें किसी भी कठिनाई का सामना नहीं करना पड़ा, लेकिन उन्हें चुनाव लड़ने के लिए टिकट देने से इंकार कर दिया गया।

युवाओं में साइबर सुरक्षा के प्रति जागरुकता पैदा की जाए : गहलोत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। राज्यपाल थावर चंद गहलोत ने कहा कि साइबर जागरूकता शिक्षा साइबर अपराधों को रोकने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। वह बेंगलूरु के केंगेरी स्थित क्राइस्ट डीम्ड यूनिवर्सिटी में आयोजित भारत साइबर सुरक्षा शिखर सम्मेलन-2023 के समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि आजकल इंटरनेट हमारे दैनिक जीवन का एक अभिन्न अंग है और इसका प्रभाव हमारे दैनिक जीवन के अधिकांश पहलुओं के साथ हर क्षेत्र में दिखाई देता है।

उन्होंने कहा, साइबरस्पेस हमें दुनिया भर के अरबों ऑनलाइन उपयोगकर्ताओं से जोड़ता है। जैसे-जैसे इंटरनेट का इस्तेमाल बढ़ रहा है, साइबर खतरे भी चिंताजनक रूप से बढ़ रहे हैं। इसलिए, युवाओं को साइबरस्पेस में उनकी भागीदारी के बारे में जागरूक किया जाना चाहिए। साइबर सुरक्षा के लिए एक पारिस्थितिकी तंत्र बनाने और साइबर अपराधों को रोकने में युवा भूमिका निभा सकते हैं। उन्होंने कहा कि साइबर अपराधों को रोकने में साइबर जागरूकता शिक्षा महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। सुरक्षित वैश्विक साइबरस्पेस के लिए टेक-डिप्लोमेसी को और मजबूत किया जाना चाहिए। राज्यों को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि साइबर अपराध से निपटने के लिए कानून प्रवर्तन को और अधिक प्रभावी बनाया जाए। व्यक्तिगत डेटा से निपटने वाली सभी सरकारी और निजी एजेंसियों को अनिवार्य डेटा सुरक्षा मानकों का पालन करना आवश्यक है।

भारत के साइबरस्पेस से जुड़ी कई चुनौतियां हैं। उन्होंने कहा कि भारत सरकार साइबर क्राइम कोऑर्डिनेशन सेंटर ऑफ इंडिया, साइबर सेफ इंडिया, साइबर स्वच्छता केंद्र, भारतीय कंप्यूटर आपातकालीन प्रतिक्रिया टीम, राष्ट्रीय साइबर सुरक्षा समन्वय केंद्र आदि और आईटी अधिनियम जैसे अधिनियमों के माध्यम से साइबर सुरक्षा की दिशा में काम कर रही है। यह जरूरी है कि हम अपने साइबरस्पेस में मौजूद कमजोरियों पर गंभीरता से विचार करें और एक व्यापक साइबर सुरक्षा नीति के माध्यम से कमजोरियों का समाधान करें।

बेंगलूरु को शिक्षा का केंद्र बनाने में क्राइस्ट का योगदान अहम है। यह खुशी की बात है कि क्राइस्ट 50 वर्षों से अधिक समय से उच्च शिक्षा के क्षेत्र में सफलतापूर्वक काम कर रही हैं।

उनका मानना है कि इस विश्वविद्यालय द्वारा दो दिनों तक आयोजित शिखर सम्मेलन में साइबर सुरक्षा से जुड़े मुद्दे पर सार्थक चर्चा कर जो निर्णय लिये जायेंगे, वह साइबर सुरक्षा के लिए लाभकारी होंगे। इस मौके पर क्राइस्ट डीम्ड यूनिवर्सिटी के कुलपति फादर डॉ. जोसेफ, सीसीजी स्कूल ऑफ इंजीनिरंग एण्ड टेक्नोलॉजी के निदेशक फादर डॉ. सोनी जे चुड्तु, कौशल विकास निगम के एमडी अश्विन गौड़ा, आईसीटी अकादमी के सीईओ हरि बालाचंद्रन उपस्थित थे।

सौतेली मां ने नवजात को कीटनाशक मिला दूध पिलाकर मार डाला

यादगीर। कर्नाटक के यादगीर जिले के बाबाला गांव में पांच महीने की एक बच्ची को उसकी सौतेली मां ने दूध में कीटनाशक मिलाकर पिलाकर मार डाला। पुलिस ने शुक्रवार को बताया कि घटना 30 अगस्त को हुई। पुलिस के मुताबिक, सिद्दप्पा को पहली पत्नी श्रीदेवी से कोई संतान नहीं थी, इसलिए उन्होंने देवम्मा से शादी की और चार बच्चों के माता-पिता बन गए। हाल ही में श्रीदेवी ने एक बेटी को जन्म दिया, जिसका नाम संगीता रखा गया।

दक्षिण पश्चिम रेलवे

निविदा सूचना सं. CAO/CN/BNC/64/2023
दिनांक: 28.08.2023

अधोहस्ताक्षरी, भारत के राष्ट्रपति की ओर से निम्नलिखित कार्य के लिए ई-निविदा आमंत्रित करते हैं:

क्र	कार्यों का नाम	अनुमानित मूल्य
1	तुमकुरु-रायदुर्गा नई लाइन:- कोट्टालम और मडकशीर स्टेशनों पर 1. एप्रोच (संतुलन कार्य) और पी.वे के साथ अर्थवर्क, ब्लैंकेटिंग, छोटे पुल, प्रमुख पुल, रोड ओवर ब्रिज और रोड अंडर ब्रिज का निर्माण, सीएच:84/000 से सीएच:106/000 और एफओबी के बीच गिट्टी की आपूर्ति,पीएफ शेल्टर का निर्माण, प्लेटफार्म कार्य, स्टेशन भवन एवं यात्री सुविधाओं का कार्य और कोट्टालम और मडकशीर यार्ड में संपर्क सड़क का काम। 2. सीएच:84/000 से सीएच:106/000 और कोट्टालम और मडकशीर यार्ड के बीच सामान्य विद्युत कार्य। (समग्र कार्य) **(निविदा संदर्भ संख्या: TK-RDG-93-R)**	रू. 178,40,54,622.04
	क्रमांक 1 के लिए बोली जमा करने की अंतिम तिथि: **15.09.2023 की 15:00 बजे तक।**	
2	गदग-वाडी नई बीजी लाइन खंड:-तलकल और कुस्टगि में एफओबी, पीएफ शेल्टर, एप्रोच रोड, रोड डायवर्जन, आरयूबी, एक लाख लीटर का जीएलआर का प्रस्तावित निर्माण और तलकल (छोड़कर) और कुस्टगि (सहित) के बीच स्टेशनों पर बाकी कार्य और कुस्टगि रेलवे स्टेशन पर पानी की व्यवस्था। **(निविदा संदर्भ संख्या: जीडीजी-डब्ल्यूडी-54)**	रू. 39,65,97,663.00
3	हुब्बल्ली-बल्लारी अनुभाग:- नवलगुंद रोड - अन्निगेरी स्टेशनों के बीच एलसी नंबर 18 के बदले आरओबी के दोनों तरफ अन्निगेरि-नवलगुंद एसएच-137 पर 7x18.30 मीटर पीएससी गर्डर (नवलगुंद अंत) और 6x18.30 मीटर पीएससी गर्डर (अन्निगेरिअंत) और अस्थायी डायवर्जन रोड और सर्विस रोड सहित पहुंच के रूप में जियोग्रिड के साथ प्रीकास्ट सीसी ब्लॉक के साथ1x60.0 मीटर क्लियर स्पैन बॉलस्ट्रिंग स्टील गर्डर (रेलवे स्पैन) के साथ किमी 34/700-800 पर रोड ओवर ब्रिज (आरओबी) का प्रस्तावित निर्माण। **(निविदा संदर्भ संख्या: जीडीजी-डब्ल्यूडी-आरओबी-एलसी-18)**	रू. 43,84,04,375.67
	क्रमांक 2&3 के लिए बोली जमा करने की अंतिम तिथि: **18.09.2023 की 15:00 बजे तक।**	

विवरण के लिए लॉग ऑन करें: www.ireps.gov.in

उप मुख्य अभियंता/निर्माण/कार्य
बेंगलुरु छावनी

PUB/343/AAV/PRB/SWR/2023-24

S.W.Railways SWRRLY SWRRLY

जगदीश शेट्टर ने बीएल संतोष का मजाक उड़ाया, कहा कर्नाटक में भाजपा डूबता जहाज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री जगदीश शेट्टर ने शुक्रवार को भारतीय जनता पार्टी के महासचिव बीएल संतोष का मजाक उड़ाया और उन्हें अपने विधायकों को एकजुट रखने की सलाह देते हुए कहा कि भाजपा राज्य में एक डूबता हुआ जहाज है। शेट्टर की यह चेतावनी भाजपा प्रवक्ता एमजी महेश के उस बयान के एक दिन बाद आई है जिसमें संतोष ने दावा किया था कि कांग्रेस के लगभग 45 नेता उनके संपर्क में हैं और भाजपा का कोई भी विधायक पार्टी छोड़कर नहीं जा रहा है।

इस बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए कांग्रेस के विधान पार्षद एमएलसी शेट्टार ने कहा कि ऐसा कोई कारण नहीं है कि कांग्रेस विधायक पार्टी छोड़ेंगे क्योंकि राज्य में कांग्रेस की बहुत मजबूत और स्थिर सरकार है।

शेट्टर ने कहा, मैं उन्हें सलाह दूंगा कि पहले वे अपने पूर्व विधायकों सहित भाजपा विधायकों को एकजुट रखें क्योंकि भाजपा राज्य में अपने अस्तित्व की लड़ाई लड़ रही है। जब सरकार को ठोस बहुमत प्राप्त है तो कांग्रेस कौन छोड़ेगा? उन्हें कुछ ऑपरेशन करने दीजिए, उन्हें कल ही विधायकों को अपने साथ ले जाने दीजिए, देखते हैं। एक सवाल के जवाब में शेट्टर ने कहा कि विधानसभा में विपक्ष के नेता और प्रदेश पार्टी अध्यक्ष की अनुपस्थिति में संतोष द्वारा बैठक की अध्यक्षता शुरू करने के बाद भाजपा अपनी जमीन खो चुकी है। उन्होंने कहा कि कर्नाटक भाजपा कुछ नेताओं के हाथों में खेल रही है और जब तक भाजपा उनसे छुटकारा नहीं पाती, तब तक वह लगातार नीचे गिरती रहेगी। यह पूछे जाने पर कि क्या भाजपा ने उनसे पार्टी में फिर से शामिल होने के लिए संपर्क किया है, शेट्टर ने कहा कि न तो उनकी पूर्व पार्टी और न ही उन्होंने एक-दूसरे से संपर्क किया है।

देवेगौड़ा के पोते व सांसद प्रज्ज्वल रेवन्ना का चुनाव अमान्य घोषित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक उच्च न्यायालय ने हासन से जनता दल (एस) के सांसद एवं पूर्व प्रधानमंत्री एच.डी. देवेगौड़ा के पोते प्रज्ज्वल रेवन्ना का चुनाव शुक्रवार को अमान्य घोषित कर दिया। न्यायमूर्ति के. नटराजन ने अपने फैसले में निर्वाचन क्षेत्र के एक मतदाता जी. देवराज गौड़ा और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के तत्कालीन (2019 लोकसभा चुनाव) पराजित उम्मीदवार ए. मंजू द्वारा दायर दो याचिकाओं को आंशिक रूप से अनुमति देते हुए निर्वाचन आयोग को चुनाव कदाचार संबंधी नियमों के तहत रेवन्ना के खिलाफ कार्रवाई करने का निर्देश दिया।

रेवन्ना जद (एस) के संरक्षक और पूर्व प्रधानमंत्री देवेगौड़ा के पोते हैं, और 2019 में कर्नाटक में लोकसभा चुनाव जीतने वाले पार्टी के एकमात्र उम्मीदवार हैं। मंजू ने भाजपा के टिकट पर रेवन्ना के खिलाफ लोकसभा चुनाव लड़ा था और वह हार गए थे। बाद में वह जद (एस) में शामिल हो गए थे और वर्तमान में विधायक हैं। याचिकाओं में दावा किया गया था कि रेवन्ना चुनावी कदाचार में शामिल थे और उन्होंने निर्वाचन आयोग के समक्ष अपनी संपत्ति की घोषणा नहीं की थी। न्यायमूर्ति के. नटराजन ने शुक्रवार को अदालत में अपने फैसले का मुख्य अंश लिखवाया। न्यायाधीश ने दोनों याचिकाओं को आंशिक रूप से अनुमति प्रदान करते हुए 2019 में हुए रेवन्ना के चुनाव को अमान्य घोषित किया। हालांकि, उच्च न्यायालय ने मंजू को विजयी उम्मीदवार घोषित करने की याचिकाकर्ताओं के अनुरोध को खारिज कर दिया, क्योंकि वह स्वयं भ्रष्ट आचरण में संलिप्त थे।

उच्च न्यायालय ने निर्वाचन आयोग को चुनावी कदाचार के लिए प्रज्ज्वल के पिता एच.डी. रेवन्ना (विधायक और पूर्व मंत्री) और भाई सूरज रेवन्ना (विधान परिषद सदस्य) के खिलाफ कार्रवाई करने का भी निर्देश दिया।

याचिकाओं में कदाचार के साथ-साथ प्रज्वल द्वारा संपत्ति की घोषणा न करने के कई उदाहरण दिए गए थे। दावा किया गया था कि चेन्नम्बिका कन्वेंशनल हॉल की कीमत कम से कम पांच करोड़ रुपये थी, लेकिन प्रज्वल ने इसकी कीमत केवल 14 लाख रुपये बताई थी। इसी तरह, एक बैंक खाते में पांच लाख रुपये होना घोषित किया गया था, लेकिन कथित तौर पर उसमें 48 लाख रुपये जमा थे।

रोहित विजयदेव ने यलहंका वायुसेना स्टेशन की कमान संभाली

बेंगलूरु/दक्षिण भारत । एयर कमोडोर रोहित विजयदेव ने शुक्रवार को एयरबेस पर एक प्रभावशाली औपचारिक परेड में एयर कमोडोर मुकेश कुमार यादव से वायु सेना स्टेशन यलहंका की कमान संभाली। एयर कमोडोर रोहित विजयदेव प्रतिष्ठित राष्ट्रीय रक्षा अकादमी के पूर्व छात्र हैं; और 1997 में भारतीय वायुसेना की फ्लाइंग (पायलट) शाखा के परिवहन स्ट्रीम में कमीशन किया गया था। उनके पास विभिन्न प्रकार के परिवहन विमानों पर 6200 घंटे से अधिक का उड़ान अनुभव है: जैसे एवरो, एम्ब्रेयर और डोर्नियर -228; और देश के सभी महत्वपूर्ण क्षेत्रों में काम किया है। श्रेणी 'ए' योग्य फ्लाइंग प्रशिक्षक, और एक मास्टर ग्रीन पायलट; उन्होंने अब तक विभिन्न कमांड, स्टाफ और अनुदेशात्मक नियुक्तियाँ की हैं।

वायु अधिकारी को प्रतिष्ठित डिफेंस सर्विसेज स्टाफ कॉलेज वेलिंगटन और नेवल वॉर कॉलेज, गोवा में पाठ्यक्रम करने का गौरव प्राप्त है। उनकी सराहनीय सेवा और कर्तव्य के प्रति समर्पण के लिए, उन्हें भारत के राष्ट्रपति द्वारा वायुसेना पदक से सम्मानित किया गया है; और वायुसेना प्रमुख ने इसकी सराहना की है।

बुर्का पहने लड़की और दोस्त को 'जय श्री राम' बोलने पर धमकी देने पर गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु । कर्नाटक पुलिस ने एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है, जिसने बुर्का पहने एक लड़की और उसके दोस्त को 'जय श्री राम' का नारा लगाने पर जान से मारने की धमकी दी थी। आरोपी की पहचान ऑटो चालक नेयाज़ खान के रूप में हुई। पुलिस ने शुक्रवार को कहा कि पुलिस और तथ्य जांच विंग बेंगलूरु के कोनानकुंटे इलाके में आरोपी को पकड़ने में कामयाब रहे। पुलिस ने कहा कि नेयाज़ खान के खिलाफ कोई मामला नहीं था और वह सोशल मीडिया पर बहुत सक्रिय था। उसने पुलिस को बताया था कि वीडियो देखकर उसे गुस्सा आ गया और उसने धमकी दे दी। तलघट्टपुरा पुलिस इस संबंध में मामला दर्ज कर जांच कर रही है।

बुर्का पहने लड़की और टोपी पहने युवक को 'जय श्री राम' का नारा लगाते हुए दिखाने वाला एक वीडियो वायरल होने के बाद, आरोपी ने उन्हें सोशल मीडिया पर धमकी दी कि अगर उस पोशाक में 'जय श्री राम' का नारा लगाने की हिम्मत की तो उन्हें काट दिया जाएगा।

संसद के विशेष सत्र के एजेंडे में 'महत्वपूर्ण विषय' : केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी

बेंगलूरु/दक्षिण भारत । केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी ने शुक्रवार को कहा कि संसद के 18 से 22 सितंबर तक आहूत 'विशेष सत्र' के एजेंडे में 'महत्वपूर्ण विषय' हैं और इसके बारे में जल्द ही जानकारी जारी की जायेगी। जोशी ने विशेष सत्र के एजेंडे का ब्यौरा देने से मना कर दिया और कहा कि इसकी तैयारी अंतिम चरण में है। संसदीय कार्य मंत्री जोशी ने टेलीफोन पर सम्पर्क करने पर पीटीआई भाषा से कहा 'संसद सत्र बुलाया गया है और कई महत्वपूर्ण विषय हैं। एजेंडा जल्द जारी किया जायेगा।' उन्होंने कहा, 'इसके लिए पर्याप्त समय है और एजेंडा जारी करने के लिए जरूरी समय का पालन किया जायेगा।' केंद्र सरकार ने 'अमृत काल' के बीच 18 से 22 सितंबर तक संसद का 'विशेष सत्र' बुलाया है जिसमें पांच बैठकें होंगी। संसद का विशेष सत्र (17वीं लोकसभा का 13वां सत्र और राज्यसभा का 261वां सत्र) 18 से 22 सितंबर को बुलाया गया है।

एक साथ चुनाव कराना वांछनीय लेकिन इसमें कई व्यावहारिक चुनौतियां : कृष्णमूर्ति

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। देश के पूर्व निर्वाचन आयुक्त टी एस कृष्णमूर्ति ने शुक्रवार को कहा कि लोकसभा और राज्यों के विधानसभा चुनाव एक साथ कराना वांछनीय है और खर्च में कमी सहित इसके कई फायदे भी हैं, लेकिन इसे लागू करने के लिए कई व्यावहारिक चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा। सरकार ने 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' की संभावनाएं तलाशने के लिए पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की अध्यक्षता में एक समिति का गठन किया है। इस संबंध में टिप्पणी के लिए संपर्क किए जाने पर कृष्णमूर्ति ने टेलीफोन पर कहा, 'संभावना पर विचार करना, उसकी जांच करना अच्छी बात है।' कृष्णमूर्ति के अनुसार एक साथ चुनाव कराने के फायदे और नुकसान दोनों हैं। पूर्व निर्वाचन आयुक्त कृष्णमूर्ति ने कहा, 'इसके (एक साथ चुनाव कराने के) कई फायदे हैं, इस अर्थ में कि आप चुनाव प्रचार आदि में इतना समय बर्बाद नहीं करेंगे। संभवत: चुनाव खर्च में भी कमी आयेगी।' उन्होंने कहा कि एक साथ चुनाव कराकर काफी धन और समय बचाना बेहतर होगा। उन्होंने रेखांकित किया कि अतीत में कुछ राज्यों में संसदीय चुनावों के साथ-साथ राज्य चुनाव भी कराए गए थे और लोगों ने अलग-अलग तरीके से मतदान किया। उन्होंने कहा कि इस बात के पर्याप्त साक्ष्य हैं कि विधानसभा चुनाव और लोकसभा चुनाव एक साथ कराए जाने पर भी मतदाता अलग-अलग तरीके से मतदान करते हैं।

रिपब्लिक नेटवर्क कन्नड़ भाषा में समाचार चैनल शुरू करेगा

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। रिपब्लिक मीडिया नेटवर्क कन्नड़ भाषा में समाचार चैनल शुरू करेगा। कंपनी ने कर्नाटक मीडिया समूह वीआरएल न्यूज मीडिया की प्रसारण संपत्तियों के रणनीतिक अधिग्रहण के बाद टीवी चैनल 'रिपब्लिक कन्नड़' शुरू करने की घोषणा की है। कंपनी ने कहा कि यह रिपब्लिक मीडिया नेटवर्क का पूर्ण स्वामित्व वाला चैनल होगा और इसका प्रसारण बहुत जल्द होगा। कंपनी ने बयान में कहा कि अपने आदर्श वाक्य 'निम्मा ध्वनि' (आपकी आवाज) के साथ रिपब्लिक कन्नड़ पूरा न्याय करेगा। नेटवर्क ने कहा, 'रिपब्लिक कन्नड़ खुफिया जांच पर केंद्रित रहेगा। रिपब्लिक कन्नड़ नागरिक-केंद्रित होगा...।'

विपक्ष का गठबंधन बिना दर्शक वाला घूमता सिनेमा

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री प्रह्लाद जोशी ने शुक्रवार को विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' का मजाक उड़ाते हुए उसकी तुलना यात्रा कर रहे बिना दर्शक वाले 'टॉकिज' से की। विपक्षी गठबंधन पर निशाना साधते हुए जोशी ने कहा कि यह भ्रम और विरोधाभासों का पुलिंदा है। केंद्रीय मंत्री ने कहा, ...और उनका एजेंडा क्या है? एजेंडा यह नहीं है कि हम देश के लिए कुछ अच्छा करने वाले हैं। एजेंडा यह है कि 'मोदी को हराओ'। कोई भी पार्टी या गठबंधन नकारात्मक अभियान के साथ सफल नहीं होगा। उन्होंने विपक्षी गठबंधन की शुक्रवार को मुंबई में हो रही बैठक और पटना तथा बेंगलुरु में हो चुकी बैठकों का जिक्र करते हुए कहा, यह यात्रा करने वाले टॉकिज की तरह है, जिसमें सिनेमा दिखाया जा रहा है, लेकिन दर्शक नहीं है। दर्शक नहीं हैं, इसलिए एक जगह पर एक शो होता है, फिर दूसरा शो दूसरी जगह होता है। जोशी ने कहा, यात्रा करने वाला टॉकिज खाली है।

शिवराज और संजना को मिली अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पहचान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। यहां प्रेस क्लब में छठवीं के छात्र शिवराज और संजना ने सामान्य ज्ञान श्रेणी में मिले अनेक पुरस्कार सहित पहुंचे। रायचूर जिले के लिंगसगुरु तालुक के मुदगल शहर के एक गरीब परिवार में जन्मे भाई बहन शिवराज और संजना 6वीं कक्षा के छात्रा हैं। इन्हें सामान्य ज्ञान श्रेणी में अमेरिका द्वारा दिए गए विश्व प्रतिभा पुरस्कार सहित अनेक पुरस्कार मिले हैं। अप्पू विद्याधाम मुदगल इंस्टीट्यूट के डॉ. महंतेश छलावड़ी ने सरकार से इन दोनों के लिए मान्यता और सहयोग की अपील की है। एक संवाददाता सम्मेलन में बोलते हुए उन्होंने कहा कि दोनों ने सामान्य ज्ञान श्रेणी में राज्य का नाम रोशन किया है। उन्होंने 20 वर्ल्ड रिकॉर्ड्स, 2 एशियन बुक ऑफ रिकॉर्ड्स, 4 इंडियन बुक ऑफ रिकॉर्ड्स, कर्नाटक बुक ऑफ रिकॉर्ड्स सहित कई अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार जीते हैं। पुनीत राजकुमार की सभी फिल्मों के नाम, 195 देशों और

राजधानियों की मुद्रा के नाम, 100 रासायनिक सूत्र, कन्नड़ की महानतम साहित्यिक कृतियाँ और उनके काव्यात्मक नाम, ये छोटे बच्चे एक साधारण आशा कार्यकर्ता के बच्चे हैं जो दुनिया में हर चीज और कहीं भी धाराप्रवाह बोलते हैं। उनकी प्रतिभा को प्रोत्साहित करने और उसे आगे बढ़ाने के लिए उन्हें वित्तीय सहायता की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि सरकार को तुरंत उनकी प्रतिभा को पहचानना चाहिए, ऐसी प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करना चाहिए और उनका सम्मान करना चाहिए। प्रेस कॉन्फ्रेंस में शिवराज संजना ने पुनीत राजकुमार 'अप्पू' की फिल्मों और लेखकों के नाम बताकर चौंका दिया।

आदित्य-एल1 मिशन का सबसे बड़ा उपकरण प्रतिदिन भेजेगा 1,440 तस्वीरें : वैज्ञानिक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। सूर्य के अध्ययन के लिए शनिवार को प्रक्षेपित किए जाने वाले भारत के पहले मिशन 'आदित्य-एल1' का प्राथमिक उपकरण विजिबल एमिशन लाइन कोरोनाग्राफ' (वीईएलसी) इच्छित कक्षा तक पहुंचने पर विश्लेषण के लिए जमीनी केंद्र को प्रतिदिन 1,440 तस्वीरें भेजेगा।

वीईएलसी उपकरण 'आदित्य-एल1' का सबसे बड़ा और तकनीकी रूप से सबसे चुनौतीपूर्ण पेलोड है, जिसे बेंगलुरु के पास होसकोटे में भारतीय ताराभौतिकी संस्थान (आईआईए) के क्रेस्ट (विज्ञान प्रौद्योगिकी अनुसंधान और शिक्षा केंद्र) परिसर में इसरो के सहयोग से एकीकृत किया गया था। इसका परीक्षण और क्रम निश्चित करने का कार्य भी इसी परिसर में किया गया। 'आदित्य-एल1' को शनिवार दो सितंबर को पूर्वाह्न 11:50 बजे पीएसएलवी-सी57 रॉकेट के माध्यम से प्रक्षेपित किया जाएगा। यह सूर्य का अध्ययन करने के लिए अपने साथ सात पेलोड ले जाएगा, जिनमें से चार सूर्य के प्रकाश का निरीक्षण करेंगे और शेष तीन उपकरण प्लाज्मा एवं चुंबकीय क्षेत्र के यथास्थान मापदंडों को मापेंगे। इसे लैग्रेंजियन' बिंदु-1 (एल1) के चारों ओर एक प्रभामंडल कक्षा में स्थापित किया जाएगा, जो सूर्य की दिशा में पृथ्वी से 15 लाख किलोमीटर दूर है। यह सूर्य के चारों ओर उसी सापेक्ष स्थिति में चक्कर लगाएगा और इसलिए लगातार सूर्य को देख सकता है। आदित्य एल1 की परियोजना वैज्ञानिक और वीईएलसी की संचालन प्रबंधक डॉ. मुथु प्रियाल ने कहा, तस्वीर चैनल से प्रति मिनट एक तस्वीर आएगी यानी 24 घंटे में लगभग 1,440 तस्वीर हमें जमीनी स्टेशन पर प्राप्त होंगी।

आईटीआई लिमिटेड

सीआईएन सं.: एल32202केए1950जीओआई000640
पंजीकृत एवं निगमित कार्यालय: आईटीआई भवन, दूरवाणी नगर, बेंगलूरु - 560 016
वेबसाइट: www.itiltd.in; ई-मेल: cosecy_crp@itiltd.co.in
टेलीफोन: +91(80)25617486; फैक्स: +91(80)25617525

73वीं वार्षिक आम बैठक, बहियां बंद करने तथा ई-वोटिंग की सूचना का नोटिस

वार्षिक आम बैठक

एतद्वारा यह सूचित किया जाता है कि आईटीआई लिमिटेड के सदस्यों की **73वीं वार्षिक आम बैठक (एजीएम) का आयोजन गुरुवार, दिनांक 28 सितंबर, 2023 को पूर्वाह्न 11.30 बजे वीडियो कांफ्रेंस (''वीसी'') / अन्य ऑडियो विजुअल माध्यम (''ओएवीएम'')** से किया जाएगा।

वार्षिक आम बैठक का नोटिस तथा वार्षिक रिपोर्ट :

कॉर्पोरेट कार्य मंत्रालय तथा सेबी के परिपत्रों तथा उनके अध्याधीन लागू नियमों का अनुसरण करके वर्ष 2022-23 की वार्षिक रिपोर्ट के साथ-साथ निर्धारित व्यवसाय संव्यवहारों का नोटिस इलेक्ट्रॉनिक्स स्वरूप में उन सदस्यों को दिनांक 01 सितबंर, 2023 को भेज दिया गया है जिनके ई-मेल पते कंपनी/डिपोजिटरी पार्टीसिपेंट (पार्टीसिपेंटों) के पास पंजीकृत हैं।

ई-वोटिंग की प्रक्रिया, वार्षिक आम बैठक में वीडियो कांफ्रेंसिंग/अन्य आडियो/विजुअल माध्यम से भाग लेने तथा शेयरधारकों द्वारा अपने ई-मेल पते का पंजीकरण करवाने की जानकारी से युक्त 73वीं वार्षिक आम बैठक के आयोजन का नोटिस तथा वर्ष 2022-23 की वार्षिक रिपोर्ट का संपूर्ण अंक कंपनी की वेबसाइट www.itiltd.in पर 'निवेशक' अनुभाग के अंतर्गत तथा नेशनल सिक्योरिटीज डिपॉजिटरी लिमिटेड(एनएसडीएल) की वेबसाइट यथा https://www.evoting.nsdl.com एवं स्टॉक एक्सचेंजों यथा बीएसई लिमिटेड एवं नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड की वेबसाइटों क्रमश: www.bseindia.com एवं www.nseindia.com पर अपलोड कर दिया गया है।

वार्षिक आम बैठक के दौरान रिमोट ई-वोटिंग तथा ई-वोटिंग:

कंपनी द्वारा अपने सदस्यों को रिमोट ई-वोटिंग एवं साथ ही वार्षिक आम बैठक के दौरान ई-वोटिंग के माध्यम से इलेक्ट्रॉनिक स्वरूप में अपना वोट देने की सुविधा उन सदस्यों के लिए प्रदान की जा रही है जो एनएसडीएल के ई-वोटिंग पोर्टल के माध्यम से रिमोट ई-वोटिंग द्वारा अपना वोट नहीं डाल सके हैं।

सदस्यों से यह अनुरोध है कि वे कृपया निम्नलिखित की ओर ध्यान दें :

i. भौतिक एवं डिमेट स्वरूप में शेयरों का धारण करने वाले सदस्यों के ई-मेल पते के पंजीकरण का विवरण एवं केवाईसी विवरण पंजीकरण किए जाने की विधि वार्षिक आम बैठक के नोटिस में दी गई है।
ii. रिमोट ई-वोटिंग अथवा वार्षिक आम बैठक के दौरान ई-वोटिंग की अर्हता का निर्धारण करने की अंतिम तिथि 21 सितंबर, 2023 है।
iii. केवल वही व्यक्ति रिमोट ई-वोटिंग / वार्षिक आम बैठक के दौरान ई-वोटिंग की सुविधा का लाभ उठाने के पात्र होंगे जिनके नाम कट-ऑफ तिथि अर्थात 21 सितंबर, 2023 को डिपोजिटरियों द्वारा अनुरक्षित सदस्यों के रजिस्टर / लाभग्राही स्वामियों के रजिस्टर में दर्ज होंगे।
iv. यदि कोई व्यक्ति नोटिस के प्रेषण के पश्चात परन्तु वोटिंग की कट-ऑफ तिथि अर्थात 21 सितम्बर, 2023 से पूर्व कंपनी के शेयर प्राप्त करके सदस्य बना है तो वह ई-मेल पते evoting@nsdl.co.in पर अथवा नोटिस में दिए गए रजिस्ट्रार एवं शेयर ट्रांसफर एजेंट के पते पर अनुरोध भेजकर लॉगिन आईडी एवं पासवर्ड प्राप्त कर सकता है और वार्षिक आम बैठक में भाग ले सकता है।
v. **रिमोट ई-वोटिंग की अवधि** सोमवार, दिनांक 25 सितंबर, 2023 को पूर्वाह्न 9.00 बजे से प्रारंभ होकर बुधवार, दिनांक 27 सितंबर, 2023 को सायं 5.00 बजे तक होगी।
vi. ऊपर उल्लिखित तिथि एवं समय के पश्चात सदस्य रिमोट ई-वोटिंग के माध्यम से अपना वोट नहीं दे पाएंगे तथा एनएसडीएल द्वारा दिनांक 27 सितम्बर, 2023 को सायं 5.00 बजे रिमोट ई-वोटिंग मोड्यूल बंद कर दिया जाएगा। एक बार वोट देने के पश्चात सदस्य अपने वोट में कोई बदलाव नहीं कर सकते हैं।
vii. ऐसे सदस्य, जिन्होंने अपना वोट बैठक के आयोजन से पूर्व रिमोट ई-वोटिंग के माध्यम से दिया है, भी एनएसडीएल की ई-वोटिंग वेबसाइट https://www.evoting.nsdl.com पर लॉगिन करके वीडियो कांफ्रेंसिंग / अन्य आडियो विजुअल माध्यम से बैठक में भाग ले सकते हैं परन्तु वे फिर से अपना वोट देने के पात्र नहीं होंगे।
viii. वार्षिक आम बैठक के आयोजन के दौरान ई-वोटिंग की सुविधा उपलब्ध करवाई जाएगी तथा जिन सदस्यों ने रिमोट ई-वोटिंग के माध्यम से अपना वोट नहीं दिया है वे बैठक के दौरान अपना वोट देने के पात्र होंगे।
ix. श्री डी वेंकटेश्वरुलू, प्रेक्टिसिंग कंपनी सचिव को रिमोट ई-वोटिंग एवं वार्षिक आम बैठक के दौरान ई-वोटिंग की निष्पक्ष एवं पारदर्शी स्वरूप में स्कूटनी करने की सेवाएं सौंपी गई हैं।
x. वार्षिक आम बैठक के आयोजन के दौरान स्क्रूटनाइजर की रिपोर्ट के साथ वोटिंग के परिणाम घोषित किए जाएंगे तथा इन्हें कंपनी की वेबसाइट www.itiltd.in तथा एनएसडीएल की वेबसाइट https://www.evoting.nsdl.com पर भी जारी किया जाएगा। इसके साथ-साथ इसकी सूचना स्टॉक एक्सचेंजों यथा नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड एवं बीएसई लिमिटेड, जहां कंपनी के शेयर सूचीबद्ध हैं, को भी वार्षिक आम बैठक के समापन के दो (02) दिन के भीतर भेज दी जाएगी।

बहियां बंद करने का नोटिस :

कंपनी अधिनियम एवं उसके अध्याधीन निर्मित लागू नियमों के अनुसरण में एतद्वारा यह नोटिस दिया जाता है कि कंपनी के सदस्यों का रजिस्टर दिनांक 22 सितंबर, 2023 से 28 सितंबर, 2023 (दोनों दिन सहित) के दौरान वार्षिक आम बैठक के आयोजन के उद्देश्य से बंद रखी जाएगी।

संपर्क विवरण :

ई-वोटिंग से संबंधित किसी भी प्रकार की पूछताछ / शिकायत के लिए श्री हरीश, वरिष्ठ प्रबंधक, इंटीग्रेटेड रजिस्ट्री मैनेजमेंट सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड, नम्बर 30 रामना रेसिडेंसी, 04th क्रॉस, सैम्पिगे रोड, मल्लेश्वरम, बेंगलूरु - 560003, फोन नम्बर 080-23460818, ईमेल पता : irg@integratedindia.in अथवा श्री फाल्गुनी चक्रवर्ती, सहायक प्रबंधक, एनएसडीएल, ईमेल पता : evoting@nsdl.co.in से संपर्क करें।

बोर्ड के आदेशानुसार
कृते आईटीआई लिमिटेड
(शालिनी घटक)
कंपनी सचिव

स्थान: बेंगलूरु
दिनांक: 01 सितंबर 2023

वसुंधरा राजे ने चारभुजा नाथ, नाथ जी और त्रिपुरसुंदरी मंदिर के दर्शन किये

राजस्थान की पूर्व मुख्यमंत्री वसुन्धरा राजे ने शुक्रवार को प्रदेश के बांसवाड़ा जिले में त्रिपुरसुंदरी मंदिर और राजसमंद जिले के चारभुजा नाथ मंदिर और श्रीनाथजी मंदिर के दर्शन किये। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, मैं जब भी कोई बड़ा काम करती हूं, तो हमेशा चारभुजा नाथ के दर्शन करती हूं और आशीर्वाद लेती हूं। उनका आशीर्वाद और जनता का आशीर्वाद मेरे लिए बहुत महत्वपूर्ण है। वसुंधरा राजे की इन मंदिरों की निजी यात्रा शनिवार को पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा द्वारा सवाई माधोपुर के रणथंभौर में त्रिनेत्र गणेश मंदिर से भाजपा की परिवर्तन यात्रा की शुरुआत से एक दिन पहले हुई।

अदालत में पेशी के बाद आरोपी हथकड़ी सहित ट्रेन से कूदकर फरार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

धौलपुर। मध्य प्रदेश के मुरैना जिले के सराय छोला थाना इलाके में अदालत में पेशी के बाद धौलपुर वापस लाया जा रहा एक आरोपी हथकड़ी सहित ट्रेन से कूदकर फरार हो गया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि आरोपी ने फरार होते समय सिपाही को भी धक्का मारकर ट्रेन से नीचे गिरा दिया और भाग निकला। मध्य प्रदेश की मुरैना एवं धौलपुर जिला पुलिस फरार आरोपी की तलाश कर रही है।

अपर पुलिस अधीक्षक ओ पी मीणा ने बताया कि वाहन चोरी के एक मामले में धौलपुर जिला कारागृह से अजीत उर्फ बनिया गुर्जर को मध्य प्रदेश के मुरैना जिले की अदालत में बृहस्पतिवार को पेशी पर ले जाया गया था।

उन्होंने बताया कि पेशी के बाद में अमृतसर–विलासपुर छत्तीसगढ एक्सप्रेस ट्रेन से पुलिसकर्मियों की टीम अजीत उर्फ बनिया को वापस धौलपुर लेकर लौट रही थी। शाम को करीब चार बजे रास्ते में मुरैना जिले के हेतमपुर रेलवे स्टेशन पर ट्रेन की गति थोडी धीमी हुई तभी बदमाश अजीत उर्फ बनिया ने पुलिसकर्मियों को उल्टी आने की बात कही, तो टीम के सदस्य सिपाही हरदेव सिंह उसे हथकड़ी सहित लेकर ट्रेन के कोच में ही वाशबेसिन पर ले गया। उन्होंने बताया कि इसी दौरान आरोपी ने चलती ट्रेन से सिपाही हरदेव सिंह और हथकड़ी के साथ ही छलांग लगा दी। इसके बाद में पुलिसकर्मी ने ट्रेन को रुकवाया तथा फरार बदमाश का पीछा किया, लेकिन उसके बारे में कोई सुराग नहीं लग सका। अपर पुलिस अधीक्षक ओपी मीणा ने बताया कि मध्य प्रदेश और राजस्थान पुलिस की कई टीम फरार बदमाश की तलाश कर रही है।

अशोक गहलोत की टिप्पणी को लेकर अधिवक्ताओं ने अदालतों का बहिष्कार किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जोधपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की न्यायपालिका पर टिप्पणियों के खिलाफ अधिवक्ताओं द्वारा स्वेच्छा से काम का बहिष्कार करने से जोधपुर की निचली अदालतों और उच्च न्यायालय में न्यायपालिका संबंधी कामकाज प्रभावित हुआ। राजस्थान उच्च न्यायालय अधिवक्ता एसोसिएशन के अध्यक्ष रवि भंसाली ने बताया कि जोधपुर में करीब 10 हजार वकील हैं और उन्होंने आज स्वेच्छा से एक दिन के लिए कार्य बहिष्कार किया है।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ने न्यायपालिका के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी की है और उनके बयानों के खिलाफ वकील आज एक दिन के प्रतीकात्मक विरोध के रूप में काम नहीं कर रहे हैं। भंसाली ने कहा कि अधिवक्ताओं के बहिष्कार के कारण अदालत में मामलों की सुनवाई प्रभावित हुई है। मुख्यमंत्री ने बीते बुधवार को आरोप लगाया था, आज न्यायपालिका में भ्रष्टाचार व्याप्त है। मैंने सुना है कि कुछ वकील खुद ही फैसला लिखकर लाते हैं और वही फैसला सुनाया जाता है।

उन्होंने सवालिया अंदाज में कहा था, न्यायपालिका में क्या हो रहा है? चाहे निचली हो या ऊपरी (अदालतें), चीजें गंभीर हैं और लोगों को इसके बारे में सोचना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई), प्रवर्तन निदेशालय (ईडी), आयकर विभाग को ऊपर से निर्देश मिलते हैं और एजेंसियां बिना पूर्व आकलन किये छापेमारी करती हैं।

हालांकि, आलोचना के बाद मुख्यमंत्री ने बृहस्पतिवार को स्पष्ट किया कि न्यायपालिका में भ्रष्टाचार के संबंध में उन्होंने एक दिन पहले जो कहा था, वह उनकी निजी राय नहीं थी और उन्होंने हमेशा न्यायपालिका का सम्मान किया है और उसमें विश्वास किया है। गहलोत की टिप्पणियों पर प्रतिक्रिया करते हुए एक वकील ने बृहस्पतिवार को जयपुर में राजस्थान उच्च न्यायालय में एक जनहित याचिका दायर की, जिसमें गहलोत के खिलाफ मामले का स्वत: संज्ञान लेने की मांग की गई, जबकि जोधपुर में वकीलों ने गहलोत की टिप्पणियों की निंदा की और जोधपुर में उच्च न्यायालय और अधीनस्थ अदालतों में एक दिवसीय प्रतीकात्मक बहिष्कार की घोषणा की। जोधपुर निवासी इलाहाबाद उच्च न्यायालय के पूर्व मुख्य न्यायाधीश गोविंद माथुर ने भी टिप्पणी को आपत्तिजनक बताते हुए इसकी निंदा की।

विकसित होते लोकतंत्र के साथ आने वाले नए मुद्दों पर चर्चा की जानी चाहिए : प्रह्लाद जोशी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। 'एक राष्ट्र एक चुनाव' की संभावना तलाशने के लिए एक समिति के गठन के बाद केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी ने शुक्रवार को कहा कि विकसित होते लोकतंत्र के साथ आने वाले नए मुद्दों पर चर्चा की जानी चाहिए।

जोशी ने कहा कि समिति एक रिपोर्ट लेकर आएगी और इस पर सार्वजनिक डोमेन और संसद में चर्चा की जाएगी। उन्होंने कहा कि 'समुद्र मंथन' में निकले अमृत की तरह इस मुद्दे पर भी मंथन में अमृत ही निकलेगा।

उन्होंने यह भी सवाल किया कि विपक्षी दल इस पर चिंतित क्यों हैं। मंत्री ने कहा कि कमेटी तो अभी बनी है, इतना चिंतित होने की जरूरत कहां है। कमेटी की रिपोर्ट आएगी, रिपोर्ट पर पब्लिक डोमेन और संसद में चर्चा होगी। इसमें इतना चिंतित होने की क्या आवश्यकता है।

जोशी ने जयपुर हवाई अड्डे पर संवाददाताओं से बातचीत में कहा, भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है, इसे लोकतंत्र की जननी कहा जाता है और विकसित होते लोकतंत्र में जो नये विषय आते हैं, उन पर चर्चा होनी चाहिए। हमने यह नहीं कहा है कि कल से ही कुछ होगा। उन्होंने कहा कि पहले लोकसभा और विधानसभा चुनाव एक साथ होते थे, जिससे देश में विकास का अच्छा माहौल था।

मंत्री ने कहा कि जब केंद्र में कोई सरकार बनती है तो अलग–अलग जगहों पर चुनाव होते हैं जिससे निर्णय लेने की प्रक्रिया में दिक्कत आती है। उन्होंने कहा, अगर कोई विचार है तो चर्चा जरूर होनी चाहिए। राजस्थान में भाजपा के चुनाव प्रभारी जोशी परिवर्तन यात्रा की शुरूआत के लिए आज जयपुर पहुंचे। चार परिवर्तन यात्राओं में से पहली यात्रा का आगाज पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा शनिवार को सवाई माधोपुर से करेंगे।

पार्टी कार्यालय में जोशी ने एक बार फिर एक देश एक चुनाव के बारे में बात की जिसका लक्ष्य आम और राज्य चुनाव एक साथ कराना है। उन्होंने कहा कि जैसे 'समुद्र मंथन' में अमृत निकला था, वैसा ही 'अमृत' एक राष्ट्र एक चुनाव के मुद्दे पर मंथन में भी निकलेगा।

ईडी ने 'जल जीवन मिशन' में अनियमितताओं की जांच को लेकर राजस्थान में छापेमारी की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कांग्रेस शासित राजस्थान में केंद्र सरकार के 'जल जीवन मिशन' के कार्यान्वयन में कथित अनियमितताओं में धन शोधन की जांच को लेकर शुक्रवार को राज्य में कई शहरों में तलाशी ली। आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि जयपुर, अलवर और कुछ अन्य शहरों में इंजीनियरों, ठेकेदारों और राज्य सरकार के कुछ पूर्व अधिकारियों के परिसरों की तलाशी ली जा रही है।

सूत्रों ने बताया कि यह तलाशी धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के प्रावधानों के तहत ली जा रही है। अभी तक की कार्रवाई में कुछ दस्तावेज और गैजेट बरामद किए गए हैं। माना जा रहा है कि धन शोधन का यह मामला राजस्थान पुलिस की ओर से दर्ज की गई प्राथमिकी से संबद्ध है।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राज्यसभा सदस्य किरोड़ी लाल मीणा ने जून में आरोप लगाया था कि राजस्थान में 'जल जीवन मिशन' के कार्यान्वयन में 20 हजार करोड़ रुपये का घोटाला किया गया। उन्होंने आरोप लगाया था कि योजना की 48 परियोजनाओं में फर्जी अनुभव प्रमाणपत्र के आधार पर दो फर्मों को 900 करोड़ रुपये की निविदा जारी कर दी गई।

मीणा ने आरोप लगाया, केंद्र के जल जीवन मिशन में 20 हजार करोड़ रुपये का घोटाला किया गया...राज्य के पब्लिक हेल्थ इंजीनियरिंग विभाग (पीएचईडी) के मंत्री और सचिव ने मिलकर इसे अंजाम दिया। 'जल जीवन मिशन' का उद्देश्य घरेलू नल कनेक्शन के माध्यम से साफ और पर्याप्त पेयजल उपलब्ध कराना है और इसे राज्य पीएचईडी द्वारा कार्यान्वित किया जा रहा है।

राजस्थान सरकार ने सात आईएएस अधिकारियों का स्थानांतरण किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान सरकार ने एक जिला कलेक्टर सहित सात भारतीय प्रशासनिक सेवा अधिकारियों (आईएएस) का तबादला किया है, जबकि तीन अधिकारियों को अतिरिक्त प्रभार सौंपा है। राज्य के कार्मिक विभाग की ओर से बृहस्पतिवार देर रात इस संबंध में आदेश जारी किया गया। जयपुर ग्रेटर नगर निगम के आयुक्त महेंद्र सोनी को हरीश चंद्र माथुर राजस्थान लोक प्रशासन संस्थान में अतिरिक्त महानिदेशक (एडीजी) के रूप में स्थानांतरित किया गया, जबकि आबकारी विभाग के आयुक्त कुमार पाल गौतम को राजस्थान आवासीय बोर्ड का आयुक्त बनाया गया। शाहपुरा की कलेक्टर मंजू को ऊर्जा विभाग में संयुक्त सचिव बनाया गया है और टीकमचंद बोहरा यहां के नये जिला कलेक्टर होंगे। बोहरा राजस्थान हेरिटेज कॉरपोरेशन के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) थे। ओमप्रकाश कसेरा, बाबूलाल गोयल और हनुमानमल ढाका का भी तबादला किया गया है। वहीं, तीन आईएएस अधिकारियों – सुधीर कुमार शर्मा, कुमार पाल गौतम और ताराचंद मीना को उनकी वर्तमान नियुक्ति के साथ अतिरिक्त प्रभार दिया गया है।

रामदेवरा में परिवर्तन यात्रा को लेकर बांटे पीले चावल, चार को राजनाथ सिंह करेंगे शुरुआत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जैसलमेर। रामदेवरा भारतीय जनता पार्टी के ने चार सितंबर से धार्मिक स्थली रामदेवरा से शुरू होने वाली परिवर्तन यात्रा को लेकर आज भाजपा नेताओं ने क्षेत्र के ग्रामीण लोगों से मिलकर जनसंपर्क किया और लोगों को यात्रा में आने का न्योता दिया। तीर्थस्थल रुणिचा धाम से शुरू होने वाली परिवर्तन यात्रा को लेकर आज पोकरण के पूर्व विधायक और रामदेवरा मंडल के प्रभारी शैतान सिंह राठौड़, रामदेवरा मंडल अध्यक्ष उम्मे सिंह एका और अन्य नेताओं ने रामदेवरा मंडल के शक्ति केंद्र लवा, मोराणी, डिडाणिया, एका ग्राम पंचायत का दौरा कर परिवर्तन यात्रा को लेकर जनसंपर्क किया।

इस यात्रा को केंद्रीय रक्षामंत्री राजनाथ सिंह और जल शक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत हरी झंडी दिखाकर शुरू करेंगे। इस कार्यक्रम को लेकर पोकरण के पूर्व विधायक शैतान सिंह राठौड़ ने लोगों से अपील की कि ज्यादा से ज्यादा संख्या में पधारकर परिवर्तन यात्रा को सफल बनाए। इस अवसर पर उन्होंने सभी को पीले चावल बांटकर यात्रा में शामिल होने का न्योता दिया। भाजपा नेताओं ने भारतीय जनता पार्टी के झंडे, दुपट्टे और कमल का चिह्न वितरण कर सभी को अपने घरों पर पार्टी का झंडा लगाने का आह्वान किया। इस दौरान मंडल महामंत्री मूलचंद पालीवाल, शक्ति केंद्र संयोजक चिरंजीलाल पालीवाल, मंडल मंत्री लालराम, युवा मोर्चा उपाध्यक्ष ओमप्रकाश, ओबीसी मोर्चा उपाध्यक्ष देवाराम कुमावत, युवा मोर्चा उपाध्यक्ष पूनम सिंह भाटी, एससी मोर्चा उपाध्यक्ष मनोहरराम मेघवाल, माणकलाल मोराणी, मूलाराम कुमावत, लालचंद पालीवाल, गजेंद्र सिंह, एका बूथ अध्यक्ष प्रेम सिंह, किसान मोर्चा उपाध्यक्ष सागीदास, दलपत मिस्त्री, तुलछसिंह, इंदर सिंह चंपावत, राजूसिंह, गोमदराम, कमुखा, सिकन्दर खान आदि कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

गहलोत पीआईएल दाखिल होने के बाद अपने बयान से पलट रहे हैं : शेखावत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। केन्द्रीय जल शक्ति मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने कहा है कि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत पीआईएल दाखिल होने के बाद डर के मारे अब अपने बयान से पलट रहे हैं। शेखावत ने गहलोत के अपने बयान पर सफाई देने के बाद सोशल मीडिया पर यह बात कही। उन्होंने कहा गहलोत जी निजी राय क्या होती है। न्यायपालिका पर गंभीर

आरोप लगा देने के बाद आपने कह दिया यह आपकी निजी राय नहीं है, तो यह किसकी राय है। किसने आपको बताया कि वकील फैसला लिखकर ले जाते हैं और जज वही सुना देते हैं। उन्होंने कहा पीआईएल दाखिल होने के बाद डर के मारे आज आप बयान से पलट रहे हैं जबकि सच यही है कि यह आपकी निजी राय है। आपने जनता और न्यायपालिका के बीच विश्वास के रिश्ते को तोड़ने का दांव खेला है। शेखावत ने आरोप लगाते हुए कहाआप शातिर राजनीतिक खिलाड़ी हैं, जानबूझकर आपने एक विवाद पैदा करने की कोशिश की है, जिसके पीछे कांग्रेस की अंदरूनी राजनीति और जमानत पर चल रहे हुए 'आकाओं' का अपरोक्ष बचाव है।

शिक्षा के मंदिर को जितना मजबूत किया जाए, देश उतना ही मजबूत होगा : कटारिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

उदयपुर। असम के राज्यपाल गुलाबचंद कटारिया ने कहा है कि शिक्षा के मंदिर को जितना मजबूत किया जाए, देश उतना ही मजबूत होगा। कटारिया आज यहां जनार्दनराय नागर राजस्थान विद्यापीठ विश्वविद्यालय के डबोक परिसर में आयोजित 18वें दीक्षांत समारोह को संबोधित कर रहे थे। समारोह में कटारिया को डी.लिट की मानद उपाधि प्रदान की गई। साथ ही प्रशस्ति पत्र और स्मृति चिह्न प्रदान किया गया। कटारिया ने कहा .. मैं बहुत ही सौभाग्यशाली हूं कि जिस संस्थान में मैं विद्यार्थी के रूप में आया और अध्यापन किया, आज वहां पर सम्मानित एवं दीक्षित हुआ हूं।.. उन्होंने कहा कि डिग्रियां भविष्य के रास्ते खोलती हैं। छात्र को दीक्षांत समारोह के माध्यम से भविष्य का सुनागरिक बनाती हैं।

उन्होंने कहा कि हर व्यक्ति को समाज के साथ जुड़ना चाहिए एवं समाज के प्रति अपना कर्तव्य निभाना चाहिए क्योंकि उसे समाज से ही शिक्षा की प्राप्ति हुई है। समाज के लोगों के जीवन को उच्च स्तर पर ले जाने का प्रयास करना चाहिए ताकि भारत का भविष्य उज्ज्वल हो सके। उन्होंने कहा कि जन्नूभाई ने हम जैसे मेहनतकश हजारों बच्चों को सायंकालीन पाठ्यक्रम के माध्यम से शिक्षा देकर बहुत उपकार किया। शिक्षा की अलख जमाने में उन्होंने पूरे समर्पित भाव से कार्य किया। जन्नूभाई देश के जाने–माने साहित्यकार थे। उनकी लेखनी पूरा देश सम्मान के साथ पढ़ता था। उस व्यक्ति ने लोगों के जीवन को प्रकाशित करने का आजादी से पहले 1935 जो प्रण लिया वह अद्भुत था।

समारोह में कुलपति कर्नल प्रो. एस.एस सारंगदेवोता ने स्वागत उद्बोधन में कहा कि 3 रूपए से शुरू हुई जन्नू भाई की संस्था अब 70 करोड़ का वटवृक्ष बन गई है। हमारे पास 200 पैंटेंट, 12 कॉपीराइट के साथ ही सभी प्रकार के पाठ्यक्रम हैं। खेलो इंडिया में राष्ट्रीय स्तर के खेलों का आयोजन भी किया है साथ ही स्वर्ण व रजत पदक प्राप्त किए हैं।

परिवर्तन यात्रा आज से शुरू होगी : राठौड़

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सवाई माधोपुर। आगामी विधानसभा चुनावों को लेकर भाजपा द्वारा राजस्थान में 4 अलग अलग जगहों से 4 परिवर्तन यात्रा शुरू की जा रही हैं। भाजपा की पहली परिवर्तन यात्रा सवाई माधोपुर से 2 सितंबर को शुरू होगी। जिसका जायज़ा लेने आज नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ सवाई माधोपुर पहुंचे। रणथंभौर स्थित त्रिनेत्र गणेश मंदिर में भाजपा नेताओं द्वारा विधिवत रूप से पूजा अर्चना करने के बाद, जिला मुख्यालय के दशहरा मैदान पर जनसभा आयोजित की जाएगी। जिसको लेकर भाजपाइयों की ओर से तमाम व्यवस्थाओं और तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है। दो सितंबर को दशहरा मैदान पर आयोजित जनसभा के दौरान भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा परिवर्तन यात्रा को हरीझंडी दिखाकर रवाना करेंगे। जनसभा को जेपी नड्डा के अलावा पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे सिंधिया ,प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी ,नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र सिंह राठौड़ भी संबोधित करेंगे । कार्यक्रम में सांसद सुखबीर सिंह जौनापुरिया, डॉक्टर किरोडी लाल मीणा ,मनोज राजौरिया ,जसकौर मीणा सहित केंद्रीय और राज्य स्तरीय नेताओं के साथ ही स्थानीय स्तर के नेता भी मौजूद रहेंगे । भाजपा की पहली परिवर्तन यात्रा भरतपुर और जयपुर संभाग सहित टोंक जिले की विधानसभाओं से होकर गुजरेगी। परिवर्तन यात्रा 47 विधानसभा क्षेत्रों से गुजरेगी जो 1854 किलोमीटर का सफर तय कर 19 सितंबर को जयपुर पहुंचेगी।

नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ ने कहा 22 तारीख तक परिवर्तन यात्रा के दौरे होंगे। 200 विधानसभा क्षेत्रों में जनसभाएं होगी। जयपुर में पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जन्मस्थली पर समापन सभा होगी। जिसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी संबोधित करेंगे। जहाँ एक बड़ी जनसभा के बाद यात्रा का समापन होगा। परिवर्तन यात्रा के तहत सवाईमाधोपुर में दशहरा मैदान पर आयोजित होने वाली जनसभा को लेकर भाजपाई तैयारियों में जुटे हुए हैं। जनसभा स्थल पर तीन डोम बनाये गए हैं। जिनमें करीब 50 हजार लोगों के बैठने की व्यवस्था की जा रही है। नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ ,प्रदेश उपाध्यक्ष जितेंद्र गोठवाल ,सांसद सुखबीर सिंह जौनापुरिया आदि नेताओ ने सभा स्थल का जायजा लिया और आवश्यक निर्देश दिए। नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ ने परिवर्तन यात्रा को लेकर कहा कि भाजपा द्वारा प्रदेश की सभी 200 विधानसभा क्षेत्रों को कवर किया जायेगा और कांग्रेस की भ्रष्ट सरकार के काले कारनामों को प्रदेश की जनता के समक्ष रखा जायेगा। उन्होंने कहा कि भाजपा की ये परिवर्तन यात्रा कॉँग्रेस सरकार के ताबूत में आखरी कील ठोकने का काम करेगी ।

अटल आवासीय विद्यालय से निकलने वाले छात्र देश के सच्चे मूल्यों के ध्वजवाहक बनेंगे : योगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को कहा कि अटल आवासीय विद्यालय गुरुकुल परंपरा के अनुसार भारतीय मूल्यों का संवर्धन कर युवाओं की एक ऐसी पौध विकसित करेगा जो पूरी दुनिया में भारत के सच्चे मूल्यों के ध्वजवाहक बनेंगे।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को लोक भवन सभागार में आयोजित 'अटल आवासीय विद्यालय गुरूवार्ता संगम' कार्यक्रम में शिक्षकों और छात्रों से संवाद करते हुए कहा कि भारत के पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी का सपना था कि देश के निम्न आय वर्ग के लोगों तक भी विश्व स्तरीय आधारभूत ढांचा और सुविधाओं की पहुंच हो। यहां जारी एक बयान के अनुसार योगी ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय की विचारधारा व अंत्योदय की प्रेरणा को साकार करने के लिए उत्तर प्रदेश में 18 अटल आवासीय विद्यालयों की शुरुआत की जा रही है। उन्होंने कहा कि फिलहाल प्रदेश के 18 संभागों में इसकी शुरुआत होगी जिसमें छठी कक्षा से 12 वीं कक्षा के छात्र अध्ययन करेंगे। इसमें सीबीएसई पैटर्न पर पढाई होगी।

योगी ने कहा कि 12 से 15 एकड़ में फैले तथा विश्व स्तरीय सुविधाओं से युक्त अटल आवासीय विद्यालय न केवल छात्रों के कौशल विकास का केंद्र बनेंगे, बल्कि देश की उन्नति में योगदान देने वाले श्रमिकों, वंचितों व निराश्रितों के बच्चों के लिए शिक्षा के साथ ही समेकित विकास का मार्ग प्रशस्त करेंगे। उन्होंने कहा कि इसे अब जल्द ही 57 जिलों में भी शुरू किए जाने की तैयारी है।

शिवलिंग की आकृति वाला फाउंटेन आप को खटका, सक्सेना ने कहा: देश के कण-कण में हैं भगवान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली में 'शिवलिंग' जैसी आकृति वाले फाउंटेन लगाए जाने पर आम आदमी पार्टी (आप) द्वारा जताई गई आपत्ति को शुक्रवार को खारिज करते हुए उपराज्यपाल वी. के. सक्सेना ने कहा कि वे बस कलाकृतियां हैं और देश के तो कण–कण में भगवान हैं।

सत्तारूढ़ आप के सूत्रों ने दावा किया कि पार्टी फाउंटेन को लेकर पुलिस में शिकायत दर्ज करेगी, क्योंकि उनसे हिंदुओं की धार्मिक भावनाएं आहत हुई हैं। इस पर सक्सेना ने कहा, यह बचकाना हरकत है। उपराज्यपाल ने केंद्रीय मंत्री मीनाक्षी लेखी के संग यहां पालम इलाके में उलन बटार में यक्षिणी की प्रतिमाओं का अनावरण किया। हिंदू पौराणिक कथाओं के अनुसार यक्षिणियां ऐसी अर्द्धदेवियां हैं जो धन के देवता कुबेर की सेवा करती हैं।

यहां नौ सितंबर से 10 सितंबर तक होने वाले जी 20 सम्मेलन की तैयारी के सिलसिले में कई मार्गों को नया रूप दिया गया है और उन्हें सजाया गया है। अधिकारियों के अनुसार सौंदर्यीकरण के तहत पालम हवाई अड्डे के टेक्निकल एरिया में हनुमान मंदिर जंक्शन पर 'शिवलिंग' की आकृति के 18 फाउंटेन लगाए गए हैं। फाउंटेन पर आप की आपत्ति के बारे में पूछे जाने पर सक्सेना ने कहा, सबसे पहली बात कि वे शिवलिंग नहीं हैं। वे कलाकृतियां हैं। इस देश के कण–कण में भगवान हैं।

विपक्षी गठबंधन एकजुट होकर काम कर रहा, नतीजा भाजपा की हार के रूप में सामने आएगा: नीतीश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने शुक्रवार को कहा कि विपक्षी गठबंधन 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस' यानी 'इंडिया' में शामिल सभी घटक दल मिलकर और एकजुट होकर काम कर रहे हैं तथा इसका फलसफा आगामी लोकसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की हार के रूप में सामने आएगा।

विपक्षी गठबंधन की यहां आयोजित दो दिवसीय बैठक के बाद संवाददाताओं को संबोधित करते हुए उन्होंने यह भी कहा कि अब इसके घटक दलों के नेता देश के विभिन्न हिस्सों में जाकर प्रचार–प्रसार करेंगे। उन्होंने आगामी लोकसभा चुनाव निर्धारित समय से पहले कराए जाने की आशंका भी जताई और कहा कि विपक्षी गठबंधन को इसके लिए मुस्तैद रहना होगा। नीतीश ने कहा, आज 'इंडिया' की तीसरी बैठक थी। बहुत अच्छे ढंग से बातचीत हुई है। अब नियमित रूप से जगह–जगह जाकर प्रचार–प्रसार करेंगे। उन्होंने कहा, जितनी पार्टियां एकजुट होकर काम कर रही हैं, इसी का नतीजा होगा कि अभी जो केंद्र की सत्ता में हैं अब वह हारेंगे, अब वह जाएंगे। ये पक्का जान लीजिए।

नीतीश ने कहा कि पटना से शुरु हुई बैठक के बाद यह सफर मुंबई पहुंचा है, लिहाजा वह चाहते हैं कि अब आगे का काम तेजी से हो। उन्होंने कहा, हम लोगों ने तेजी से काम करने की शुरुआत कर दी है। कोई ठिकाना नहीं है, चुनाव समय के पहले भी हो सकते हैं। इसलिए हम लोगों को भी सतर्क रहना पड़ेगा। उन्होंने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा)–नीत केंद्र सरकार पर इतिहास बदलने की कोशिश करने का आरोप लगाया और दावे के साथ कहा कि विपक्षी गठबंधन किसी भी सूरत में ऐसा नहीं होने देगा। उन्होंने कहा कि 'इंडिया' के बैनर तले, समाज के हर तबके का उत्थान होगा, किसी की कोई उपेक्षा नहीं होगी। जनता दल (यूनाइटेड) के प्रमुख नीतीश ने सत्ताधारी भाजपा पर साम्प्रदायिक राजनीति करने भी आरोप लगाया और कहा कि विपक्षी गठबंधन 'सबको लेकर' आगे बढ़ेगा। उन्होंने कहा कि अभी तो मीडिया पर भी सत्ताधारी पार्टी का 'कब्जा' है लेकिन एक बार उनसे (वर्तमान केंद्र सरकार से) 'मुक्ति' मिलेगी तो आप सब प्रेस वाले 'आजाद' हो जाइएगा। उन्होंने कहा, फिर जो उचित लगेगा, वही लिखिएगा, वही बोलिएगा। यह बहुत जरूरी है।

'इंडिया' के घटक 60% आबादी का प्रतिनिधित्व करते हैं, भाजपा का जीतना असंभव: राहुल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने शुक्रवार को कहा कि विपक्षी गठबंधन 'इंडियन नेशनल डेमोक्रेटिक इन्क्लूसिव अलायंस' (इंडिया) में शामिल घटक दल देश की 60 प्रतिशत आबादी का प्रतिनिधित्व करते हैं और अगर वे एकजुट होकर चुनाव लड़ेंगे तो भारतीय जनता पार्टी के लिए जीत असंभव हो जाएगी।

विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' की बैठक के बाद राहुल गांधी ने कहा, दो प्रमुख बातें हैं। पहली यह कि एक समन्वय समिति और इस समन्वय समिति के अंतर्गत समितियां होंगी। दूसरी बात यह है कि हम सीट–बंटवारे पर सभी चर्चाओं और निर्णयों में तेजी लाएंगे और उन्हें जल्द से जल्द पूरा करेंगे। उन्होंने विपक्ष के कई नेताओं की मौजूदगी में कहा, यह स्टेज 60 प्रतिशत भारतीय जनसंख्या का प्रतिनिधित्व करता है। अगर इस मंच पर सभी पार्टियां एकजुट हो गईं तो भाजपा के लिए चुनाव जीतना असंभव हो जाएगा। राहुल गांधी ने कहा, मुझे पूरा विश्वास है कि 'इंडिया' गठबंधन भाजपा को हरा देगा। गठबंधन में असली काम इस गठबंधन के नेताओं के बीच बनने वाले रिश्ते हैं। मैं विश्वास के साथ कह सकता हूं कि इन बैठकों ने सभी नेताओं के बीच तालमेल बनाने व यह सुनिश्चित करने में जबरदस्त काम किया है कि हम सभी एक साथ मिलकर काम करें। उनके अनुसार, मैं देख सकता हूं कि जिस तरह से हम चीजों को देख रहे हैं उसमें सभी नेताओं के बीच लचीलापन है।

सीट बंटवारे में कठिनाई नहीं होगी, अपना नुकसान करके भी विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' को जिताएंगे : लालू

मुंबई/भाषा। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के अध्यक्ष लालू प्रसाद ने शुक्रवार को कहा कि विपक्षी दलों को अगले लोकसभा चुनाव के लिए सीट बंटवारे में कोई कठिनाई नहीं होगी और वे अपना नुकसान करके भी विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' को जिताएंगे। उन्होंने विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' की बैठक के बाद संवाददाता सम्मेलन में यह दावा भी कि मोदी सरकार में अल्पसंख्यकों के बीच भय का माहौल है।

लालू प्रसाद ने कहा, हम सब एक हैं और एक होकर यह लड़ाई लड़ेंगे। हम सब समायोजित करके आगे सीटों का तालमेल अब शुरू करेंगे। कोई दिक्कत–कठिनाई नहीं होगी, अपना नुकसान करके भी हम 'इंडिया' को जिताएंगे और देश को बचाएंगे। उन्होंने कहा, हम शुरू से ही 'भाजपा हटाओ, देश बचाओ' की लड़ाई लड़ते रहें हैं...इस देश में अल्पसंख्यक सुरक्षित नहीं हैं। देश में गरीबी और महंगाई बढ़ रही है। भाजपा के लोग झूठ बोलकर सत्ता में आए।

मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) के महासचिव सीताराम येचुरी ने कहा कि विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' से मोदी सरकार घबरा गई है। उन्होंने कहा, हम सभी लोकतंत्र को बचाने और भारतीय संविधान द्वारा प्रत्येक नागरिक को दी गई गारंटी को बनाए रखने के लिए एकजुट हैं। हम सभी के लिए आर्थिक, सामाजिक और राजनीतिक न्याय सुनिश्चित करेंगे। जाहिर है कि मोदी सरकार घबरा गई है।

निष्पक्ष है असम रायफल्स, मणिपुर में दोनों समुदाय के लोगों को बचाया: जनरल पीसी नायर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

शिलांग/भाषा। असम रायफल्स के महानिदेशक लेफ्टिनेंट जनरल पी सी नायर ने कहा कि असम रायफल्स निष्पक्ष है और उसने मणिपुर में दोनों समुदाय के लोगों को बचाया है।

नायर ने कहा कि देश का सबसे पुराना अर्धसैनिक बल निष्पक्ष है और उसने मणिपुर में बंकर तबाह किए, हथियार जब्त किए तथा दोनों पक्ष के निर्दोष लोगों को बचाया। उन्होंने शुक्रवार को 'पीटीआई–भाषा' से कहा, हम पक्षपाती नहीं हैं और मैं ये एकदम स्पष्ट कर देना चाहता हूं। अगर हमें बंकर दिखते हैं तो हम उन्हें नष्ट कर देते हैं। हमने दोनों समुदायों से बराबर की संख्या में हथियार बरामद किए, इसी प्रकार दोनों पक्षों के लोगों को बचाया। ऐसे आरोप लग रहे हैं कि असम रायफल्स मणिपुर में जारी हिंसा में एक खास समुदाय के प्रति पक्षपाती है और इसके बीच लेफ्टिनेंट जनरल नायर का यह बयान आया है। उन्होंने कहा, हम किसी एक समुदाय के साथ पक्षपात क्यों करेंगे? हमारे बल में दोनों सुमदाय से सैनिक हैं और उनके बीच किसी प्रकार के द्वेष का हमारे सामने कोई मुद्दा नहीं है। यह सेना और असम रायफल्स के शीर्ष नेतृत्व के बारे में स्पष्ट तस्वीर पेश करता है।

विपक्षी दल गिरफ्तारी और छापे के लिए तैयार रहे: खड़गे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/वार्ता। कांग्रेस अध्यक्ष मलिकार्जुन खड़गे ने शुक्रवार को भारतीय राष्ट्रीय विकासात्मक समावेशी गठबंधन (इंडिया) की पार्टियों को आगाह करते हुए कहा कि अब तक हुई बैठकों की सफलता के बाद उन्हें और अधिक गिरफ्तारियों और छापेमारी के लिए तैयार रहना चाहिए।

खड़गे ने कहा, इसका अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने बाद के भाषणों में न सिर्फ इंडिया गठबंधन पर हमला बोला है, बल्कि हमारे प्यारे देश के नाम की तुलना आतंकवादी संगठन और गुलामी के प्रतीक से की है। उन्होंने कहा, जितना अधिक हमारा गठबंधन मजबूत होगा, केंद्र में भाजपा सरकार उतना ही अधिक हमारे नेताओं के खिलाफ एजेंसियों का दुरुपयोग करेगी। उन्होंने महाराष्ट्र, राजस्थान, बंगाल में भी ऐसा ही किया है। दरअसल, पिछले हफ्ते झारखंड और छत्तीसगढ़ में ऐसा किया गया था। उन्होंने कहा, आज हमारे समाज का हर वर्ग, चाहे वह किसान, युवा, महिलाएं, हाशिए पर रहने वाले लोग, मध्यम वर्ग, सार्वजनिक बुद्धिजीवी, गैर सरकारी संगठन और यहां तक कि पत्रकार भी भाजपा के सत्तावादी कुशासन का शिकार हो रहे हैं।

कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, 140 करोड़ भारतीय अपने दुखों से छुटकारा पाने की उम्मीद से हमारी ओर देख रहे हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा और आरएसएस ने पिछले नौ वर्षों में जो सांप्रदायिक जहर फैलाया है। उन्होंने कहा, यह कोई आश्चर्य की बात नहीं है कि जब देश के एक हिस्से में दुष्कर्म में शामिल लोगों को रिहा किया जाता है और सम्मानित किया जाता है, तो इससे दूसरे हिस्से में भयावह अपराधों और महिलाओं को नग्न कर घुमाने को बढ़ावा मिलता है। मोदी जी के भारत में कारगिल के बहादुर जवान की पत्नी को भी नहीं बख्शा जाता। उन्होंने कहा, यह हाशिये पर पड़े लोगों के प्रति भाजपा सरकार की उदासीनता है जिसके कारण उनके नेता गरीब आदिवासियों और दलितों पर पेशाब करते हैं और दोषियों को खुलेआम घूमने के लिए छोड़ दिया जाता है।

"एक राष्ट्र, एक चुनाव का विचार अच्छा, इससे खर्च में कमी आएगी : फडणवीस

मुंबई/भाषा। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता देवेन्द्र फडणवीस ने एक राष्ट्र, एक चुनाव के विचार की शुक्रवार को सराहना करते हुए कहा कि यह देश के हित में है। सरकार ने एक राष्ट्र, एक चुनाव की संभावनाएं तलाशने के लिए पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की अध्यक्षता में एक समिति का गठन किया है। फडणवीस ने यहां संवाददाताओं से बातचीत करते हुए कहा कि (लोकसभा और विधानसभाओं के) एक साथ चुनाव एक अच्छी अवधारणा है। उन्होंने कहा, यह देश के हित में है। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री ने कहा, सामान्य रूप से, आप देखेंगे कि पूरे 365 दिन (भारत के) किसी न किसी हिस्से में चुनाव होते रहते हैं। इससे व्यय में वृद्धि होती है। उन्होंने कहा कि एक साथ चुनाव कराने से खर्च में कमी आएगी। फडणवीस ने कहा कि विभिन्न चुनावों के कारण सुधार भी प्रभावित होते हैं। पूर्व राष्ट्रपति कोविंद इस बात की व्यवहार्यता का पता लगाएंगे कि देश में लोकसभा और राज्य विधानसभा चुनाव एक साथ कैसे कराए जा सकते हैं। देश में 1967 तक लोकसभा और विधानसभा चुनाव एकसाथ होते थे।

मैरी कॉम ने कॉम गांव की सुरक्षा के लिए शाह को पत्र लिखा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

इंफाल/भाषा। बॉक्सिंग स्टार एम सी मैरी कॉम ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से यह सुनिश्चित करने के लिए हस्तक्षेप का अनुरोध किया है कि सुरक्षा बल दोनों विरोधी समूहों की मणिपुर के कॉम गांवों में घुसपैठ रोकने के लिए कदम उठाएं। मैरी कॉम ने बृहस्पतिवार को शाह को लिखे गए पत्र में कहा कि कॉम समुदाय मणिपुर की एक स्थानीय जनजाति है और सबसे कम आबादी वाली अल्पसंख्यक जनजातियों में से एक है।

पदम विभूषण से सम्मानित मैरी कॉम ने कहा, हम सभी दो विरोधी समुदायों के बीच बिखरे हुए हैं... दोनों तरफ से मेरे समुदाय पर संदेह जताया जाता है और हम विभिन्न समस्याओं के बीच फंस गए हैं... कमजोर आंतरिक प्रशासन और एक छोटा समुदाय होने से हम अपने अधिकार क्षेत्र में घुसपैठ करने वाली किसी भी ताकत के खिलाफ लड़ने में सक्षम नहीं हैं। उन्होंने कहा, हम दोनों विरोधी समूहों की कॉम गांवों में घुसपैठ रोकने के लिए सुरक्षाबलों से मदद चाहते हैं।

पूर्व राज्यसभा सदस्य ने भारतीय सेना, अर्धसैनिक बल और राज्य बलों के तैनात सभी सदस्यों से अनुरोध किया कि वे आबादी की सुरक्षा के लिए अपनी जिम्मेदारियों का निष्पक्ष रूप से निर्वहन करें और राज्य में शांति तथा सामान्य स्थिति बनाए रखने के उनके प्रयास सफल हों। उन्होंने मणिपुर में सभी लोगों, विशेष रूप से मेइती और कुकी जो समुदायों से एक साथ आने, अपने मतभेदों को दूर करने और राज्य में शांति और सामान्य स्थिति बहाल करने का आग्रह किया।

मैरी कॉम ने कहा, हम सभी को मिलजुलकर रहने की जरूरत है। हमें अपने मतभेदों और क्षति को एक तरफ रख देना चाहिए।

'हम शाहीन की अगुवाई वाले तेज आक्रमण के खिलाफ अनुभव का इस्तेमाल करेंगे'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पालेकल (श्रीलंका)/भाषा। भारतीय क्रिकेट कप्तान रोहित शर्मा ने शुक्रवार को कहा कि उनके बल्लेबाजों को शनिवार को यहां बहुप्रतीक्षित एशिया कप मुकाबले में पाकिस्तान की दमदार तेज गेंदबाजी तिकड़ी का मुकाबला करने के लिए अपने अनुभव पर भरोसा करना होगा। रोहित और विराट कोहली की अगुवाई वाला भारतीय बल्लेबाजी क्रम जब यहां के पालेकल अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में शाहीन अफरीदी, नसीम शाह और हारिस रऊफ जैसे काबिल गेंदबाजों का सामना करेगा तो यह एक रोमांचक प्रतियोगिता होगी।

रोहित ने मैच पूर्व संध्या पर इस बारे में पूछे जाने पर कहा, नेट सत्र में शाहीन, नसीम और रऊफ हमें बल्लेबाजी अभ्यास नहीं कराते है। हमारे पास जो गेंदबाज हैं उनसे हम अभ्यास करते हैं। वे सभी कौशल से भरे हुए गेंदबाज हैं। हमें उनके खिलाफ बस अपने अनुभव का उपयोग करना होगा। टूर्नामेंट शुरू होने के बाद भी भारतीय टीम कुछ फिटनेस समस्याओं से गुजर रही है। लोकेश राहुल चयन के लिए उपलब्ध नहीं हैं जबकि जसप्रीत बुमराह, प्रसिद्ध कृष्णा और श्रेयस अय्यर एकदिवसीय टीम में लंबे समय के बाद वापसी कर रहे है।

रोहित से जब टीम की फिटनेस के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा, किसी भी तरह से यह (एशिया कप 2023) फिटनेस टेस्ट नहीं है। यह टूर्नामेंट शीर्ष छह एशियाई टीमों के बीच खेला जाता है। यह एक बहुत बड़ा टूर्नामेंट है। उन्होंने कहा, 'फिटनेस टेस्ट, फिटनेस कैंप' यह सब बेंगलूरु में किया गया था। अब, हमें आगे बढ़ना होगा और अपने प्रतिद्वंद्वी का सामना करना होगा और देखना होगा कि हम इस (टूर्नामेंट) में क्या हासिल कर सकते हैं। भारत लंबे समय के बाद अपनी पूर्ण टीम के साथ मैदान में उतरेगा। टीम को हालांकि राहुल और ऋषभ पंत जैसे खिलाड़ियों की कमी खलेगी।

'वॉइड' या 'वॉइडेबल' विवाहों से हुए बच्चे वैध, माता-पिता की संपत्तियों पर कर सकते हैं दावा : न्यायालय

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय ने शुक्रवार को कहा कि 'अमान्य' (वॉइड) या 'अमान्य करने योग्य' (वॉइडेबल) विवाहों से उत्पन्न बच्चे कानूनी की दृष्टि में वैध होते हैं और वे हिंदू उत्तराधिकार कानून के तहत माता–पिता की संपत्तियों पर दावा कर सकते हैं।

हिंदू उत्तराधिकार कानून के अनुसार 'अमान्य' विवाह में पुरुष एवं स्त्री को पति और पत्नी का दर्जा नहीं मिलता है। हालांकि, अमान्य करने योग्य विवाह' में उन्हें पति और पत्नी का दर्जा मिलता है।

'अमान्य' (वॉइड) विवाह को निरस्त करने के लिए डिक्री (आदेश) की जरूरत नहीं होती है। जिस विवाह को किसी एक पक्ष के अनुरोध पर रद्द किया जा सकता है, उसे 'अमान्य करने योग्य विवाह' कहते हैं।

शीर्ष अदालत ने 2011 की एक याचिका पर फैसला सुनाया, जो इस कानूनी मुद्दे से संबंधित है कि क्या बिना विवाह के हुए बच्चे हिंदू कानून के तहत अपने माता–पिता की पैतृक संपत्ति में हिस्सा प्राप्त करने के अधिकारी होते हैं या नहीं।

चयन में 'ड्रामे' के कारण खिलाड़ियों की दिलचस्पी कम होती है : मुकुंद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

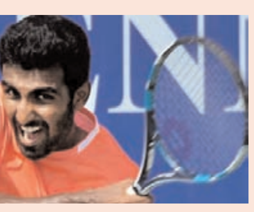

नई दिल्ली/भाषा। शशि कुमार मुकुंद पहली बार बहु–खेल स्पर्धा में भारतीय टीम का हिस्सा बनने को लेकर उत्साहित थे लेकिन एशियाई खेलों की टीम में उनके चयन को लेकर बनी ऊहापोह की स्थिति के कारण इन खेलों का हिस्सा बनने में उनकी 'दिलचस्पी' खत्म हो गई है।

मुकुंद एशियाई खेलों के लिए अखिल भारतीय टेनिस संघ (एआईटीए) द्वारा चुने गए एकल खिलाड़ियों में से एक थे, लेकिन खेल मंत्रालय ने उनके नाम को मंजूरी नहीं दी क्योंकि वह एशियाई क्षेत्र में शीर्ष–आठ खिलाड़ी होने के चयन मानदंडों को पूरा नहीं करते थे। महिला टीम से वैदेही चौधरी और सहजा यमलापल्ली का नाम भी हटा दिया गया। छब्बीस साल के मुकुंद के बाहर होने से एआईटीए की स्थिति खराब हो गई क्योंकि भारतीय टीम में सुमित नागल इकलौते एकल खिलाड़ी है। नागल 189वें स्थान के साथ देश के नंबर एक एकल खिलाड़ी हैं, जबकि मुकुंद 361वें स्थान पर दूसरे स्थान पर हैं। टीम में अन्य चार सदस्य रोहन बोपन्ना, युकी भांबरी, साकेत माइनेनी और रामकुमार रामनाथन के केवल पुरुष युगल स्पर्धा में प्रतिस्पर्धा करने की उम्मीद है। अखिल भारतीय टेनिस महासंघ (एआईटीए) चाहता है कि कम से कम दो भारतीय एकल में प्रतिस्पर्धा करें। एआईटीए और गैर–खिलाड़ी कप्तान रोहित राजपाल मुकुंद को शामिल करने के लिए मंत्रालय को मनाने का प्रयास कर रहे हैं। राजपाल ने पीटीआई–भाषा से कहा, सरकार पदक की वास्तविक उम्मीदों के बिना बड़ा दल भेजकर जनता का पैसा बर्बाद नहीं करना चाहती। वे अपने मानदंडों के साथ सही हैं लेकिन हमें दो एकल खिलाड़ियों की जरूरत है, इसलिए मैं उन्हें शामिल करने पर जोर दूंगा। उन्होंने कहा, एआईटीए और मंत्रालय दोनों का अंतिम उद्देश्य टीम में अधिक पदक जीतने वाले एथलीट को शामिल करना है। मुकुंद भावुक हैं लेकिन मैं चाहता हूं कि वह इस निराशा को छोड़ कर टीम में शामिल होने पर विचार करे। अगर वह तैयार नहीं है, तो मुझे मंत्रालय से मंजूरी नहीं मिल सकती। मुकुंद ने हालांकि टीम में शामिल होने में असमर्थता जताई है, उन्होंने दो एटीपी स्पर्धाओं में खेलने की प्रतिबद्धता दे दी है।

सुविचार

मजबूत होने में मजा ही तब है, जब सारी दुनिया कमजोर करने पर तुली हो।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

एक देश, एक चुनाव: कैसे?

संसद का विशेष सत्र बुलाने की घोषणा के साथ ही 'एक देश, एक चुनाव' का मुद्दा फिर चर्चा में आ गया है। यह स्वाभाविक भी है, क्योंकि सरकार ने इसकी संभावनाएं तलाशने के लिए पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की अध्यक्षता में एक समिति का गठन कर दिया है। विशेष सत्र बुलाने की जिस तरह अचानक घोषणा की गई, उससे जनता कयास लगा रही है, वहीं विपक्ष 'उलझन' में नजर आ रहा है। उसकी ओर से 'एक देश, एक चुनाव' के विरोध में बयान आने शुरू हो गए हैं। सोशल मीडिया पर यह मुद्दा सुर्खियां बटोर रहा है। 'एक देश, एक चुनाव' कोई नया मुद्दा नहीं है। इस पर पहले भी चर्चा हो चुकी है, जिसके पक्ष और विपक्ष में अलग-अलग तर्क हैं, लेकिन इस बात से इन्कार नहीं किया जा सकता कि यह चुनाव सुधार का हिस्सा है। लिहाजा इस पर गंभीरता से चर्चा जरूर होनी चाहिए। देश में पहले आम चुनाव से लेकर आज तक संसद, विधानमंडल, स्थानीय शासन के अनेक चुनाव हो चुके हैं। इस दौरान देश ने चुनाव सुधारों की राह अपनाई है। एक स्वस्थ और सशक्त लोकतंत्र के लिए यह बहुत जरूरी है। हमें उन तौर-तरीकों को चुनाव प्रक्रिया का हिस्सा बनाना चाहिए, जो आज अत्यधिक प्रासंगिक हैं। पहले मतपत्र से मतदान होता था। अगर ठप्पा जरा-सा भी इधर-उधर लगा तो वह मत निरस्त हो जाता था। कुछ संवेदनशील स्थानों पर मतपेटियां लूट ली जाती थीं। बाहुबली किस्म के नेता बूथ पर कब्जा कर लेते थे। जब मतगणना होती तो बहुत ज्यादा समय लगता था। आज ईवीएम का बटन दबाकर मतदान होता है। मतदान बूथ की वीडियोग्राफी होती है, जिससे अपराधी व बाहुबली तत्त्वों की मनमानी पर लगाम लगी है। मतगणना बहुत आसान हो गई है। मात्र कुछ घंटों में आंकड़े सामने आ जाते हैं। अगर ये चुनाव सुधार न होते तो आज देश का लोकतंत्र कैसा होता? आश्चर्य होता है, आज भी कुछ नेतागण वर्षों पुरानी उसी चुनाव प्रक्रिया को वापस लाने की पैरवी करते मिल जाते हैं! इस सदी की कई चुनावी जरूरतें पिछली सदी की जरूरतों से अलग हैं, लिहाजा ऐसे सुधारों को धरातल पर उतारा जाना चाहिए, जो लोकतंत्र को मजबूत बनाने में सहायक हों।

'एक देश, एक चुनाव' को लेकर न तो जल्दबाजी करनी चाहिए और न ही इसका अंधविरोध करना चाहिए। इससे जुड़े हर बिंदु का उल्लेख करते हुए उस पर विस्तार से चर्चा करनी चाहिए। 'एक देश, एक चुनाव' से जुड़े फायदों के संबंध में यह तर्क दिया जा सकता है कि इससे समय और संसाधनों की बचत होगी। अभी स्थिति यह है कि हर साल किसी न किसी राज्य में चुनाव आ जाते हैं। वहां आचार संहिता लगने से विकास कार्यों की गति अवरुद्ध होती है। वह चुनाव संपन्न होने के बाद पूरी मशीनरी एक और चुनाव में व्यस्त हो जाती है। जब देश की ऊर्जा का बड़ा हिस्सा इस तरह चुनावों पर खर्च हो जाएगा तो विकास कब होगा? 'एक देश, एक चुनाव' की राह बिल्कुल भी आसान नहीं है। इसके लिए सरकार के सामने सबसे बड़ी चुनौती विपक्ष को राजी करना है। पूर्व राष्ट्रपति कोविंद की अध्यक्षता में समिति गठित किए जाने के कुछ घंटे बाद ही शिवसेना (यूबीटी) के नेता संजय राउत ने इस कदम को देश में 'चुनाव स्थगित करने की साजिश' करार दे दिया! उन्होंने यह भी कह दिया कि 'हमें निष्पक्ष चुनाव की जरूरत है, जो आजकल नहीं हो रहे हैं।' प्राय: नेतागण को उसी समय चुनावों की निष्पक्षता पर संदेह होता है, जब उनकी सरकार चली जाती है। 'एक देश, एक चुनाव' की राह में दूसरी बड़ी समस्या विभिन्न राज्यों में अलग-अलग समय पर सरकार का कार्यकाल पूरा होने को लेकर है। क्या वे एकसाथ चुनाव के लिए तैयार होंगे? प. बंगाल, तमिलनाडु, बिहार, केरल ... जहां गैर-राजग सरकारें हैं, क्या ये राज्य 'एक देश, एक चुनाव' पर सहमत होंगे? पूर्व निर्वाचन आयुक्त टीएस कृष्णमूर्ति मानते हैं कि एकसाथ चुनाव कराने पर राजनीतिक सहमति बनाना चुनौतीपूर्ण होगा। हालांकि वे यह भी कहते हैं कि 'एकसाथ चुनाव कराना निश्चित रूप से संभव है, क्योंकि किसी एक साल होने वाले सभी राज्यों के चुनावों को एकसाथ कराया जा सकता है। इससे कम से कम एक साल में कई चुनाव कराने का तनाव कम हो जाएगा। यह एकसाथ चुनाव कराने के लिए पहला कदम हो सकता है।' अगर देश अमृत काल में सुधारों की ओर कदम बढ़ाते हुए यह चुनाव सुधार करने में सफल हुआ तो इसके फल लोकतंत्र को और सशक्त बनाएंगे।

ट्वीटर टॉक

आज राजस्थान में भाजपा द्वारा आयोजित चुनाव प्रबंधन समिति बैठक में भाग लिया। लक्ष्य अंत्योदय, प्रण अंत्योदय, पथ अंत्योदय के रास्ते पर चलकर भाजपा को राजस्थान में सशक्त करने के बारे में चर्चा हुई। बैठक में अन्य पदाधिकारी और मंत्रीगण भी उपस्थित रहे।

-प्रह्लाद जोशी

कांग्रेस में सिर फुटौव्वल की स्थिति मंत्रियों के बाद अब कार्यकर्ताओं तक पहुंच गई है। अजमेर, अलवर, बांसवाड़ा व उदयपुर के बाद अब करौली में कांग्रेस कार्यकर्ताओं के बीच जमकर चले लात घूंसों के बाद कांग्रेस में जारी अंतर्कलह सड़कों पर साफ दिख रही है।

-राजेन्द्र राठौड़

राजस्थानी साहित्य के प्रमुख हस्ताक्षर पद्मश्री से सम्मानित श्री विजयदान देथा जी जयंती पर नमन। राजस्थान की संस्कृति में रचीबड़ी लोककथाओं को उन्होंने अपनी जादुई कलम से शब्दों में पिरोया। बिज्ञी ने ऐसे साहित्य की रचना की जिसने विश्व पटल पर मरुधरा का सम्मान बढ़ाया।

-ओम बिरला

प्रेरक प्रसंग

संत की सत्ता

तुर्किस्तान और ईरान के बीच युद्ध छिड़ा हुआ था। तुर्की की हार तय थी। किंतु एक रोज़ ईरान के सूफी संत करीदुबीन तुर्कों के हाथ पड़ गये। तुर्कों ने उन पर जासूसी का आरोप लगाकर उन्हें फांसी की सजा सुना दी। संत की प्राणरक्षा के लिए ईरानी उनके वजन के बराबर हीरे-जवाहरात देने को तैयार हो गये। अनेक लोग उसके बदले जान देने को तैयार थे, पर तुर्कों ने संत को नहीं छोड़ा। अंतत: ईरान के शाह ने तुर्क सुल्तान से विनती की कि चाहो तो ईरान का राज्य ले लो, पर संत को छोड़ दो। सुल्तान ने हैरत से पूछा, 'लड़ाई में जिस देश को हम नहीं जीत सके, उसे एक व्यक्ति के एवज में क्यों सौंप रहे हो?' शाह बोले, 'वह व्यक्ति नहीं, हमारे देश की धड़कन है। हमारे देश की आबरू है। उसके कारण हमारे देश का धर्म, संस्कृति और आचरण जिंदा है। अन्न, जवान व सच्चे संत राष्ट्ररक्षा के मुख्य स्तंभ हैं। अनाज उपजाया जा सकता है। जवान तैयार किये जा सकते हैं। किंतु संत सैकड़ों साल में एक बार जन्म लेते हैं। संतों से रहित देश मुर्दा है। संत की सत्ता सर्वोपरि है।'

सामयिक

एकीकृत चिकित्सा प्रणाली वर्तमान की आवश्यकता

डॉ रघुवीर चारण
E-mail - charanraghuveer6gmail.com

आज विश्व तकनीकी युग में विभिन्न क्षेत्रों में बहुत तेजी से अग्रसर है प्रत्येक राष्ट्र अपने बुनियादी ढांचे में सुधार में लगे हुए हैं देश की तरक्की स्वस्थ समाज के विकास पर ही निर्भर होती है ऐसे में ज़रुरत है राष्ट्र को स्वास्थ्य सेवाओं में प्रगतिशील बनाने की। देश आज़ादी के अमृत महोत्सव की 76वीं वर्षगांठ मना रहा है पिछले सात दशकों में देश ने कई महामारियों का सामना किया जिसमें टीबी, हैजा,चेचक, स्पेनिश फ्लू, पोलियो, कोरोना प्रमुख है इन व्याधियों की त्रासदी के बावज़ूद हमारे स्वास्थ्य ढाँचे में में बदलाव नहीं हुआ अब जरुरत है स्वास्थ्य सेवाओं को समृद्ध बनाने की इसलिए एकीकृत चिकित्सा प्रणाली और स्वास्थ्य सेवाओं का राष्ट्रीयकरण बेहद आवश्यक है।

वर्तमान में हमारे देश में स्वास्थ्य देखभाल के लिए त्रिस्तरीय स्वास्थ्य प्रणाली प्रचलित है इसमें प्राथमिक स्तर में क्रमश उपस्वास्थ्य केंद्र, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र आते हैं माध्यमिक स्तर पर जिला/उपजिला अस्पताल शामिल है जबकि तृतीयक स्तर में राज्य स्तर के चिकित्सा संस्थान एवं मेडिकल कॉलेज स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करते हैं हमारे स्वास्थ्य की नींव प्राथमिक स्तर है जो देश की अधिकतर ग्रामीण आबादी को कवर करता है जो आज भी मूलभूत स्वास्थ्य सुविधाओं से वंचित है वर्ष 1983 में देश की पहली राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति बनाई जिसका मुख्य लक्ष्य 2000 तक सभी को प्राथमिक स्वास्थ्य सुविधाएँ उपलब्ध कराना था फिर इसमें कुछ बदलाव कर 2002 में दूसरी व 2017 में विभिन्न लक्ष्यों के साथ तीसरी स्वास्थ्य नीति लागू हुई जिसका उदेश्य स्वास्थ्य प्रणाली के सभी आयामों स्वास्थ्य क्षेत्र में निवेश, स्वास्थ्य सेवा सुविधाओं के व्यवस्थापन और वित्त पोषण, रोगों की रोकथाम, प्रौद्योगिकियों तक पहुँच, मानव संसाधन विकास, विभिन्न चिकित्सीय प्रणाली को प्रोत्साहन देना तथा स्वास्थ्य सेवा पर खर्च कुल सकल घरेलू उत्पाद को बढ़ाना था। स्वास्थ्य नीति क्रियान्वन के बीते चार दशकों में सार्वजनिक स्वास्थ्य में कोई खास परिवर्तन नहीं हुए उल्टा ग्रामीण स्वास्थ्य व शहरी स्वास्थ्य में खाई उपजती जा रही है आज भी देश की कुल जीडीपी का स्वास्थ्य पर व्यय बहुत कम है जोकि चिंता का विषय है बढ़ती जनसंख्या स्वास्थ्य सेवाओं में विस्तार की धीमी गति देश के आर्थिक विकास में रुकावट डाल रही हैं।

देश में जन स्वास्थ्य में एकरूपता की कमी में प्रमुख कारण भारतीय संवैधानिक व्यवस्था भी है संविधान के अंतर्गत सार्वजनिक स्वास्थ्य राज्य सूची का विषय है विभिन्न राज्यों की लचर स्वास्थ्य प्रणाली व केन्द्र सरकार और राज्यों में सही तालमेल ना होने तथा केंद्रीय योजनाओं को धरातल पर लागू ना करने के कारण देश के कई राज्य बीमारू श्रेणी में आते हैं वर्ष 2023 में भारत जी-20 की अध्यक्षता कर रहा हैं जहाँ दुनिया के प्रमुख देशों की नज़र भारत पर है ऐसे में जरूरत है सार्वजनिक स्वास्थ्य के विषय को समवर्ती सूची में शामिल कर स्वास्थ्य सेवाओं का राष्ट्रीयकरण करें साथ ही ब्रिटिश साम्राज्य में उपजे स्वास्थ्य ढाँचे को दुरस्त कर एकीकृत चिकित्सा प्रणाली लागू करें।

एकीकृत चिकित्सा प्रणाली अर्थात आधुनिक चिकित्सा विज्ञान (एलोपैथी) के साथ हमारी पारंपरिक चिकित्सा विधाओं जैसे आयुर्वेद, योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा को शामिल करना आज़ादी के बाद हमारे ऋषि मुनियों के परिपूर्ण ज्ञान से समृद्ध आयुर्वेद चिकित्सा की अवनति होती रही और देश में इसे मुख्य धारा में लाने की बजाए वैकल्पिक चिकित्सा का दर्जा दिया आज भी आयुर्वेद विभाग आधारभूत संरचना, अनुसंधान, नगण्य सरकारी बजट से उपेक्षा का शिकार है अब इन्हें आधुनिक चिकित्सा के समकक्ष लाने के लिए एकीकृत करना पड़ेगा जिस रोग में जो प्रभावी औषध है उसके अनुरूप चिकित्सा पद्धति का प्रयोग करना चाहिए जब तक क्रॉस रेफरल की सुविधा नहीं मिलेगी तब तक आयुष पद्धतियों की उन्नति नहीं हो सकती इसलिए एकीकृत चिकित्सा और एक राष्ट्र एक स्वास्थ्य प्रणाली भविष्य की संभावना नहीं बल्कि वर्तमान की आवश्यकता है।

वर्तमान समय में खराब जीवनशैली से विभिन्न प्रकार के गैर- संचारी, दीर्घकालिक संचारी और संक्रमित रोग उत्पन्न हो रहे हैं इनसे निपटने के लिए इंटीग्रेटेड मेडिसिन पर विचार करने का ये सही वक्त है एकीकृत चिकित्सा भारतीय जन स्वास्थ्य के लिए मील का पत्थर साबित हो सकती है यदि इसका बेहतर प्रबंधन किया जाए भारत को भी चीन, जापान, जर्मनी की तरह एकीकृत चिकित्सा मॉडल को अपनाना चाहिए जहाँ एलोपैथी के साथ पारंपरिक चिकित्सा का आपसी समायोजन कर सुगम स्वास्थ्य सुविधाएँ प्रदान की जा रही है।

हालही में आयुष मंत्रालय और भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) के बीच एकीकृत स्वास्थ्य अनुसंधान को बढ़ावा देने और सहयोग करने के लिए एक समझौता हुआ तथा एकीकृत चिकित्सा केंद्र का भी उद्घाटन किया गया जिसका उदेश्य राष्ट्रीय महत्व के चिन्हित क्षेत्रों / रोग स्थितियों पर संयुक्त रूप से उच्च गुणवत्तापूर्ण नैदानिक परीक्षण का संचालन करने की संभावनाओं की खोज करना एकीकृत चिकित्सा स्वास्थ्य की वैश्विक परिभाषा पर खरी उतरती है एकीकृत चिकित्सा से दीर्घ कालिक व्याधियों को ठीक किया जा सकता है ।

आधुनिक चिकित्सा की बढ़ती लोकप्रियता चिकित्सा के उपचारात्मक सिद्धांत पर कार्यशील है जबकि हमें प्रिवेंटिव (बचाव) सिद्धांत पर जोर देना चाहिए स्वस्थ व्यक्ति के स्वास्थ्य रक्षण के लिए पारंपरिक चिकित्सा को मुख्य धारा में लाना होगा योग एवं आयुर्वेद की मदद से समग्र सार्वजनिक स्वास्थ्य की प्राप्ति हो सकती है मानव स्वास्थ्य सूचकांक तथा मातृ और शिशु मृत्यु दर पर थकज की ताजा रिपोर्ट हमारे सार्वजनिक स्वास्थ्य की दयनीय स्थिति को दर्शाती है आख़िर समाधान यही है देश के जन स्वास्थ्य का आधार स्तम्भ प्राथमिक स्तर को सम्पूर्ण स्वास्थ्य सुविधाएँ उपलब्ध करवाना डॉक्टरों और मरीजों के अनुपात को कम करना स्वास्थ्य से संबधित जागरूकता अभियान चलाकर संक्रमण में कमी लाना तथा घातक बीमारियों पर आपसी अनुसंधान को बढ़ावा देकर औषधियों की प्रभावकारिता का सही आकलन करना प्रत्येक जिला स्तर पर उच्च चिकित्सा संस्थानों को बढ़ावा देना व मेडिकल शिक्षा में सैद्धांतिक ज्ञान के साथ प्रायोगिक ज्ञान को बढ़ावा देना होगा । चिकित्सा का मूल प्रयोजन स्वस्थ व्यक्ति के स्वास्थ्य की रक्षा और रोगी व्यक्ति के रोग का निवारण करना है न कि विभिन्न पैथियों में आपसी प्रतिस्पर्धा बढाना है इसलिए एकीकृत चिकित्सा भविष्य की स्वास्थ्य चुनोतियों से निपटने के लिए बेहतर विकल्प है।।

मुद्दा

एक देश एक चुनाव की चर्चा ने जोर पकड़ा

बाल मुकुन्द ओझा
मोबाइल : 9414441218

एक देश एक चुनाव की चर्चा ने सियासी हलकों में व्यापक हलचल मचा दी है। विशेषकर संसद के विशेष सत्र को आहूत करने के मोदी सरकार के एलान से इस चर्चा ने जोर पकड़ लिया है। मोदी सरकार ने 18 से 22 सितंबर तक संसद का विशेष सत्र बुलाने का ऐलान कर सियासी क्षेत्रों में सब को चौंका दिया है। सरकार की ओर से संसद का विशेष सत्र क्यों बुलाया गया है? इसको लेकर अलग-अलग चर्चा शुरू है। ऐसी चर्चा भी शुरू हो गई है कि एक देश एक चुनाव जैसा महत्वपूर्ण बिल सरकार इस विशेष सत्र में ला सकती है। प्रधानमंत्री मोदी लंबे समय से इसकी वकालत करते रहे हैं। कहा जा रहा है इससे चुनाव कराने की लागत कम होगी और शासन के लिए समय भी बचेगा।

एक देश एक चुनाव की बात कोई नई नहीं है, क्योंकि देश में वर्ष 1952, 1957, 1962 और 1967 में लोकसभा और राज्य विधानसभा दोनों के चुनाव साथ-साथ हो चुके हैं। एक राष्ट्र एक चुनाव का अर्थ है कि भारत में संघीय ढांचे के सभी तीन स्तरों के लिए चुनाव प्रक्रिया एक समकालिक तरीके से होगी। एक राष्ट्र एक चुनाव का मतलब है कि एक मतदाता एक ही दिन सरकार के सभी स्तरों (केंद्रीय, राज्य और स्थानीय) के लिए अपना वोट डालेगा। इसलिए एक साथ होने वाले चुनाव को एक देश एक चुनाव भी कहा जा सकता है। इससे देश को बढ़ रहे चुनावी व्यय से छुटकारा मिलेगा। गौरतलब है पिछले दिनों संसदीय समिति ने संसद के दोनों सदनों में पेश अपनी एक रिपोर्ट में कहा था कि अगर देश में एक ही बार में सभी प्रकार के चुनाव संपन्न किए जाएंगे, तो न केवल इससे सरकारी खजाने पर बोझ कम पड़ेगा, बल्कि राजनीतिक दलों का खर्च कम होने के साथ साथ मानव संसाधन का भी अधिकतम उपयोग किया जा सकेगा। साथ ही मतदान के प्रति मतदाताओं की रूचि में वृद्धि होंगी। एक देश-एक चुनाव के लिए अनुच्छेद-83, 85, 172, 174 और 356 में संशोधन करना होगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी विधानसभा और लोकसभा चुनाव एक साथ कराने के विचार पर जोर देते रहे हैं। इस सत्र में पांच बैठकें होंगी। मीडिया रिपोर्ट में सरकार से जुड़े कुछ सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि संसद के इस विशेष सत्र में मोदी सरकार 'एक देश, एक चुनाव' वाला बिल ला सकती है। सूत्रों ने कहा है कि विशेष सत्र के दौरान यूनिफॉर्म सिविल कोड और महिला आरक्षण बिल भी पेश किया जा सकता है। देश में एक देश एक चुनाव को लेकर बहस काफी समय से चल रही है. इसी साल जनवरी में लॉ कमीशन ने इसको लेकर राजनीतिक दलों से छह सवालों के जवाब मांगे थे। सरकार इसे लागू कराना चाहती है।

लोकसभा और राज्यों की विधानसभाओं के चुनाव एक साथ कराये जाने के मसले पर लंबे समय से बहस चल रही है। प्रधानमंत्री मोदी ने भी इस विचार का समर्थन कर इसे आगे बढ़ाया है। आपको बता दें कि इस मसले पर चुनाव आयोग, नीति आयोग, विधि आयोग और संविधान समीक्षा आयोग विचार कर चुके हैं। अभी हाल ही में विधि आयोग ने देश में एक साथ चुनाव कराये जाने के मुद्दे पर विभिन्न राजनीतिक दलों, क्षेत्रीय पार्टियों और प्रशासनिक अधिकारियों की राय जानने के लिये तीन दिवसीय कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया था। इस कॉन्फ्रेंस में कुछ राजनीतिक दलों ने इस विचार से सहमति जताई, जबकि ज्यादातर राजनीतिक दलों ने इसका विरोध किया। उनका कहना है कि यह विचार लोकतांत्रिक प्रक्रिया के खिलाफ है। जाहिर है कि जब तक इस विचार पर आम राय नहीं बनती तब तक इसे धरातल पर उतारना संभव नहीं होगा।

एक देश-एक चुनाव से बार-बार चुनावों में खर्च होने वाली धनराशि बचेगी। इसका उपयोग शिक्षा, स्वास्थ्य और जल संकट निवारण आदि ऐसे कार्यों में हो पाएगा, जिससे लोगों के जीवन स्तर में बेहतरी आएगी। कई देशों ने विकास को गति देने के लिए एक देश-एक चुनाव की व्यवस्था अपना रखी है।

चिंतन

अब मानसिक बीमारियां बन रहीं चुनौती

अमित बैजनाथ गर्ग
मोबाइल : 78770 70861

मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं को इस दशक के लिए बड़ी चुनौती के तौर पर देखा जा रहा है। विशेषकर कोरोना महामारी के बाद यह और व्यापक होती नजर आ रही है। वैश्विक स्तर पर साल 2020 के बाद से मनोरोगियों का आंकड़ा काफी तेजी से बढ़ा है। कुछ अध्ययन बताते हैं कि कई विकसित और विकासशील देशों में हर चार में से एक व्यक्ति किसी न किसी प्रकार के मनोरोग का शिकार है। चिंता-तनाव और अवसाद के केस तेजी से बढ़ रहे हैं, इस खतरे को देखते हुए विशेषज्ञों को चिंता है कि आने वाले 5-8 वर्षों में मानसिक स्वास्थ्य चिकित्सा क्षेत्र पर बड़ा दबाव आ सकता है। वैश्विक स्तर पर बढ़ती मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं के बारे में लोगों को जागरूक करने और इस खतरे को कम करने के लिए हर साल विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस मनाया जाता है। विशेषज्ञों का कहना है कि इसे सिर्फ मनोचिकित्सा या इसके आस-पास तक ही सीमित करके नहीं देखा जाना चाहिए। इस दिशा में अब जरूरत है कि जन-जन का प्रयास शामिल हो, जिससे हम स्वस्थ भारत की कल्पना को चरितार्थ कर सकें।

किसी भी देश के समग्र विकास के लिए लोगों के क्वालिटी ऑफ लाइफ यानी कि गुणवत्तापूर्ण जीवन की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। इसका सीधा संबंध उत्पादकता से है, जो आर्थिक विकास के लिए महत्वपूर्ण आयाम है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों का मानना है कि स्कूली स्तर से ही बच्चों को मानसिक स्वास्थ्य के बारे में जागरूक किए जाने की आवश्यकता है। इसे पाठ्यक्रम का विषय बनाया जाना चाहिए, जिससे बच्चों में इसकी समझ को विकसित किया जा सके। स्कूली पाठ्यक्रम में मानसिक स्वास्थ्य को शामिल कर अगली पीढ़ी को इसके वैज्ञानिक पहलुओं के बारे में जागरूक करने में मदद मिल सकती है, जिससे इस दिशा में चले आ रहे कलंक के भाव को कम किया जा सके। इससे लोगों के लिए इस बारे में बात करना, इलाज प्राप्त करना सहज हो सकेगा, जिससे उत्पादकता को बढ़ाने में भी मदद मिल सकेगी।

मानसिक स्वास्थ्य को लेकर फिलहाल भारत में किए जा रहे प्रयासों के स्तर में विशेष सुधार की आवश्यकता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के मुताबिक, भारत की जनसंख्या जिस रफ्तार से बढ़ रही है, उसी रफ्तार में भारत में मानसिक बीमारी से जूझने वालों की संख्या भी बढ़ती जा रही है। आंकड़ों के मुताबिक, भारत में रह रहे हर 10,000 में से 2,443 लोग मानसिक समस्या से किसी न किसी तरह से ग्रसित हैं। वहीं इंडियन जर्नल ऑफ साइकियाट्री की ओर से किए गए सर्वे से पता चला है कि देश में औसतन 4 लाख नागरिकों पर 3 ही मनोचिकित्सक हैं, जबकि कम से कम हर 4 लाख की आबादी पर 12 मनोचिकित्सक होने चाहिए। ऐसे में कहा जा सकता है कि भारत में मनोचिकित्सकों की भारी कमी है। आत्महत्या की बड़ी वजहों में से एक खराब मानसिक स्वास्थ्य भी है। भारत में होने वाली आत्महत्याओं के कारणों में मानसिक समस्या तीसरे नंबर है। एनसीआरबी के आंकड़ों के मुताबिक, साल 2021 में 13,792 लोगों ने मानसिक बीमारियों से जूझते हुए आत्महत्या की थी।

भारत अन्य देशों की तुलना में मानसिक स्वास्थ्य की दिशा में किए जा रहे प्रयासों में अभी पीछे है। दुनिया के ज्यादातर देश अपने सकल घरेलू उत्पाद का लगभग 5-18 प्रतिशत मानसिक स्वास्थ्य पर खर्च करते हैं, जबकि भारत का इस दिशा में खर्च 0.05 फीसदी ही है। इसके अलावा भारत में मानसिक स्वास्थ्य विशेषज्ञों की कमी भी बड़ी चुनौती है। ग्रामीण क्षेत्रों में उचित मानसिक स्वास्थ्य सुविधाओं का भारी अभाव है। जिला स्तर पर मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम तो तैयार किए गए हैं, लेकिन वहां की स्थिति ठीक नहीं है। आलम यह है कि तमाम राज्यों में ग्रामीण क्षेत्रों से लोगों को मनोचिकित्सा के लिए राज्य की राजधानी या दिल्ली का रुख करना पड़ रहा है। मनोचिकित्सकों का कहना है कि कोरोना महामारी के बाद से देश में मानसिक स्वास्थ्य विकारों के केस में 15-20 फीसदी की बढ़ोतरी आई है। हालांकि सुविधाओं में इस स्तर पर कोई खास सुधार नहीं हुआ है। टेली कंसल्टेंसी जैसी तकनीक ने लोगों के लिए दूर बैठकर भी परामर्श लेना आसान जरूर बनाया है पर अब भी ग्रामीण क्षेत्रों में अशिक्षा और जागरूकता की कमी के चलते ये सेवाएं शहरी आबादी के इर्द-गिर्द ही घूमती ही नजर आ रही हैं।

मानसिक स्वास्थ्य की दिशा में आगे का रास्ता संभवत: यह हो सकता है कि लोगों को इस बारे में जागरूक किया जाए कि मानसिक स्वास्थ्य किसी भी अन्य शारीरिक स्वास्थ्य समस्याओं की तरह ही है, इसलिए यह प्राथमिक स्वास्थ्य प्रणाली का एक अभिन्न अंग होना चाहिए। यही कारण है कि मानसिक स्वास्थ्य को मनोचिकित्सा तक ही सीमित करके देखना बेमानी होगा। मानसिक स्वास्थ्य मौजूदा समय की प्राथमिकता भी है और इससे संबंधित विकार बड़ी चुनौती भी।

इन दोनों पर बेहतर तरीके से ध्यान देने के लिए आवश्यक है कि इसमें जन-जन की भागीदारी सुनिश्चित की जाए। सोशल मीडिया, एनजीओ, जागरूकता अभियानों आदि के माध्यम से लोगों को मानसिक स्वास्थ्य की आवश्यकताओं के बारे में जागरूक किए जाने की जरूरत है, जिससे लोगों के लिए सहजता से इसका इलाज प्राप्त कर पाना आसान हो, लोग एक-दूसरे से अन्य बीमारियों की तरह इस बारे में भी खुलकर बात कर पाएं। स्वस्थ समाज-स्वस्थ भारत का निर्माण तभी किया जा सकेगा, जब देश का बच्चा-बच्चा मानसिक रूप से स्वस्थ होगा। इसके लिए हम सभी को मिलकर प्रयास करने होंगे।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंडर एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– दक्षिण भारत राष्ट्रमत

पांच साल पहले कोविंद ने कहा था: लगातार चुनाव मानव संसाधन पर अत्यधिक बोझ, विकास भी होता है बाधित

नई दिल्ली/भाषा

'एक राष्ट्र, एक चुनाव' की व्यवहार्यता का पता लगाने वाली समिति की जिम्मेदारी संभालने से पांच साल पहले देश के तत्कालीन राष्ट्रपति के रूप में रामनाथ कोविंद ने एक साथ चुनाव कराने पर सभी दलों के बीच बहस और आम सहमति की जोरदार वकालत की थी।

कोविंद ने 29 जनवरी, 2018 को संसद के संयुक्त सत्र को संबोधित करते हुए कहा था कि देश में शासन की स्थिति से अवगत नागरिक यहां किसी न किसी हिस्से में बार-बार होने वाले चुनावों को लेकर चिंतित हैं, जो अर्थव्यवस्था और विकास पर प्रतिकूल प्रभाव डालते हैं। उन्होंने कहा था, बार-बार चुनाव होने से न केवल मानव संसाधन पर भारी बोझ पड़ता है, बल्कि आदर्श आचार संहिता लागू होने के कारण विकास प्रक्रिया भी बाधित होती है। इसलिए एक साथ चुनाव कराने के विषय पर सतत बहस की जरूरत है और सभी राजनीतिक दलों को इस मुद्दे पर आम सहमति बनाने की आवश्यकता है।

17वीं लोकसभा के चुनाव के बाद संसद के पहले संयुक्त सत्र को संबोधित करते हुए कोविंद ने 'एक राष्ट्र, एक साथ चुनाव' की जोरदार वकालत की थी। उन्होंने कहा था, पिछले कुछ दशकों के दौरान, देश के किसी न किसी हिस्से में बार-बार चुनाव होने के कारण, विकास कार्यक्रमों की गति और निरंतरता प्रभावित हुई है।

कोविंद ने कहा कि देश के लोगों ने राज्य और राष्ट्रीय दोनों मुद्दों पर स्पष्ट फैसला देकर अपनी बुद्धिमत्ता का प्रदर्शन किया है और 'एक राष्ट्र, एक साथ चुनाव' समय की मांग है। उनके अनुसार इससे

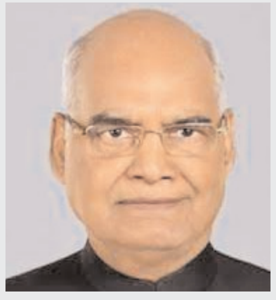

त्वरित विकास होगा, जिससे हमारे देशवासियों को लाभ होगा। उन्होंने कहा, इस तरह की व्यवस्था होने से सभी राजनीतिक दल अपनी-अपनी विचारधारा के अनुरूप विकास और जनकल्याण के लिए अपनी ऊर्जा का बेहतर उपयोग कर सकेंगे। इसलिए, मैं सभी सांसदों से आग्रह करता हूं कि वे 'एक राष्ट्र, एक साथ चुनाव' के विकासोन्मुखी प्रस्ताव पर गंभीरता से विचार करें।

वर्ष 2017 से 2022 तक देश के 14वें राष्ट्रपति रहे कोविंद (77) ने 23 जुलाई, 2022 को संसद के केंद्रीय कक्ष में उनके लिए आयोजित विदाई रात्रिभोज में सभी दलों से दलगत राजनीति से ऊपर उठकर 'राष्ट्र प्रथम' की भावना के साथ लोगों के कल्याण के लिए जरूरी चीजों पर विचार-विमर्श करने को कहा था।

पद छोड़ने के एक साल से अधिक समय बाद, पूर्व राष्ट्रपति अब 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' की व्यवहार्यता का पता लगाने के लिए सरकार द्वारा गठित समिति का नेतृत्व करेंगे।

भारत के राष्ट्रपति के रूप में पद छोड़ने के बाद भी, कोविंद का एक सक्रिय सार्वजनिक जीवन रहा है। वह लगातार व्याख्यानमालाओं और विभिन्न समारोहों में भाग ले रहे हैं। दो दिन पहले ही उन्होंने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत से मुलाकात की थी। भागवत पूर्व राष्ट्रपति के आवास पर उनसे मिलने पहुंचे थे।

मुलाकात के बाद कोविंद ने कहा था कि विभिन्न राष्ट्रीय मुद्दों पर उनकी अच्छी बातचीत हुई।

भागवत से मुलाकात के बाद कोविंद ने कहा था, हमारे देश की प्रगति और मूल्यों के बारे में उनकी अंतर्दृष्टि वास्तव में प्रेरणादायक है।

जमीनी स्तर के नेता से देश के प्रथम नागरिक बनने तक की कोविंद की यात्रा बहुत ही प्रेरणास्पद रही है। अपने भाषणों में भी वह अक्सर अपनी साधारण पृष्ठभूमि का उल्लेख करते रहे हैं। अक्सर यह चर्चा भी होती है कि कैसे वह एक छोटे से गांव में कच्चे घर में पले बढ़े और राष्ट्रपति पद तक पहुंचने के लिए एक लंबा सफर तय किया।

दीक्षांत समारोह

बिलासपुर में शुक्रवार को गुरु घासीदास विश्वविद्यालय के 10वें दीक्षांत समारोह के दौरान छात्र।

एक साथ चुनाव कराने के लिए कम से कम पांच संविधान संशोधनों की जरूरत होगी

नई दिल्ली/भाषा

लोकसभा और राज्य विधानसभाओं के चुनाव एक साथ कराने के लिए कम से कम पांच संवैधानिक संशोधनों और बड़ी संख्या में अतिरिक्त इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) व पेपर ट्रेल मशीनों की जरूरत होगी, जिन पर 'हजारों करोड़ रुपए' की लागत आएगी। अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। संसद की एक समिति ने निर्वाचन आयोग सहित विभिन्न हितधारकों के परामर्श से एक साथ चुनाव कराने के मुद्दे की जांच की थी। अधिकारियों ने बताया कि समिति ने इस संबंध में कुछ सिफारिशें की हैं। उन्होंने कहा कि एक साथ चुनाव कराने के लिए 'व्यावहारिक रूपरेखा और ढांचा' तैयार करने के लिए यह मामला अब विधि आयोग के पास भेजा गया है।

अधिकारियों ने कहा कि एक साथ चुनाव कराने से सरकारी खजाने को भारी बचत होगी और बार-बार चुनाव कराने में प्रशासनिक और कानून व्यवस्था मशीनरी की ओर से किए जाने वाले प्रयासों की पुनरावृत्ति से बचा जा सकेगा। यह राजनीतिक दलों और उम्मीदवारों को उनके चुनाव अभियानों में काफी बचत लाएगा। उल्लेखनीय है कि सरकार ने एक राष्ट्र, एक चुनाव की संभावनाएं तलाशने के लिए पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की अध्यक्षता में एक समिति का गठन किया है। इससे लोकसभा चुनाव का समय आगे बढ़ने की संभावनाओं के द्वार खुल गए हैं ताकि इन्हें कई राज्यों में होने वाले विधानसभा चुनावों के साथ ही संपन्न कराया जा सके।

अधिकारियों ने कहा कि लोकसभा और विधानसभा चुनावों (उपचुनावों सहित) के परिणामस्वरूप आदर्श आचार संहिता लंबे समय तक लागू होती है और इसका विकासात्मक और कल्याणकारी कार्यक्रमों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। उन्होंने यह भी कहा कि एक साथ चुनाव कराने के लिए संविधान के कम से कम पांच अनुच्छेदों में संशोधन की आवश्यकता होगी।

इनमें संसद के सदनों की अवधि से संबंधित अनुच्छेद 83, राष्ट्रपति द्वारा लोकसभा भंग करने से संबंधित अनुच्छेद 85, राज्य विधानसभाओं की अवधि से संबंधित अनुच्छेद 172, राज्य विधानसभाओं के विघटन से संबंधित अनुच्छेद 174 और अनुच्छेद 356 जो राज्यों में राष्ट्रपति शासन लगाने से संबंधित है। इसके साथ ही भारत की शासन प्रणाली के संघीय ढांचे को ध्यान में रखते हुए सभी राजनीतिक दलों की आम सहमति की भी आवश्यकता होगी। इसके अलावा, यह जरूरी है कि सभी राज्य सरकारों की आम सहमति प्राप्त की जाए।

इसके लिए अतिरिक्त संख्या में ईवीएम और वीवीपीएटी (पेपर ट्रेल मशीन) की भी आवश्यकता होगी, जिसकी लागत 'हजारों करोड़ रुपए' होगी। एक मशीन का जीवन केवल 15 साल के होता है, इसका मतलब यह होगा कि एक मशीन का उपयोग उसके जीवन काल में लगभग तीन या चार बार किया जा सकेगा। इस व्यापक लोकतांत्रिक प्रक्रिया के लिए अतिरिक्त मतदान कर्मियों और सुरक्षा बलों की भी आवश्यकता होगी। विभाग से संबंधित कार्मिक, लोक शिकायत, कानून और न्याय संबंधी संसद की स्थाई समिति ने अपनी 79वीं रिपोर्ट में इस बात पर प्रकाश डाला था कि दक्षिण अफ्रीका में राष्ट्रीय और प्रांतीय विधानसभाओं के चुनाव पांच साल के लिए एक साथ होते हैं और नगरपालिका चुनाव दो साल बाद होते हैं।

शाहरुख खान की फिल्म जवान का ट्रेलर रिलीज

मुंबई/वार्ता

बॉलीवुड के किंग खान शाहरुख खान की आने वाली फिल्म जवान का ट्रेलर रिलीज हो गया है। शाहरुख खान इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म जवान को लेकर चर्चा में है।

एटली के निर्देशन में बनी फिल्म जवान का ट्रेलर रिलीज हो गया है। एक राजा था, एक के बाद एक जंग हारता गया... इस नरेशन के साथ शुरू होता है शाहरुख खान की 'जवान' का ट्रेलर। ट्रेलर में विजय सेतुपति, सान्या मल्होत्रा, नयनतारा, दीपिका पादुकोण, सुनील ग्रोवर से लेकर रिद्धि डोगरा तक की झलक देखने को मिलती है।

'जवान' के ट्रेलर में शाहरुख खान के विलेन के किरदार से शुरुआत होती है, जो मुंबई में एक मेट्रो को हाइजैक कर लेते हैं। शाहरुख खान 'जवान' के ट्रेलर में खतरनाक एक्शन करते हुए नजर आ रहे हैं।

फिल्म जवान' गौरी खान द्वारा निर्मित और गौरव वर्मा द्वारा सह-निर्मित रेड चिलीज़ एंटरटेनमेंट की प्रस्तुति है। यह फिल्म 07 सितंबर, 2023 को दुनिया भर के सिनेमाघरों में हिंदी, तमिल और तेलुगु भाषा में रिलीज होगी।

सूर्य मिशन प्रक्षेपण से पहले इसरो प्रमुख ने की चेंगलम्मा मंदिर में पूजा-अर्चना

तिरुपति/भाषा

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के अध्यक्ष एस. सोमनाथ आदित्य-एल1 मिशन के प्रक्षेपण से पहले, शुक्रवार को सुलुरुपेटा में श्री चेंगलम्मा परमेश्वरी मंदिर गए और मिशन की सफलता के लिए पूजा-अर्चना की। मंदिर के अधिकारियों ने बताया कि सोमनाथ ने सुबह साढ़े सात बजे मंदिर पहुंचकर पूजा-अर्चना की। संवाददाताओं से बातचीत में इसरो प्रमुख ने बताया कि आदित्य मिशन का प्रक्षेपण शनिवार को पूर्वाह्न 11 बजकर 50 मिनट पर किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस मिशन का उद्देश्य सूर्य का अध्ययन करना है। उन्होंने कहा कि अंतरिक्ष एजेंसी सूर्य वेधशाला मिशन के बाद आने वाले दिनों में एलवी-डी3 और पीएसएलवी सहित कई अन्य उपग्रहों का प्रक्षेपण करेगी। चंद्रयान-3 मिशन के बारे में सोमनाथ ने कहा कि सभी चीजें ठीक हैं तथा काम जारी है। चेंगलम्मा परमेश्वरी मंदिर के कार्यकारी अधिकारी श्रीनिवास रेड्डी ने पीटीआई-भाषा को बताया कि बीते करीब 15 साल से, रॉकेट के प्रक्षेपण से पहले इसरो के अधिकारियों का इस मंदिर में आना एक परंपरा बन गई है।

तमन्ना को लेकर वेकेशन के बारे में पूछने जाने पर पैपराजी पर भड़के विजय वर्मा

मुंबई/एजेन्सी

एक्टर विजय वर्मा ने हाल ही में स्ट्रीमिंग एंथोलॉजी 'लस्ट स्टोरीज 2' में एक्ट्रेस तमन्ना भाटिया के साथ स्क्रीन साझा की थी। वह मालदीव्स से छुट्टियां मनाकर वापस लौटे हैं। इस दौरान वह पैपराजी पर नाराज होते दिखे। एक्टर मुंबई एयरपोर्ट के अराइवल सेक्शन से अपनी कार की ओर मुस्कुराते हुए बढ़े इस दौरान फोटोग्राफरों में से एक ने उनसे पूछा, 'मालदीव से समंदर के मजे लेकर आए हो?' सवाल सुनते ही विजय को गुस्सा आ गया और उन्होंने जवाब में कहा- 'आप ऐसे सवाल नहीं कर सकते।' इससे पहले तमन्ना को भी एयरपोर्ट से बाहर निकलते हुए देखा गया था। एयरपोर्ट से एक्टर्स की कई तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर छाए हुए हैं। 26 अगस्त को, तमन्ना और विजय को मुंबई एयरपोर्ट पर

देखा गया जब वे एक साथ छुट्टियां मनाने के लिए निकले थे। हालांकि, यह जोड़ी अलग-अलग पहुंची। तमन्ना ने अपने एक इंटरव्यू के दौरान विजय के साथ अपने रिश्ते की पुष्टि की और उन्हें अपना 'हैप्पी प्लेस' बताया। दूसरी तरफ, विजय ने बाद में यह भी कहा कि हालांकि वह जनता से कुछ भी छिपाना नहीं चाहते हैं, लेकिन वह चाहते हैं कि दर्शक उनके काम के बारे में नोटिस करें और चर्चा करें, न कि उनके निजी जीवन के बारे में। वर्कफ्रंट की बात करें तो तमन्ना को हाल ही में रिलीज हुई क्राइम-थ्रिलर सीरीज 'आखिरी सच' और रजनीकांत-स्टारर 'जेलर' में देखा जा सकता है। विजय की एक और स्ट्रीमिंग फिल्म 'जाने जान' रिलीज के लिए तैयार है।

म्यूजिक इंडस्ट्री में आने से पहले एक्टर बनना चाहता था : अनु मलिक

नई दिल्ली/एजेन्सी

म्यूजिक कंपोजर और सिंगर अनु मलिक ने रियलिटी सिंगिंग शो 'सा रे गा मा पा' में अपने पुराने दिनों को याद किया और खुलासा किया कि म्यूजिक इंडस्ट्री में आने से पहले वह एक्टर बनना चाहते थे। सिंगिंग रियलिटी शो 'सा रे गा मा पा' में हिमेश रेशमिया, नीति मोहन, अनु मलिक जज और आदित्य नारायण होस्ट हैं। जहां देश भर से कंटेस्टेंट्स टॉप 12 में जगह पाने के लिए ऑडिशन दे रहे हैं, वहीं कुछ ने अपनी आवाज से जजों को मंत्रमुग्ध कर दिया है। ऐसे ही एक कंटेस्टेंट हैं पंजाब के अनमोल, जिनके गाने 'इक कुड़ी' की शानदार परफॉर्मेंस ने सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। सिंगिंग, कम्पोजिंग और लेखन में उनकी बहुमुखी प्रतिभा के बारे में जानने के बाद, अनु मलिक ने उन्हें अपने सिंगिंग स्किल के साथ-साथ लेखन को एक पेशे के रूप में ध्यान केंद्रित करने पर विचार करने की सलाह दी।

उन्होंने स्टेज पर अनमोल की कविता को सराहा। उन्होंने कहा, ''आप एक महान सिंगर हैं लेकिन मेरे लिए, आप उससे भी बेहतर लेखक हैं। आप जीवन में क्या करना चाहते हैं, यह तय करने के लिए आपकी लड़ाई खुद से है। और मैं जो कुछ भी करता हूं उसमें अपना 100 प्रतिशत देने में विश्वास रखता हूं।'' 62 वर्षीय कंपोजर ने अपने पुराने दिनों को याद करते हुए बताया कि जब वह छोटे थे तो कैसे एक्टर बनना चाहते थे।

अनु ने कहा, ''जब मैं छोटा था, तो मैं एक्टर बनना चाहता था, लेकिन कुछ अभिनेताओं में जिस तरह की चाहत थी, उसे देखने के बाद मुझे एहसास हुआ कि मैं एक्टिंग के लिए नहीं बना हूं। और, फिर मैंने धुनें बनाना शुरू किया और यहां मैं आपके सामने बैठा हूं। इसलिए, मैं बस इतना ही कहना चाह रहा हूं कि कुछ ऐसा करें जिसमें आप जानते हों कि आप उत्कृष्टता प्राप्त कर सकते हैं और अपनी प्रतिभा का अधिकतम लाभ उठा सकते हैं।'' अनु मलिक को 'आइला रे', 'जानम समझा करो', 'एक गरम चाय की प्याली', 'गोरी गोरी', 'ऊंची है बिल्डिंग' और 'ईस्ट ऑर वेस्ट इंडिया इज द बेस्ट' जैसे हिट ट्रैक के लिए जाना जाता है। 'सा रे गा मा पा' का नया सीजन जी टीवी पर प्रसारित होता है।

'यारियां-2' फिल्म के निर्माता, अभिनेता के खिलाफ धार्मिक भावनाएं आहत करने का मामला दर्ज

चंडीगढ़/भाषा। पंजाब पुलिस ने फिल्म 'यारियां-2' के एक गाने में कथित तौर पर अभिनेता को 'कृपाण' पहने हुए दिखाए जाने से धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने के आरोप में निर्देशक भूषण कुमार, निर्माता राधिका राव, विनय सप्रू और अभिनेता मीजान जाफरी के खिलाफ मामला दर्ज किया है। उप निरीक्षक अशोक कुमार ने बृहस्पतिवार को बताया कि सिख तालमेल कमेटी के एक सदस्य की शिकायत पर जालंधर जिले में प्राथमिकी दर्ज की गई है।

मामला बुधवार रात दर्ज किया गया। पुलिस ने बताया कि भारतीय दंड संहिता की धारा-295ए (जानबूझकर और दुर्भावनापूर्ण कृत्य, जिसका उद्देश्य किसी वर्ग के धर्म या धार्मिक विश्वासों का अपमान करके उसकी धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाना है) के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है। शिकायत दर्ज कराने वाले कमेटी के सदस्य हरप्रीत सिंह के अनुसार, फिल्म के गाने में अभिनेता कथित तौर पर 'कृपाण' पहने दिख रहे हैं। उनका कहना है कि 'कृपाण' सिखों के विश्वास का प्रतीक है। शिकायतकर्ता ने कहा कि इससे सिख समुदाय की धार्मिक भावनाएं आहत हुई हैं क्योंकि सिख आचार संहिता के अनुसार केवल सिख धर्म की दीक्षा हासिल करने वाला व्यक्ति ही 'कृपाण' धारण कर सकता है। सिखों की सर्वोच्च धार्मिक संस्था शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक समिति (एसजीपीसी) पहले ही फिल्म के गाने (सौरे घर) में अभिनेता द्वारा कथित तौर पर 'कृपाण' पहनने पर कड़ी आपत्ति जता चुकी है। एसजीपीसी ने भी इस संबंध में अमृतसर पुलिस आयुक्त को शिकायत दर्ज कराई है। हालांकि, फिल्म के निर्देशकों ने दावा किया था कि अभिनेता ने कृपाण नहीं बल्कि 'खुकरी'(एक घुमावदार चाकू) पहना हुआ था और उनका किसी की भी धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने या उसका अनादर करने का कोई इरादा नहीं है। इसके बाद एसजीपीसी ने कहा था, हम आपकी बेतुकी सफाई से संतुष्ट नहीं हैं। स्पष्टीकरण पर प्रतिक्रिया देते हुए एसजीपीसी ने कहा, सिख समुदाय 'कृपाण' और 'खुकरी' के आकार और दोनों को अपने शरीर पर धारण करने के तरीके से अच्छी तरह से वाकिफ हैं। हम आपके अतार्किक स्पष्टीकरण से संतुष्ट नहीं हैं। इसलिए, हम इस मामले में कानूनी कार्रवाई की प्रक्रिया शुरू करने जा रहे हैं, क्योंकि गाने का वीडियो अभी भी सार्वजनिक तौर पर दिखाया जा रहा है और लगातार सिख समुदाय की धार्मिक भावनाओं को आहत कर रहा है।

'काला' का ट्रेलर 'रिवर्स हवाला' की दुनिया का करता है खुलासा

मुंबई/एजेन्सी

अपकमिंग स्ट्रीमिंग सीरीज 'काला' का ट्रेलर शुक्रवार को जारी किया गया। यह काले धन की समानांतर अर्थव्यवस्था की कार्यप्रणाली को दर्शाता है, रिवर्स हवाला की प्रक्रिया से सफेद धन को काले धन में बदल दिया जाता है। यह आईबी अधिकारी ऋत्विक (अविनाश तिवारी) की रिवर्स हवाला ऑपरेशन को उसके मूल से खत्म करने की गहन खोज को दर्शाता है।

शो में रोहन विनोद मेहरा, निवेथा पेथुराज, ताहेर शब्बीर, जितिन गुलाटी, एलीशा मेयर और हितेन तेजवानी भी हैं। इस सीरीज का निर्माण और निर्देशन बेजॉय नांबियार ने किया है, जो अपनी फिल्म 'शैतान' के लिए जाने जाते हैं। सीरीज के बारे में बात करते हुए, बेजॉय नांबियार ने कहा, '''काला' रिवर्स हवाला के दायरे में अपराध और विश्वासघात की परतों को खोलता है। काला हमारी वास्तविकता का एक अनफ़िल्टर्ड रिफ्लेक्शन है। हम काले धन और मनी लॉन्ड्रिंग की धुंधली दुनिया पर एक ऐसी कहानी के साथ प्रकाश डाल रहे हैं, जो आपको शुरू से अंत तक बांधे रखेगी।

अभिनेता अविनाश तिवारी ने कहा, एक्टर के रूप में, हम अक्सर भावनाओं और कहानियों के मिश्रण में डूब जाते हैं, लेकिन 'काला' ने मुझे शक्ति और भ्रष्टाचार के एक बिल्कुल नए स्तर से परिचित कराया, जिसने मुझे सचमुच हिलाकर रख दिया।

बेजॉय नांबियार ने 'काला' में अपराध की एक ऐसी दुनिया गढ़ी है, जो सॉलिड रिसर्च पर आधारित है। भूषण कुमार, कृष्ण कुमार और बेजॉय नांबियार द्वारा निर्मित, 'काला' 15 सितंबर से डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर स्ट्रीम होने के लिए तैयार है।

अमृता प्रीतम का किरदार निभाना चाहती हैं रसिका

मुंबई/वार्ता

बॉलीवुड अभिनेत्री रसिका दुग्गल सिल्वर स्कीन पर कवियत्री-लेखिका अमृता प्रीतम का किरदार निभाना चाहती है। रसिका दुग्गल ने कहा, मेरे ख्याल से अमृता प्रीतम का लेखन एक ही सांस में रोमांस और क्रांति की बात करता है। उनके शब्दों में एक उदासी है, एक चाहत है, एक जुनून है, एक शांत गुस्सा है, एक सवाल है और एक कल्पना है जो कभी भी अपने बारे में सचेत नहीं होती है और इसलिए दिल में घर कर जाती है। मैं उनकी कविता से बहुत प्रभावित हुयी हूं और उनकी जीवनियों से बहुत प्रभावित से भी। यहां एक महिला है जिसने अपनी शर्तों पर जीवन जिया- अपने जोश और जुनून को स्वीकार किया और निडर होकर उनका पालन-पोषण किया। यदि उनके बारे में कोई फिल्म बनी तो उन्हें चित्रित करने का अवसर मिलना मेरे लिए एक सपने के सच होने जैसा होगा। रसिका दुग्गल दिल्ली क्राइम के तीसरे सीज़न में नीति सिंह के रूप में दिखाई देंगी। इसके अलावा, वह मिर्जापुर की बहुप्रतीक्षित तीसरे सीकवल में बीना त्रिपाठी के रूप में लौटने के लिए तैयार हैं। वह लिटिल थॉमस, लॉर्ड कर्जन मेंशन, स्पाइक, फेयरी फोक और कुछ अन्य प्रोजेक्ट्स में भी दिखाई देंगी।

RNI No. 58061/93. Regn No.:
RNP/KA/BGS/2050/2018-2020
Posted at Bengaluru PSO
Mysore Road Bengaluru-560 026.

सीरवी समाज ट्रस्ट कर्नाटक बलेपेट भवन के तत्वावधान में चातुर्मास विराजित संतश्री रामप्रकाशजी ने कहा कि सादा जीवन उच्च विचार का अर्थ यही है कि मनुष्य के स्वभाव में सादगी हो और विचार उच्च हो।

सामूहिक क्षमायाचना व संत दर्शन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

जैन श्वेतांबर खरतरगच्छीय हाला संस्थान के सदस्यों ने बेंगलूरु के बसवनगुड़ी स्थित विमलनाथ जैन मंदिर आराधना भवन उपाश्रय में साध्वीश्री सुलोचनाश्रीजी व प्रीतियशाश्रीजी आदि के दर्शन कर सामूहिक क्षमायाचना की। हाला संस्थान के अध्यक्ष रविकुमार रतनपुरा ने सभी का स्वागत किया। शाखा संयोजक विकास पारख ने सामूहिक गुरुवंदन एवं क्षमायाचना द्वारा साध्वियों का कुशलक्षेम पूछी। साध्वीश्री ने हाला परिवार की सभी महिलाओं एवं पुरुषों को स्वाध्याय से जुड़ने हेतु प्रेरित किया हाला परिवार की कुलदीपिका साध्वीश्री प्रीतियशाश्रीजी ने हाला परिवार के सभी सदस्यों को धर्म आराधना से जुड़ने की प्रेरणा दी तथा तपस्वियों को आशीष दिया। सभी सदस्यों द्वारा साध्वीश्रीजी से स्वाध्याय कक्षा में आने का नियम लिया गया।

आत्मा को शुद्ध व निर्मल बनाता है प्रतिक्रमण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के राजाजीनगर स्थित शंखेश्वर पार्श्वनाथ जैन मंदिर में चातुर्मासार्थ विराजित पन्यासश्री भक्तिरत्नविजयजी, मुनिश्री भाग्यचंद्रविजयजी व बालमुनिश्री भक्तिदर्शनजी ने कहा कि प्रतिक्रमण से आत्मा शुद्ध होती है। शास्त्रों में साधु और श्रावक को निरन्तर आत्मशुद्धि के लिए प्रयत्नशील रहने का उपदेश दिया गया है। क्योंकि कर्म-मल से युक्त आत्मा ही संसार में परिभ्रमण करती है, उस कर्म-मल को दूर हटाकर आत्मा को कषायमुक्त कर निर्मल करना ही हमारी आत्मा का लक्ष्य है, इसलिए आत्म-विशुद्धि के वास्ते श्रावक और साधु दोना को पल-पल जागरुक रहना होता है। जैन धर्म में नित्य करणीय छह आवश्यक होते हैं उसमें चौथा आवश्यक प्रतिक्रमण है। मैले वस्त्र को धोये बगैर जैसे वह साफ नहीं होता वैसे ही प्रतिक्रमण के बिना आत्मा शुद्ध नहीं हो सकती। प्रतिक्रमण का सीधा और सरल अर्थ है वापस लौटना। सीमा से बाहर चले गये अपने आपको सीमा में लाना ही प्रतिक्रमण है। प्रतिदिन प्रतिक्रमण एवं वर्ष की समाप्ति के दिन वर्ष भर में किये गए पापों-दोषों की आलोचना करना ही सांवत्सरिक प्रतिक्रमण है। सांवत्सरिक प्रतिक्रमण प्रत्येक साधक के लिए अपने स्थान को टिकाए रखने के लिए एक चुनौती है। सभी श्रावक श्राविकाओं को प्रतिकमण करना चाहिए।

जिसकी करनी व कथनी एक समान, वह होता है पुण्यात्मा : डॉ प्रतिभाश्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ अक्कीपेट के तत्वावधान में स्थानक में विराजित साध्वी डॉ प्रतिभाश्रीजी म. सा. ने अपने प्रवचन में कहा कि इस संसार में दो तरह के प्राणी है। पहला, पुण्यात्मा जिसकी आत्मा में कथनी-करनी में कोई अन्तर नहीं होता है।

जिसकी आत्मा सफेद रंग की तरह उज्ज्वल है उन्हें पुण्यात्मा कहते हैं। दूसरी है पापात्मा जिनकी कथनी और करनी में फर्क है। कहते कुछ है और करते कुछ है। जिनकी आत्मा दागदार है वह है पापात्मा। इस संसार में दो तरह के जीव होते हैं। एक है सम्यकदृष्टि जो इस संसार में तो रहते हैं लेकिन संसार से निर्लिप्त रहते हैं।

दूसरे हैं मिथ्यादृष्टि जो हमेशा संसार में रचे-पचे रहते हैं संसार को अपना मानते हैं। पर, संसार तो मकड़ी के जाल के समान है। इसमें जितनी रूचि रखेंगे उतना फंसते जाएंगे। एक बार फंसने पर बाहर निकलने का रास्ता मुश्किल हो सकता है। ज्ञानी भगवंत कहते हैं कि मोह माया से भरे हुए संसारी जीव को हमेशा संसार से बाहर निकालने की कोशिश करनी चाहिए। यह संसार भोगने जैसा नहीं है। अगर हम इस बात को जानेंगे और समझेंगे तो हम संसार से विरक्त हो सकते हैं। और, अपनी आत्मा का कल्याण कर सकते हैं।

इससे पूर्व साध्वी अनुज्ञाश्रीजी ने कहा, अगर हमें सुखी होना है तो हमें कुछ बातों का ध्यान रखना होगा। हमें अपने हाथों से न्याय नीति के काम करने चाहिए। आंखों में लज्जा रखनी चाहिए। कानों से सिर्फ अच्छे शब्दों को ग्रहण करना चाहिए और वाणी में विवेक रखना चाहिए। ऐसा करने से हम अपना जीवन सुंदर बना सकते हैं। साध्वी प्रियांगीश्रीजी ने चातुर्मास संबंधी सूचनाएं प्रदान की। आज अनीता छाजेड़, संतोष बागरेचा, पुष्पाबाई ढेलड़िया, संतोष विनायकिया, किरण सालेचा, भारती खांटेड ने सात उपवास के प्रत्याख्यान ग्रहण किये। सहमंत्री विनोद भूरट ने संचालन किया।

'व्यक्ति की पहचान उसके स्वभाव से होती है'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के शांतिनाथ जैन श्वेताम्बर मूर्तिपूजक संघ ट्रस्ट के तत्वावधान में एलएनपुरम स्थित समणी भवन के प्रांगण में चातुर्मासार्थ विराजित मुनिश्री राजपद्मसागरजी ने बाह्यतप तप के दूसरे तप उनोदरी तक को समझाते हुए कहा कि इस तप का अर्थ है भूख से कम खाना। जितनी भूख हो उससे कुछ कम आहार करना। सामान्यतः पुरुष का भोजन छत्तीस कवल तथा स्त्री को भोजन अट्ठाईस कवल का होता है। चार रोटी की भूख हो तब तीन रोटी खाना उनोदरी तप है। इस प्रकार क्षुधा से कम भोजन करने को उनोदरी कहते है। आहार के समान कषाय, वस्त्र, योग की चंचलता आदि की भी उनोदरी होती है। इसलिए इस तप के दो भेद है द्रव्य व भाव उनोदरी। वस्त्र, पात्र, आहार, पानी आदि का शास्त्र में जो परिणाम बताया गया है उसमें भी कम द्रव्यों का उपयोग करना द्रव्य उनोदरी है। क्रोध, मान, माया, लोभ, कलह आदि शब्दों का कम प्रयोग करना भाव उनोदरी है। मुनिश्री श्रमणपद्मसागरजी म.सा ने कहा किसी की पहचान करनी हो तो चाहे व्यक्ति हो या वस्तु तो उसकी पहचान स्वभाव से होती है पुष्प का स्वभाव होता है सुवास, कोमलता उसके स्वभाव में होती है, वैसे ही मनुष्य की पहचान करनी होती उनके स्वभाव से।

'पुण्य कमाने से धन और अधिक आता है'

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के सिमंधरस्वामी राजेंद्रसूरी ट्रस्ट मामुलपेट के तत्वावधान में आयोजित चातुर्मास में गुरु राजेन्द्र भवन किलारी रोड में विराजित साध्वी भव्यगुणाश्रीजी ने नवकार महामंत्र जाप 68 तीर्थ भावयात्रा के समापन समारोह में कहा कि प्रतिदिन नमस्कार महामंत्र का स्मरण करना चाहिए। उन्होंने कहा कि धन आने में सुख है, धन के देने में भी सुख है, इसलिए लोग लाखों करोड़ों रुपये धन दान देते है। धन को पाना और देना सुख का कारण है, दुख तो खोने के कारण है। जैसे दुकान का हिसाब बराबर होता है वैसे ही जीवन का हिसाब बराबर होना चाहिए। मेहनत के साथ पुण्य भी होना चाहिए। पुण्य कमाने से धन और अधिक आता है। धन कमाने की इच्छा है तो पुण्य कमाना होगा, दान करना होगा। हमारी जो संपत्ति हैं उसमें एक हिस्सा भगवान को देना चाहिए। एक हिस्सा व्यापार का, एक हिस्सा परिवार, एक हिस्सा परोपकार को, जहां पर भी ऐसा अवसर मिले अवश्य करना चाहिए। तिलोकचंद भंडारी ने बताया कि नव दिवसीय एकासणा के पारणा लाभार्थी तेजराज कुहाड परिवार का संघ द्वारा सम्मान किया गया। नेमीचंद वेदमुथा ने बताया कि साध्वी भव्यगुणाश्रीजी को भांडवपुर ट्रस्ट मंडल द्वारा फरवरी माह में होने वाली भांडवपुर तीर्थ प्रतिष्ठा महोत्सव में पधारने का निवेदन किया और अग्रिम मनुहार पत्रिका अर्पण की ।

'आत्मा के शाश्वत सुख की प्राप्ति के लिए यह धर्म जरुरी'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के महालक्ष्मीलेआउट स्थित चिंतामणि पार्श्वनाथ जैन मंदिर में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वीजी श्री तत्वत्रयाश्रीजी ने अपने प्रवचन में कहा कि कर्पूर आदि सुगन्धित पदार्थों से वासित करने पर भी लहसुन कभी सुगंध को ग्रहण नहीं करता है। जीवन पर्यन्त नीच व्यक्ति पर कितना ही उपकार किया जाय तो भी उसमें सज्ज्नता नहीं आती है, इसी प्रकार मनुष्य का देह भी अपनी स्वाभाविक दुर्गन्ध को नहीं छोड़ता है। इस देह की कितनी ही सेवा की जाय, इस देह को कितने ही आभूषणों से विभूषित किया जाय, इस देह को कितना ही पुष्ट किया जाय, फिर भी इस पर विश्वास नहीं रखा जा सकता है इस देह की कितनी ही मालिश करो, इसकी विभूषा करो, इसे पुष्ट करो परन्तु इससे आत्मा को कुछ भी लाभ होने वाला नहीं है, बल्कि यह देह विश्वास का भी पात्र नहीं है । इसका विश्वास करने जैसा नहीं है, इसके भरोसे रहने वाला भी हमेशा नुकसान ही उठाता है।

साध्वीश्री ने कहा कि रोग के निवारण के लिए पथ्य का सेवन और अपथ्य का त्याग अनिवार्य है। आत्मा पर भी कर्म का रोग लगा हुआ है। उस कर्म रोग के निवारण के लिए प्रपश्यभूत प्रथमं का त्याग और पथ्यभूत धर्म का सेवन अनिवार्य है। यह धर्म मोक्षमार्ग के लिए पथ्य- भूत है, अतः इसका सेवन अत्यन्त हो अनिवार्य है। आत्मा के शाश्वत सुख की प्राप्ति के लिए यह धर्म ही तथ्य स्वरूप है। यह जानकारी जयंतीलाल श्री श्रीमाल ने दी ।

'दुनिया को ही देखते रहेंगे तो राग-द्वेष बढ़ता ही रहेगा'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

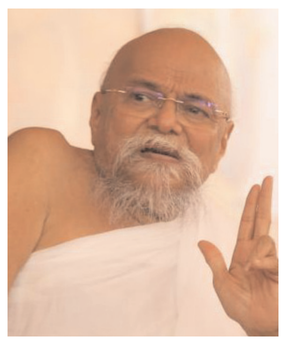

बेंगलूरु। शहर के वीवी पुरम स्थित संभवनाथ जैन मंदिर में चातुर्मासार्थ विराजित आचार्यश्री अभयशेखर सूरीश्वरजी ने अपने प्रवचन में कहा कि यशोविजयजी म. सा. ने सैकडों ग्रंथों की रचना की है और ग्रन्थों में आत्मसाधना के तरीके बताए गए। उनको कहा है कि साधना ऐसी करनी चाहिए जिसमें से राग-द्वेष शीघ्र विलीन हो और यह अनंत-अनंत जिनेश्वर की आज्ञा हो। राग-द्वेष के विजयी मेरे अरिहंत परमात्मा के मार्ग पर मैं चल रहा हूं या नहीं?

दुनिया को ही देखते रहेंगे तो राग-द्वेष बढ़ता ही रहेगा। राग-द्वेष कम करना है तो आत्मा का चिंतन महत्वपूर्ण है। कंगन और हथकड़ी में फर्क बताते हुए संतश्री ने कहा कि कि कंगन सौभाग्य का चिन्ह है, अपनी इच्छा से उतार सकतें हैं और पहन सकते हैं लेकिन हथकड़ी दुर्भाग्य का चिन्ह है, अपनी मर्जी से उतार नहीं सकते। उसी तरह पुण्य से हमें अनेक सामग्री मिली है जो सौभाग्य स्वरूप है लेकिन उन सामग्री पर रहा हुआ हमारा ममत्व, राग इसे हथकड़ी बना देती है जिसे छोड़ना बहुत मुश्किल हो जाता है। शालिभद्र की रिद्धि उसकी हथकड़ी नहीं कंगन समान थी और मम्मण सेठ की हथकड़ी समान। उसके राग और संपति की मूर्छा ने उसके लिए सातवीं नरक का उपहार लाया। जिन वाणी सुनना अच्छी बात है लेकिन पर्याप्त नहीं। जो हम सुनते हैं स्वयं को सुनाने से चमत्कारी लाभ मिलता है।

इन्द्रियों पर विजय प्राप्त करने से हर कार्य संभव : साध्वी संस्कारनिधि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के राजस्थान जैन श्वेतांबर मूर्तिपूजक संघ जयनगर के तत्वावधान में चातुर्मास विराजित साध्वीश्री संस्कारनिधिश्रीजी ने कहा कि रेती में से तेल निकालने के लिए आप चाहे जितने प्रयास करें आपको सफलता नहीं मिलेगी ।

तिल में से ही आप तेल निकाल सकेंगे । पांच इंद्रियों के विशेष सुख से पाने का आप चाहे जितना प्रयास क्यों न करें आपको सफलता नहीं मिलेगी, जिस भी इंद्रिय के विषय के प्रति आपकी आसक्ति है, उसके विजय के लिए ही प्रयत्न करें, तो पवित्रता एवं प्रसन्नता का आपको एहसास होगा। अच्छा रूप देखने के लिए आंखें लालायित बने तो आंखें बंद कर लीजिए। प्रभु दर्शन में आंखों को लीन बनाए स्वादिष्ट भोजन के लिए जीभ लालायित बने तो तपस्या एवं त्याग द्वारा जीवों पर विजय प्राप्त कर सकते हैं।

मधुर संगीत एवं स्व प्रशंसा के शब्द सुनने के लिए लालायित बने कानों को जिनवाणी श्रवण एवं धर्म कथा में मग्न बनाकर करण इंद्रिय पर विजय प्राप्त करें। इसी प्रकार एक एक इंद्रिय पर निग्रह रखकर हम अपने आपको संयम में जोड़ सकते हैं।

बच्चों को संस्कारवान बनाने से पहले खुद संस्कारी बनें

राणीबेन्नूर/दक्षिण भारत। यहां शहर के सुमतिनाथ जैन श्वेताम्बर मूतिपूजक संघ में चातुर्मासार्थ विराजित आचार्यश्री महेन्द्रसागरसूरीजीश्री ने प्रवचन में कहा कि जिस घर में बच्चे नहीं होते वो घर सुना सुना लगता है।

बच्चों के मुँह से बात भी बहुत अच्छी लगती हैं। लेकिन जो बच्चे उदंड भी होते हैं कभी कभी काम बिगाड़ देते हैं। बच्चे गलती भी करें तो उन्हें प्रेम से या गुस्से से भी उन्हें अपनी गलती का एहसास कराना चाहिए। बहुत अच्छी तरह से समझाने की कोशिश करनी चाहिए। बच्चों को अच्छे संस्कार देना चाहिए। बच्चे कच्ची मिट्टी के घड़े समान होते है उन्हें जितनी थाप देंगे वह उतने ही मजबूत होगे। हम बड़े सुधर जाएं तो बच्चे खुद ही सुधर पाएंगे। जिस तरह एक पाषाण में प्रतिमा छिपी रहती है और एक पाषाण को मूर्तिकार अपनी हथौडी और छैनी से खूबसूरत प्रतिभा का रूप दे देता है, उसी तरह बच्चों की प्रतिभाओं की घड़ाई के लिए उपयुक्त प्रशिक्षण-संस्कार-मार्गदर्शन, प्रोत्साहन देकर उनके जीवन का योग्य निर्माण करना चाहिए। हर साल हजारों परिवार बच्चों से हिंसाकारक चिंताओं का शिकार हो रहे है। आने वाले समय में स्थिति और भयावह हो सकती है अत: हमसे उन्हें खुद सही शिक्षा, सीख मिल सके वैसा खुद को बनाए।

सादा जीवन उच्च विचार हो हमारे जीवन का ध्येय : संत रामप्रकाश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। सीरवी समाज ट्रस्ट कर्नाटक बलेपेट भवन के तत्वावधान में चातुर्मास विराजित संतश्री रामप्रकाशजी ने कहा कि सादा जीवन उच्च विचार का अर्थ यही है कि मनुष्य के स्वभाव में सादगी हो और विचार उच्च हो। जो व्यक्ति अपनी धन संपदा या ज्ञान का दिखावा करता है, वास्तव में वह अज्ञानी होता है। धन संपदा, ज्ञान से समृद्ध होने के बाद व्यक्ति का जीवन फल से लदे वृक्ष की तरह हो जाना चाहिए।

जिस तरह पेड़ पर फल लगते हैं तो वह नीचे की ओर झुक जाता है। ठीक उसी प्रकार ज्ञान अथवा धन प्राप्त करने के बाद मनुष्य को भी विनम्र हो जाना चाहिए। मनुष्य का आचरण ही उसे महान बनाता है क्योंकि अच्छे आचरण से ही व्यक्ति में उच्च विचारों का जन्म होता है। इस अवसर पर संस्था के उपाध्यक्ष अन्नाराम परिहारिया, सहसचिव भंवरलाल गेहलोत, शेषाराम भायल, जगदीश चोयल, उम्मेदराम गेहलोत, सुरेश बर्फा, वालाराम काग सहित समाज के अनेक गणमान्य मौजूद थे।

'मां, गुरु मां और परमात्मा के चरणों में झुकने से होता है कल्याण'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के मागड़ी रोड स्थित सुमतिनाथ जैन श्वेतांबर संघ में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वीश्री प्रीतिसुधाश्रीजी की निश्रा में प्रियमंत्रान्जनाश्रीजी ने कहा कि माता-पिता के ऋण को चुकाया नहीं जा सकता। अगर शरीर की चमड़ी का जूता बना दिया जाए और माता-पिता को पहना जाए तो भी ऋण से मुक्त नहीं हो सकते, अपने शरीर की चमड़ी को ढोल में लगाकर कितना भी पीटा जाए तो भी ऋण नहीं चुका सकते। माता ने हमको जन्म दिया, हमारे शरीर की हाथ पांव की सलामती में माता-पिता ही निमित्त बने थे। हमें खाने का, कपड़े पहनने का, रहने का तरीका सब कुछ मां ने सिखाए। मां ने कभी भी अपने खुद के सुख का नहीं सोचा। संतान के सुख में नहीं, पर संतान के दुख के समय ज्यादा सहभागी बनी। माता-पिता की पूजा यानी उनकी आज्ञा मानना। मां के चरणों में ही स्वर्ग है। साध्वीश्री ने बताया कि हरिभद्रसूरीश्वरजी ने धर्म बिंदु ग्रंथ में कहा है कि माता-पिता दोनों की पूजा करना। पिता का भी उपकार कम नहीं है, बच्चों की पढ़ाई में, उन्हें आगे बढ़ाने में उनकी कोई बड़ी तकलीफ हो, उस समय पिता ही काम आते हैं । अगर मां की पूजा करते हैं तो धर्म में प्रवेश होगा। मां के चरणों में मस्तक रखा तो रखड़ना नहीं पड़ता है। मां, गुरु मां और परमात्मा इन तीनों के चरणों में झुक गए तो उनका कल्याण हो जाता है। पत्नी द्वारा माता को जितना सम्मान दिया जाता है उतना ही सम्मान अपनी सास को भी देना चाहिए। शॉल माला, प्रशंसा, प्रतिष्ठा, वाहवाही सब कुछ समाज से मिल सकता है, पर शांति और सांत्वना देने वाली तो मां ही होती है। मां अपनी संतान को गुणवान, रूपवान और एक अच्छा इंसान बनाती है।

रक्षाबंधन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

हुब्बल्ली के जैन राजस्थानी विद्या प्रचारक मंडल के शांतिनाथ हिंदी हाईस्कूल इंट्रेक्ट क्लब के सदस्यों ने गब्बूर स्थित विकलचेतन बालक बालिकाओं के साथ रक्षाबंधन का पर्व मनाया। इस मौके पर रोटरी क्लब मिडटाउन के प्रवीण भंसाली, प्रधानाध्यापक विलास पुदाल आदि भी उपस्थित थे।इंट्रेक्ट क्लब की अध्यक्षा ममता चौधरी, सवि रविना सैनव सहसचिव संतु चौधरी आदि ने विशेष बच्चों से राखी बंधवाई।

सम्मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

अरसीकेरे स्थित श्री पार्श्व भैरव धाम परिवार की ओर से पूर्णिमा के मौके पर धाम में पूजा एवं भेरूजी की भक्ति का आयोजन किया जिसमें भजन गायक दिलखुश बाफना ने भजनों की प्रस्तुति दी। इस मौके पर तीर्थ धाम पर सुकनराज चोपड़ा परिवार के सौजन्य से एक कमरे का उद्घाटन किया गया। इस मौके पर ऑल इंडिया पारस भैरव भक्त परिवार के नए राष्ट्रीय महामंत्री गौतमचंद धारीवाल का धाम की ओर से सम्मान किया गया । इसी कड़ी में हुब्बल्ली के पारसमल गुलेच्छा, बेंगलूरु के मानकचन्द बडेरा, नारीशक्ति संस्था के संयोजक अशोक भंडारी का भी सम्मान किया गया।

Printed & Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. Editor-Shreekant Parashar,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com